नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 2 मार्च 2024 शनिवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 07 • अंक : 302 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 2.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1807 : अमेरिकी कांग्रेस ने एक कानून पास कर देश में गुलामों के आयात पर रोक लगा दी थी। दास प्रथा की समाप्ति की दिशा में यह अहम कदम था।

1982 : बिहार की राजधानी पटना में महात्मा गांधी सेतु का उद्घाटन हुआ।

1983 : सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।

2006 : भारत ने परमाणु शक्ति के सम्बन्ध में अमेरिका के साथ राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के दिल्ली आगमन पर समझौता किया।

2012 : जर्मनी में अदालत ने एप्पल और सैमसंग के बीच पेटेंट का मुकदमा खारिज किया।

नई कनेक्टिविटी के जरिए आर्थिक गति को मिलेगा बढ़ावा : मोदी

प्रधानमंत्री ने 35,700 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास, सिंदरी हर्ल संयत्र राष्ट्र को समर्पित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चिर-प्रतीक्षित कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री मोदी सर्वप्रथम सिंदरी हर्ल संयंत्र का उद्घाटन कर उसे राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही ट्रेन के क्षेत्र में यात्रियों को कई सुविधाएं मिली। नई कनेक्टिविटी के जरिए आर्थिक गति को बढ़ावा मिलेगा, इस संकल्प के साथ की 2047 भारत को विकसित करने में यह विकास कार्य सहयोगी बनकर सामने आएगी। विजय संकल्प रैली के इस कार्यक्रम में अपार भीड़ के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़वा अड्डा हवाई पट्टी पर लाखों की भीड़ को संबोधित किया।

वर्षों से बंद सिंदरी खाद कारखाना के कर्मियों में खुशी की लहर :

लंबे समय से बंद सिंदरी खाद कारखाना को लेकर सिंदरीवासी निराश हो चुके थे। हर्ल फैक्ट्री के उद्घाटन से सिंदरी में खुशी की लहर देखी गई। मौके पर राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री सह वर्तमान कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी सहित धनबाद के विधायक राज सिन्हा, बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो, निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता सहित अन्य पड़ोसी संसदीय क्षेत्र गिरिडीह व कोडरमा से भी बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं व आमजन की जुटान प्रधानमंत्री को सुनने के लिए एकत्रित हुई थी। धनबाद, बोकारो, गिरिडीह व कोडरमा के तमाम भाजपा नेता व जिला अध्यक्ष भी पहुंचे हुए थे। सिंदरी से आगमन पर बरवा अड्डा हवाई पट्टी सभा स्थल से पहले प्रधानमंत्री ने रोड शो के तहत जनता का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान पारंपरिक नृत्य से झारखंडी संस्कृति भी पेश किया गया। रोड शो के दौरान कई नारे भी लगे। जनसभा इतनी विशाल रही की व्यवस्था कम पड़ गई, लोगों को कड़ी धूप का सामना करना पड़ा। लाखों की भीड़ देखकर व्यवस्थापक स्तब्ध थे।

ऐसे हुआ स्वागत

बरवाअड्डा सभा स्थल स्थित मंच पर जाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हल्का रोड शो भी हुआ जिसमें लाखों लाख लोग नारे लगाते नजर आए। भीड़ देखकर आयोजकों का मन भी गदगद हो गया। दोनों हाथ हिलाकर प्रधानमंत्री लोगों का अभिवादन स्वीकार करते रहे। यह दृश्य स्वाभाविक रूप से आगामी लोकसभा का आगाज ही कहा जा सकता है। कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपने संबोधन में कहा की सिंदरी की हर्ल संयत्र चालू होने से कृषि के क्षेत्र में बेहतरी का मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। प्रतिदान 41 हजार मीट्रिक टन उत्पादन क्षमता इस संयत्र को है। इस साल 10 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन किया गया, आने वाला वर्ष में निर्धारित लक्ष्य सालाना 12 लाख मेट्रिक टन करना है। ऐसे में प्रधानमंत्री का यह वादा पूरा हुआ की कृषि के क्षेत्र में खाद के मामले में देश आत्मनिर्भर हो जाएगा।

क्या कहा प्रधानमंत्री ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड में लूट की तंत्र को समाप्त करने का समय आ गया ह। उन्होंने बताया की बंद सिंदरी खाद कारखाना को चालू करने के क्षेत्र में हर्ल का उद्घाटन रंग लाएगा। किसी को उम्मीद भी नहीं थी कि यह कारखाना फिर से चालू होकर देश को कृषि के क्षेत्र में फिर से आत्मनिर्भर बनाने में अपनी भूमिका निभाएगा। उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार पर व्यंग्य कसते हुए कहा कि परिवारवादी परंपरा से देश का

विकास नहीं देश का विनाश होगा। झारखंड में खनिज संपदा की भरमार रहने के बाद भी विकास को धक्का लग रहा था जिसे फिर से ट्रैक पर चढ़ा दिया है। अब आने वाले समय में आपके आशीर्वाद की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भला बुरा कहने वालों से मोदी का कुछ बिगड़ने वाला नहीं बल्कि भाजपा का ग्राफ और चढ़ेगा। हम सिर्फ देश का विकास चाहते हैं और सिंदरी उर्वरक के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। सिंदरी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनके साथ झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन भी मौजूद थे।

इन रेल योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धनबाद से चंद्रपुर रेल लाइन टोरी शिवपुरी तीसरी रेल लाइन, मोहनपुर हंसडीहा रेल लाइन, नॉर्थ उरीमारी कोल हैंडलिंग प्लांट, रेट्रो फिटिंग प्रदूषण प्रणाली एफडीजी योजनाओं का शिलान्यास किया।

रेल क्षेत्र में हुआ यह उद्घाटन

रेल मंत्रालय की 753.48 करोड़ की मोहनपुर हंसडीहा रेल लाइन की लंबाई 38.110 कि है। इस रेल लाइन में पांच स्टेशन है मोहनपुर खड़ियाडीह, हरलाटांड़, ककनी, हंसडीहा। इस नई रेल लाइन पर चलने वाली पहली ट्रेन देवघर डिब्रूगढ़ ट्रेन है। इस ट्रेन के चालू हो जाने से देवघर गोड्डा रेल लाइन सीधे तौर पर जुड़ जाएगा। देवघर और गोड्डा जाने वाले यात्रियों को दुमका और नोनोडीह से गुजरा नहीं पड़ेगा। इस रेल लाइन के चालू हो जाने से यात्रियों को समय में ढाई घंटे का बचत होगा। साथ ही रेलवे की राजस्व की भी वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस रेल लाइन का उद्घाटन भी किया।

क्षेत्र के विकास में आएगा बड़ा बदलाव : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और अमर वीर शहीद सिदो कान्हू की पावन भूमि और कोयला नगरी धनबाद में प्रधानमंत्री का अभिनंदन और जोहार किया। उन्होंने कहा की झारखंड को आगे बढ़ाना है। इस राज्य को हमें संवारना है। बदलते समय के अनुरूप इस राज्य का नवनिर्माण करना है। मुझे प्रधानमंत्री से पूरी उम्मीद है कि वे झारखंड को आगे बढ़ाने में इस राज्य को पूरा सहयोग करेंगे। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने हर्ल कारखाना उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। सिंदरी खाद कारखाना का फिर से चालू होना इस क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगा। विकास का नया दरवाजा खुलेगा। किसान जब आधुनिक तकनीक और पद्धतियों से कृषि करेंगे तो उपज बढ़ेगी। खाद्यान्न उत्पादन जब बढ़ेगा तो इसका सीधा फायदा किसानों को होगा। उनकी आय बढ़ेगी और वे सशक्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड का भौगोलिक परिवेश देश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में कई मायनों में अलग है। एक तरफ यहां लोहा, कोयला, बॉक्साइट और यूरेनियम जैसे कई खनिज प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं तो खेत-खलिहान पर भी ग्रामीणों की एक बड़ी आबादी निर्भर है। ऐसे में राज्य के सम्यक विकास के लिए दोनों के बीच संतुलन जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के आदिवासियों- मूलवासियों और किसानों-मजदूरों को उनके पैरों पर खड़ा कर हम इस राज्य को मजबूती दे सकते हैं। इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार निरंतर काम करते आ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को स्वावलंबी और सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। हमारा प्रयास है कि हर खेत में सालों भर पानी रहे, ताकि किसान बेहतर तरीके से खेती कर सके। इसके लिए सिंचाई परियोजनाओं पर विशेष रूप से काम हो रहा है। किसानों को आधुनिक तकनीक से कृषि कार्य करने के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित किया जा रहा है। किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। ऐसे में जब खेतों में उपज बढ़ेगा तो खाद्यान्न को लेकर हम और आत्मनिर्भर बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंदरी खाद कारखाना के पुनर्जीवित होने से जहां किसान लाभान्वित होंगे, वहीं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यहां के युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। इससे इलाके में समृद्धि आएगी और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, धनबाद के सांसद पशुपतिनाथ सिंह और झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी समेत कई वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

बिहार में बिजली उपभोक्ताओं को सरकार ने दी राहत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नीतीश सरकार ने बिहार वासियों को बड़ी राहत दी है। बिजली दर में 2 फीसदी कटौती का ऐलान किया गया है। कटौती का लाभ सभी तरह के उपभोक्ताओं को मिलेगा। बिहार राज्य विद्युत विनियामक आयोग ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया है। नए रेट 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक लागू रहेंगे। इससे पहले साउथ और नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने 36 से 40 पैसे तक प्रति यूनिट वृद्धि का प्रस्ताव दिया था। पटना सहित 4 जिलों में जनसुनवाई कर आयोग के सदस्य परशुराम सिंह यादव व अरुण सिन्हा ने उपभोक्ताओं, संगठनों और बिजली कंपनी के अधिकारियों का पक्ष सुनकर फैसला सुरक्षित रखा था।

दरअसल, दोनों कंपनियों ने आयोग के पास बिजली महंगी करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे आयोग ने खारिज कर दिया है। बिजली कंपनियां दरों में 3.03 फीसदी की बढ़ोत्तरी चाहती थीं। बीते दिनों बिहार विधानसभा में बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि हम लोगों को फ्री में बिजली नहीं देंगे। कई राज्य फ्री दे रहे हैं। हम भी हल्का पैसा ले रहे हैं जो सबकी सुरक्षा के लिए है। लोगों के लिए ही अभी 14 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। वहीं बिजली विभाग के बजट पर चर्चा करते हुए ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र यादव ने कहा था कि पैसा गाछ (पेड़) में नहीं फलता है।

संक्षिप्त समाचार

सात साइबर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह। गिरिडीह के तिसरी पुलिस ने 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 7 मोबाइल फोन, 13 सिम कार्ड, 1 बैंक पासबुक, 2 आधार कार्ड, 3 पैन कार्ड व कई अन्य सामान बरामद किया गया है। इसकी जानकारी गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर दी है। बता दें कि गिरफ्तार साइबर तिसरी थाना क्षेत्र के किशुटांड निवासी निरंजन प्रसाद यादव, भंडारी निवासी मंटू कुमार, सचिन कुमार यादव, देवरी थाना क्षेत्र के साखो निवासी चन्द्रदेव कुमार राय और बिरनी थाना क्षेत्र के पाराटांड का अजीत यादव शामिल है। इन सभी साइबर अपराधियों को पुलिस ने तिसरी थाना क्षेत्र के कलवा नदी के पास से गिरफ्तार किया है।

पलामू में डेढ़ लाख की लूट

पलामू। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में दिन दहाड़े अपराधियों ने एक व्यक्ति से डेढ़ लाख रुपए लूट लिए। घटना मुख्य बाजार में भीड़ भाड़ वाले इलाके जय भवानी संघ चौक के पास हुआ। कुंड मोहल्ला के रहने वाले मिथिलेश सिंह अपनी बेटी की शादी की तैयारी के लिए बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक के शाखा से दो लाख रुपए निकाल कर जा रहे थे। 50 हजार रुपए उन्होंने खरीदारी पर खर्च कर दिया था। बाकी बचे डेढ़ लाख रुपए झोला में रखकर हाथ में लटकाए जा रहे थे।

चाईबासा में सुरक्षाबलों ने 5 किलो का आईईडी डिफ्यूज किया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों के हाथ बड़ी सफलता लगी है। सुरक्षा बल ने टोन्टो थाना क्षेत्र के वनग्राम जिम्की इकीर के पास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में अभियान चलाकर दो नक्सली कैम्प को डिफ्यूज कर दिया है। चाईबासा पुलिस ने कल रात लगभग 8 बजे इसकी जानकारी दी। नक्सलियों ने इन रास्तों में कई आईईडी बम बिछा रखे थे, जिसे सुरक्षाबलों ने जमीन में गाड़कर डिफ्यूज कर दिया। अभी भी कई जगहों में आईईडी मिलने की खबर है। सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इन इलाकों में कई नक्सली कैंप भी मौजूद हैं। सुरक्षा बल ने इस अभियान में सात नक्सलियों के बंकर भी नष्ट किए हैं। इन बंकरों में करीब 60-70 लोगों की ठहरने की सुविधा थी। नक्सली लंबे समय तक इन बंकरों में ही रहकर सुरक्षा बलों का सामना कर रहे थे, लेकिन अब नक्सल अभियान में धीरे-धीरे सुरक्षाबलों की स्थिति मजबूत हो रही है।

टीएसपीसी इनामी उग्रवादी संतोष गंझू ने किया आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर उठाया कदम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार के आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर टीएसपीसी सक्रिय सदस्य एक लाख का इनामी उग्रवादी संतोष गंझू ने शुक्रवार को सीआरपीएफ एवं रांची पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उसे आत्मसमर्पण नीति के तहत 1 लाख का चेक प्रदान किया गया। रांची के सीनियर एसपी चंदन सिन्हा ने कहा कि विगत वर्ष 2013 से 2017 तक काफी सक्रिय रहा संतोष गंझू टीएसपीसी के लोकल गोरिल्ला स्क्वायड का स्क्वाड का कमांडर था। सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस के संयुक्त प्रयास एवं सक्रिय भूमिका निभाते हुए संतोष गंझू के परिवार से लगातार मुख्यधारा में लौटने को लेकर कहा जा रहा था जिसे इसने स्वीकार किया। संतोष गंझू वांछित था और पुलिस मुख्यालय के द्वारा इस पर 1 लाख का इनाम भी था, वही संतोष गंझू ने बताया कि लगभग 2 सालों तक टीएसपीसी संगठन से जुड़ा हुआ था और उसके बाद उसे छोड़कर राजस्थान चला गया अब अपने परिवार के साथ जीवन बसर करना चाहता है। संतोष गंझू ने साथियों से भी अपराध और नक्सलवाद की दुनिया छोड़कर अपने घर पर परिवार के साथ सुखीपूर्वक जीवनयापन करने की अपील की।

JOIN INDIAN NAVY

Online applications are invited from **unmarried men & women candidates,**to join as **Short Service Commission Officer**

(Course commencing **January 2025** onwards at Indian Naval Academy, Ezhimala, Kerala)

Branch/Cadre	Vacancies*	Gender
General Service [GS (X)]	50	Men and Women {maximum of 15 vacancies for women}
Pilot	20	Men and Women (maximum of 06 vacancies for women)
Naval Air Operations Officer(NAOO)	18	Men and Women (maximum of 05 vacancies for women)
Air Traffic Controller(ATC)	08	Men and Women
Logistics	30	Men and Women (maximum of 09 vacancies for women)
Naval Armament Inspectorate Cadre(NAIC)	10	Men and Women
Education	18	Men and Women
Engineering (General Service)	30	Men and Women (maximum of 09 vacancies for women)
Electrical (General Service)	50	Men and Women (maximum of 15 vacancies for women)
Naval Constructor	20	Men and Women

* These vacancies are tentative and may be changed depending on availability of training slots.

LAST DATE FOR ONLINE APPLICATION IS 10 MARCH 2024

For eligibility criteria and specific details for the batch, visit www.joinindiannavy.gov.in and

EMPLOYMENT NEWS DATED 24 FEBRUARY 2024

Scan this QR Code to apply online

cbc 10701/13/0033/2324

संक्षिप्त समाचार

किशोरी ने फांसी लगाकर किया सुसाइड :घर में अकेली थी, मां ने फंदे से झूलता हुआ देखा, इलाज के दौरान मौत

मधेपुरा , एजेंसी। मधेपुरा के जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गुरुवार को इलाज के दौरान एक किशोरी की मौत हो गई। उसने बुधवार की शाम अपने घर में गले में फंदा लगाकर आत्महत्या की कोशिश की थी। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। मामला घैलाढ़ ओपी क्षेत्र के रतनपुरा पंचायत के वार्ड तीन का है। मृतका की पहचान राधेश्याम राम की 16 वर्षीय पुत्री मनीषा कुमारी के रूप में हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। मृतका की मां सीता देवी ने बताया कि बुधवार को वह टीकाकरण कार्य के लिए ईटहरी गई हुई थी। वहीं उनकी बेटी मनीषा टोले में ही अष्टयाम देखने गई हुई थी। जब वह देर शाम टीकाकरण से वापस लौटी तो देखा कि मनीषा घर में फांसी के फंदे से झूल रही है। शोर मचाने पर जुटे लोग उसे फंदे से उतारकर जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उनकी मौत हो गई। घैलाढ़ ओपी अध्यक्ष अवधेश प्रसाद ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। शव को पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया है। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। आवेदन मिलने पर मामले की जांच पड़ताल की जाएगी।

73 साल के हुए नीतीश कुमार ; जन्मदिन पर मुख्यमंत्री योगी ने दी बधाई

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज 73 वर्ष के हो गए हैं। नीतीश के जन्मदिन पर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। फेसबुक पर पोस्ट कर बधाई संदेश दिया है। सीएम योदी ने लिखा कि बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! माता जानकी से आपके लिए उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना है। पूरे प्रदेश में उनका जन्मदिन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। राज्य के तमाम वरिष्ठ मंत्री व एनडीए के नेता उन्हें बधाई देने पहुंचेंगे। नीतीश कुमार का जन्म 1 मार्च 1951 को नालंदा जिले के हरनौत (कल्याण बिगहा) में हुआ था। उनके पिता कविराज राम लखन वैद्य और स्वतंत्रता सेनानी थे।नीतीश कुमार ने 1972 में बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से विद्युत इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। फिर कुछ समय बिहार राज्य बिजली बोर्ड में इंजीनियर के रूप में सेवा दी। बाद में राजनीति में आ गए। वे वर्ष 2000 में पहली बार मुख्यमंत्री बने। आपको बता दें इसी साल 28 जनवरी को नीतीश कुमार ने 9वीं बार सीएम पद की शपथ ली थी। और बिहार में उनके नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार बनी। नीतीश के साथ बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने भी शपथ ली। 17 साल से ज्यादा वक्त से नीतीश कुमार बिहार के सीएम पद की जिम्मेदारी संभाले हुए हैं।

खेत में बम फटने से युवक की कलाई उड़ी

मुजफ्फरपुर/साहेबगंज , एजेंसी। मुजफ्फरपुर-गोपालगंज सीमा स्थित गंडक दियारा में गुरुवार को खेत में बम फट गया, जिसमें एक युवक के बाएं हाथ की कलाई उड़ गयी। उसकी पहचान माधोपुर हजारी पंचायत के वार्ड सात के मोस्तकीम मियां के पुत्र नसीरुद्दीन अंसारी के रूप में की गयी है। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सीएचसी लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहां से भी चिकित्सकों ने देर शाम रेफर कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि युवक दियारा में अपने खेत में तोरी काटने गया था, जहां जंगली सूअर का शिकार करने के लिए खेत में बम रखा था। युवक द्वारा बम उठाने के साथ ही ब्लास्ट कर गया। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग दहशत में आ गए। बम की आवाज सुनते हो माधोपुर हजारी दियारा और गांव में अफरातफरी मच गई।

बिहार के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का वेतन बंद

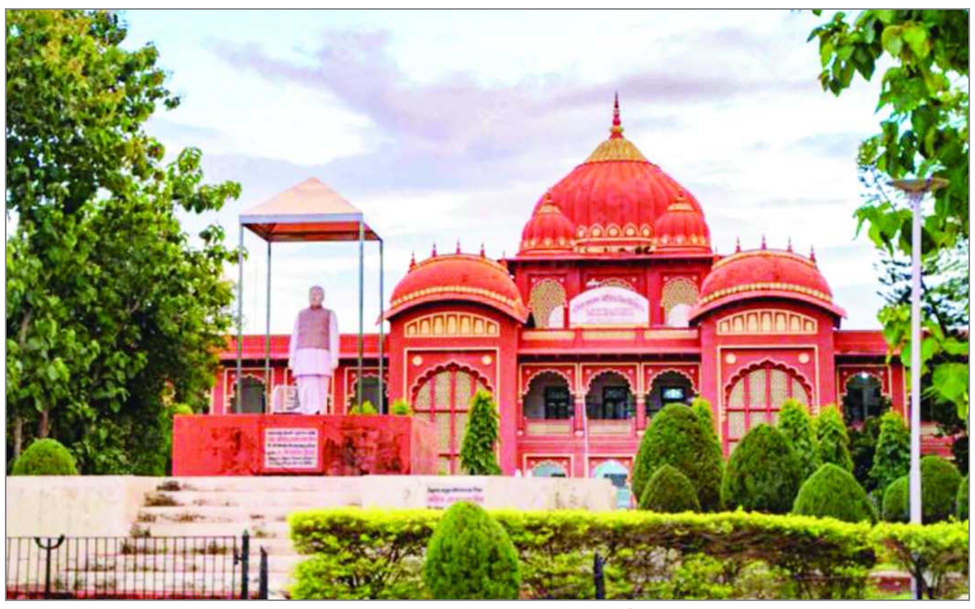

पटना, एजेंसी। शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी कुलपतियों और एक को छोड़ सभी कुलसचिवों तथा दो विश्वविद्यालयों को छोड़ सभी के परीक्षा नियंत्रक का वेतन बंद कर दिया है। 28 फरवरी को शिक्षा विभाग द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं होने पर इन पर कार्रवाई की गयी। राजभवन के मना करने पर वे बैठक में शामिल नहीं हुए थे। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों के बैंक खातों के संचालन पर भी रोक लगा दी है। वहीं, सभी पदाधिकारियों से दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है कि क्यों नहीं उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाये? विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों में लंबित परीक्षाओं की समीक्षा के लिए 28 फरवरी को अपर मुख्य सचिव केके पाठक की अध्यक्षता में बैठक बुलायी गयी थी। इसमें सिर्फ मगध विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक और केएसडीएस दरभंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव व परीक्षा नियंत्रक पहुंचे थे।

इन तीनों पदाधिकारियों को छोड़ अन्य सभी विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव व परीक्षा नियंत्रकों का वेतन रोक दिया गया है। विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव ने गुरुवार को कुलपतियों, कुलसचिवों और परीक्षा नियंत्रकों को जारी पत्र में कहा है कि महत्वपूर्ण बैठक में अनुपस्थित नहीं रहना गंभीर विषय है।

जुलाई 2023 में हुई समीक्षा में पाया गया कि अधिकांश विश्वविद्यालयों में तीन-चार साल तक अकादमिक सत्र पीछे चल रहा है। इसके बाद विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 30 के तहत परीक्षाओं के संचालन के लिए अधिसूचना जारी की गयी। पर, समीक्षा में पता चला कि अधिसूचना का पालन अधिकतर विश्वविद्यालयों द्वारा नहीं किया जा रहा है। पीछे चल रहे अकादमिक सत्रों को अद्यतन करना तो दूर कुछ विश्वविद्यालय अद्यतन सत्र भी पिछड़ रहे हैं। इसी की समीक्षा के लिए 28 फरवरी को बैठक बुलायी गयी थी। पत्र में यह भी कहा गया है कि विश्वविद्यालय अधिनयिम की धारा 30 के तहत परीक्षा का समय पर संचालन का पूरा जिम्मा राज्य सरकार का है। इसके लिए परीक्षा कैलेंडर तय करने में राज्य सरकार पूरी तरह सक्षम है। परीक्षा संचालन में लगे कॉलेज, विश्वविद्यालय के कर्मी और पदाधिकारी भारतीय दंड विधान 1860 के तहत लोक सेवक माने जाते हैं। इतना महत्वपूर्ण दायित्व समय पर पूरा नहीं कर पा रहे हैं तो क्यों धारा 48 के तहत आपको आगे से कोई भी बजट नहीं प्रदान किया जाए। परीक्षा से संबंधित कोई भी कार्य करने से इनकार करने पर दंड का प्रावधान है। परीक्षा कार्यों में लापरवाही अथवा इसके निर्वहन में विफल रहने पर आईपीसी की धारा 166 और 166 ए के तहत कार्रवाई के भागी होंगे। जानबूझ कर लंबित परीक्षा से संबंधित जानकारी देने से बचने और इंकार करने पर क्यों नहीं आपलोगों के खिलाफ धारा 174, 175, 176, 179, 186 और 187 के तहत कानूनी कार्रवाई प्रारंभ की जाये।

क्या है पूरा मामला?

मगध और पूर्णिया विश्वविद्यालय की ओर से राजभवन से विभाग की बैठक में भाग लेने के लिए अनुमति मांगी गयी थी। राजभवन ने 21 फरवरी को जारी पत्र में कहा कि विभाग की बैठक में भाग लेने के लिए कुलाधपति ने अनुमति नहीं दी है, जिसकी प्रति सभी विश्वविद्यालयों को भेजी गयी। इस पर विभाग ने 24 फरवरी को सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा कि 28 की बैठक में नहीं आने वाले पदाधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

दो कट्टा, रिवाल्वर और 28 खोखा बरामद :बहन से छेड़खानी के बाद भाई ने लहराई थी पिस्टल

कटिहार, एजेंसी। 15 फरवरी को प्राणपुर थाना क्षेत्र के स्कूल परिसर में किशोरी के साथ छेड़खानी के बाद फिल्मी स्टाइल में बदला लेने पहुंचे भाई के पिस्टल लहराने के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। इस घटना में शामिल नामजद गणेश चौधरी, मुकेश कुमार, सूरज कुमार महलदार उर्फ हप्पा और राजू कुमार पासवान को पुलिस ने अरेस्ट किया है।

कट्टा, रिवाल्वर और खोखा बरामद : पूछताछ के बाद पकड़े गए बदमाशों की निशानदेही पर पुलिस ने रेड की। छापेमारी के दौरान एक शख्स झोला लेकर भाग निकला। पुलिस ने जब पीछा किया तो बदमाश झोला फेंकर भाग निकला। केशवपुर जाने वाली पक्की सड़क के पास पुलिया के पास पुलिस ने झोला में रखें दो कट्टा, एक रिवाल्वर, 28 खोखा और एक प्लेट बरामद किया है। वहीं फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। सदर डीएसपी शशि शंकर कुमार ने बताया कि रोशना थाना क्षेत्र में मिनी गन फैक्ट्री के उद्वेदन के बाद इससे जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। इस कांड में संलिप्त अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

विदेश जाएंगे नीतीश कुमार? बिहार से सीएम ने पासपोर्ट का कराया रिन्यूअल, ब्रिटेन की करेंगे यात्रा

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही विदेश दौरे पर जा सकते हैं। सूत्रों से मिली खबर के अनुसार मार्च के पहले सप्ताह में मुख्यमंत्री ब्रिटेन की यात्रा पर जाने वाले हैं। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय झा समेत कई अधिकारी भी विदेश जा सकते हैं। गुरुवार को पासपोर्ट अपडेट कराने के लिए नीतीश कुमार रीजनल पासपोर्ट ऑफिस पहुंचे और अपना डॉक्यूमेंट जमा करने के साथ आवश्यक प्रक्रिया पुरी की।

माना जा रहा है कि उनकी विदेश यात्रा 7 दिनों की होगी। वह ब्रिटेन दौरे पर जाने वाले हैं जहां साइंस सिटी में जाकर अवलोकन और अध्ययन करेंगे। यूके में आधुनिक तकनीक से साइंस सिटी का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री इसका जायजा लेंगे नीतीश कुमार के स्कॉटलैंड जाने की भी संभावना है। इससे पहले सीएम नीतीश ने बुधवार को पटना स्थित तारामंडल का उद्घाटन किया। पटना तारामंडल कुछ दिनों से बंद था। उसका जिर्णोद्धार कराया जा रहा था।

सूत्रों से मिले ही जानकारी के अनुसार मार्च महीने के पहले हफ्ते में मुख्यमंत्री का यह दौरा होगा। संभवत 2 मार्च को नीतीश कुमार विदेश के लिए रवाना होंगे और 8 मार्च को वापस लौटेंगे। इस दौरान पासपोर्ट की वैध समय सीमा कोई बाधा नहीं पड़े। इसके लिए मुख्यमंत्री ने रीजनल पासपोर्ट ऑफिस जाकर अपने पासपोर्ट का रिन्यूअल करवाया। सूत्रों से अभी जानकारी मिली है कि मुख्यमंत्री के साथ उनके खासम खास संजय झा, सीएम के प्रधान सचिव दीपक कुमार और भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि भी विदेश दौरे पर जा सकते हैं। विदेश जाने के कारण नीतीश कुमार 2 मार्च को पीएम नरेंद्र मोदी का मंच शेयर नहीं कर पाएंगे। नरेंद्र मोदी भी 2 मार्च को बिहार दौरे पर आने वाले हैं। उस कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ नीतीश कुमार को भी शामिल होना था। पीएम औरंगाबाद और बेगूसराय में जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। बिहार में एनडीए की सरकार बनने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी पहली बार बिहार आने वाले हैं। इस दौरे के साथ बीजेपी बिहार में लोकसभा चुनाव का शंखनाद करने वाली है।

2-4 मार्च के बीच 26 जिलों में बारिश की संभावना: उत्तर पछुआ हवा का दिख रहा है असर

पटना, एजेंसी। बिहार से अब ठंड की विदा हो चुका है। मौसम विभाग के अनुसार आज यानी 1 मार्च से 31 मार्च तक प्री मानसून रहेगा। यानी गर्मी का मौसम शुरू हो जाएगा। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान 9.5 डिग्री सेल्सियस के साथ मोतिहारी और किशनगंज जिला सबसे ठंडा रहा। 29.5 डिग्री सेल्सियस के साथ बक्सर सबसे गर्म रहा। पटना समेत 26 जिलों में 2 से 4 मार्च के बीच एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पटना, गया, नालंदा, नवादा, जहानाबाद, लखीसराय, बेगूसराय, शेखपुरा, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, आरंगाबाद, अरवल, सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, शिवहर, समस्तीपुर, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीवान, सारण, गोपालगंज जिलों में बारिश होने की संभावना है।

अभी हल्की ठंड का होगा एहसास

मौसम विभाग के अनुसार बिहार में उत्तर पछुआ हवा का प्रभाव जारी है। उत्तर पूर्व बिहार में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन मौजूद है, जिसके कारण से अभी सुबह और शाम हल्की ठंड का एहसास होगा। वहीं इन दोनों सिस्टम के होने से मौसम विभाग ने 2 से 4 मार्च के बीच बारिश होने की संभावना भी जताई है।

क्या बोले मौसम वैज्ञानिक

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एसके पटेल ने बताया कि 5 मार्च को एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ आने वाला है। अगले 5 दिनों में तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। इस बार ठंड में 29 फीसदी बारिश की कमी दर्ज की गई है। मार्च के पहले सप्ताह में भी बारिश होने की उम्मीद है।

शिविर में 188 व्यवसायियों ने जमा किया पेशा कर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। उत्तर बिहार वाणिज्य एवं उद्योग परिषद सभाकक्ष में दो दिवसीय शिविर के अंतिम दिन 188 व्यवसायियों ने पेशा कर जमा कराया। परिषद के महामंत्री सज्जन शर्मा ने बताया कि व्यवसायियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिषद के सहयोग से राज्य कर संयुक्त आयुक्त जिला कार्यालय के द्वारा परिषद के सभाकक्ष में दो दिवसीय शिविर लगाया गया था। इसमें आयुक्त कार्यालय के पदाधिकारी एवं उनके सहयोगियों के द्वारा व्यवसायियों का पेशा कर-प्रपत्र जमा कराया गया। परिषद के संयुक्त मंत्री राजीव केजड़ीवाल ने शिविर में व्यवसायियों का पेशा कर जमा करवाने में सहयोग किया।

युवक को गोली मार किया घायल:दोस्तों के साथ तिलक समारोह में गया था

आरा, एजेंसी। भोजपुर जिले के सिन्हा थाना क्षेत्र के गजियापुर बांध पर गुरुवार की रात हथियारबंद बदमाशों ने तिलक समारोह से लौट रहे थे कि युवक को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली बाएं हाथ में कलाई और केहुनी के बीच लगी है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसके साथ रहे दो साथियों ने उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जख्मी युवक बड़हरा थाना क्षेत्र के फुहां गांव निवासी स्व.बाला सिंह का 21 वर्षीय पुत्र विकास कुमार सिंह है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। विकास कुमार सिंह ने बताया कि वह अपने दो दोस्तों के साथ बाइक से अपने पड़ोसी माझी सिंह की बेटी तिलक में शामिल होने के लिए बड़हरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव गया था।

दोस्तों ने पहुंचाया सदर अस्पताल : तिलक समारोह में शामिल होने के बाद जब वह तीनों दोस्त बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे और लौटने के क्रम में जैसे ही वे लोग गजियापुर बांध पर चढ़े। तभी सात की संख्या में हथियारबंद अपराधी हथियार लिए हुए खड़े थे। अपराधियों में से एक ने उन पर फायरिंग कर दी। हाथ में गोली लगी। दोस्तों ने इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया। दूसरी ओर जख्मी विकास कुमार सिंह ने उक्त अपराधियों पर लूटपाट करने की नीयत से उन पर गोली चलाने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

मामला संदिग्ध लग रहा है

पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति को हाथ में गोली लगी है। जिसका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। हालांकि मामला संदिग्ध लग रहा है। युवक लक्ष्मीपुर में एक तिलक कार्यक्रम में गया था और वहां से लौट रहा था तो बांध के रास्ते में सिंहा थाना के ग्राम गजियापुर में बांध पर चार-पांच लड़के खड़े थे। उन्होंने इन्हें रोका और जब यह नहीं रुके तो गोली चला दी। हाथ में गोली लगते हुए निकल गई।

निगम की पेशकार शाखा के प्रभारी निलंबित

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। अवैध वसूली के आरोप में नगर निगम की पेशकार शाखा के प्रभारी संतोष कुमार को निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में गुरुवार को नगर आयुक्त नवीन कुमार ने आदेश जारी कर दिए। आरोपी कर्मी पर अतिक्रमण के एक मामले में फाइल को दबाने का आरोप है। साथ ही इसकी आड़ में मापी आदि रोकने को लेकर नजराना की भी वसूली की गई है। इसकी शिकायत मिलने के बाद हुई प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर कार्रवाई की गई है। दूसरी ओर, पहले से निलंबित अमीन संजय कुमार को निलंबनमुक्त कर दिया गया है। साथ ही उनकी पोस्टिंग सिकंदरपुर पंप हाउस में की गई है।

सड़क हादसे में वृद्ध महिला की मौत:बाजार से लौट रही थी घर, सड़क पार करने के दौरान ऑटो ने मारी टक्कर

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर चांदी थाना क्षेत्र के चांदी पेट्रोल पंप के समीप सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत हो गई। इलाज के दौरान पीएमसीएच में गुरुवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतका चांदी थाना क्षेत्र के रूपचकिया गांव निवासी राम सुभक राय की 55 वर्षीय पत्नी उमा देवी है। बीते मंगलवार की देर शाम वह अपने घर से चांदी बाजार पर बन रहे नए मार्केट को देखने के लिए गई थी। घर जाने के लिए वह सड़क पार कर रही थी। तभी सकड्डी–नासरीगंज मार्ग पर चांदी थाना क्षेत्र में चांदी पेट्रोल पंप के समीप विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

स्थिति गंभीर होने पर पटना किया था रेफर : प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था। जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए पटना स्थित पीएमसीएच ले गए। जहां दो दिन चले इलाज के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतका को सिर्फ दो पुत्री सविता और पुष्पा है।

जाको राखे साइयां..., महिला के ऊपर से गुजर गयी पूरी ट्रेन, मौत छू भी नहीं पाई

पटना, एजेंसी। ऊपर वाला जब तक निश्चित नहीं कर दे तबतक मौत चाहकर भी इंसान को नहीं मार सकती। बिहार के अररिया से एक ऐसा ही मामला सामने आया है। बथनाहा स्थित रेलवे स्टेशन से एक चौका देने वाली घटना का वीडियो से सामने आया है जहां एक महिला के ऊपर पूरी मालगाड़ी गुजर गई लेकिन उसका बाल भी नहीं टूटा। कुछ देर तक महिला मालगाड़ी के नीचे रेलवे ट्रैक के बीच पड़ी रही और जैसे ही गाड़ी निकली कि आस पास मौजूद लोगों ने उसे उठा कर निकाल दिया। इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। लाइव हिन्दुस्तान इसकी पुष्टि नहीं करता।

इतने करीब से मौत का सामना करने वाली महिला कुछ समय के लिए सदमे में आ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया । घटना मंगलवार की बताई जा रही है। बताया जा रहा है बथनाहा स्टेशन यार्ड के ट्रैक 5 पर मालगाड़ी खड़ी थी। उसके नीचे से एक महिला

जैसे हीं ट्रैक पार करने जा रही थी कि मालगाड़ी चल पड़ी। तब वहां मौजूद काम करने वाले मजदूर एवं कर्मियों की सलाह पर वह ट्रैक के बीच में लेट गई। इस तरह अपनी जान बचाने में महिला सफल रही। वीडियो में ट्रैक पर लेटी दिख रही महिला स्टेशन चौक निवासी स्व लक्ष्मी मिश्रा की पत्नी कनकलता देवी बताई गई है। बताया जा रहा है कि जैसे ही वह ट्रैक पार करने वाली थी कि मालगाड़ी आ गई। मालगाड़ी को देख महिला घबरा गई, जैसे ही मालगाड़ी महिला के ऊपर से गुजरने लगी कि मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने महिला को ट्रैक पर लेट जाने एवं हिलने डुलने से मना किया। घटना का जो वीडियो सामने आया है उसमें साफ नजर आ रहा है कि महिला ट्रैक के बीचों बीच पड़ी थी और उसके ऊपर से मालगाड़ी गुजर रही थी। आसपास मौजूद लोग उसे हिलने डुलने से लगातार मना करते रहे। वहां मौजूद लोग महिला को मानसिक रूप से बीमार भी बता रहे थे। बताया जा रहा है कि अभी कुछ दिन पहले ही महिला के एक पुत्र एवं देवर की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई थी । घटना को लेकर रेल कर्मी भी सकते में है । स्टेशन अधीक्षक राहुल कुमार ने कहा कि स्टेशन पर फूट ओवर ब्रिज के रहते भी लोग अपनी जान को जोखिम में डाल कर ट्रैक पार करने से बाज नहीं आ रहे। जबकि ट्रैक पार करने वाले सभी लोगों को पता है कि इस प्रकार ट्रैक पार करना जोखिम से भरा है। इसमें उनकी जान भी जा सकती है। इधर स्थानीय लोगों की मानें तो बथनाहा स्टेशन काफी विकास कर चुका है। यहां लगातार गाड़ियों का आगमन होता रहता है। बावजूद इसके स्टेशन एवं यार्ड की घेरा बंदी अब तक नहीं की जा सकी है। स्टेशन के दोनों ओर घेराबंदी नहीं होने से आस पास के लोग जान जोखिम में डालकर फुटओवर ब्रिज के बजाए ट्रैक पार करते हैं। जिससे हमेशा खतरा बना रहता है। वीडियो में ट्रैक पर लेटी दिख रही महिला स्टेशन चौक निवासी स्व लक्ष्मी मिश्रा की पत्नी कनकलता देवी बताई गई है। बताया जा रहा है कि जैसे ही वह ट्रैक पार करने वाली थी कि मालगाड़ी आ गई। मालगाड़ी को देख महिला घबरा गई, जैसे ही मालगाड़ी महिला के ऊपर से गुजरने लगी कि मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने महिला को ट्रैक पर लेट जाने एवं हिलने डुलने से मना किया। घटना का जो वीडियो सामने आया है उसमें साफ नजर आ रहा है कि महिला ट्रैक के बीचों बीच पड़ी थी और उसके ऊपर से मालगाड़ी गुजर रही थी। आसपास मौजूद लोग उसे हिलने डुलने से लगातार मना करते रहे। वहां मौजूद लोग महिला को मानसिक रूप से बीमार भी बता रहे थे। बताया जा रहा है कि अभी कुछ दिन पहले ही महिला के एक पुत्र एवं देवर की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई थी । घटना को लेकर रेल कर्मी भी सकते में है । स्टेशन अधीक्षक राहुल कुमार ने कहा कि स्टेशन पर फूट ओवर ब्रिज के रहते भी लोग अपनी जान को जोखिम में डाल कर ट्रैक पार करने से बाज नहीं आ रहे। जबकि ट्रैक पार करने वाले सभी लोगों को पता है कि इस प्रकार ट्रैक पार करना जोखिम से भरा है। इसमें उनकी जान भी जा सकती है।

इधर स्थानीय लोगों की मानें तो बथनाहा स्टेशन काफी विकास कर चुका है। यहां लगातार गाड़ियों का आगमन होता रहता है। बावजूद इसके स्टेशन एवं यार्ड की घेरा बंदी अब तक नहीं की जा सकी है। स्टेशन के दोनों ओर घेराबंदी नहीं होने से आस पास के लोग जान जोखिम में डालकर फुटओवर ब्रिज के बजाए ट्रैक पार करते हैं। जिससे हमेशा खतरा बना रहता है।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 01-03-2024 22:02 Page 1

पटना जंक्शन पर टिकट मांगने पर टीटी को चाकू से गोदा

तमाशबीन बने रहे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। दानापुर मंडल के पटना जंक्शन जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन पर भी टिकट निरीक्षक सुरक्षित होकर टिकट जांच नहीं कर सकते हैं। टिकट जांच के दौरान ट्रेन में बगैर टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों द्वारा टिकट निरीक्षकों पर हमला किए जाने की सूचना तो आम हो गई है अब अपराधियों के साथ-साथ वेंडरों का भी मनोबल काफी बढ़ गया है।

पटना जंक्शन पर शुक्रवार की दोपहर को प्लेटफार्म संख्या दो पर टिकट जांच कर रहे उप मुख्य टिकट निरीक्षक देवेश कुमार पर एक बदमाश ने टिकट मांगने पर उसके उपर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। उसके सीने में व हाथ और चेहरे पर चाकू से कई वार किया। जख्मी हालत में टीटीई प्लेटफार्म पर गिरा रहा और हमलावर प्लेटफार्म पर खड़े यात्रियों को ललकारते रहा।

टीटीई पर ताबड़तोड़ हमला से प्लेटफार्म के सारे यात्री घबरा गए और भागने लगे। काफी देर तक जख्मी टीटीई तड़पते रहा पर मौके वारदात पर कोई भी जीआरपी का सिपाही अथवा अधिकारी नहीं पहुंचा। इस घटना की खबर सुनते ही जंक्शन पर तैनात सारे टीटीई वहां पहुंच गए और जख्मी साथी को करबिगहिया स्थित सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया। जख्मी टीटीई को 12 टांके लगे हैं।

इस घटना को गंभीरता से लेते हुए ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव ने सभी टिकट निरीक्षकों को पूरी सुरक्षा देने की मांग मंडल रेल प्रबंधक से की है। उन्होंने बगैर सुरक्षा के टिकट जांच करने से इनकार कर दिया है। इस मामले में आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

जख्मी टीटीई ने रेल पुलिस को बताया कि वह जंक्शन के दो नंबर प्लेटफार्म पर नियमित चेकिंग कर रहा था। इसी बीच एक यात्री से टिकट की मांग की। जब उसने टिकट न होने की बात कही तो जुमार्ना देने को कहा गया। उसने अपने आपको वेंडर बताया तो उसे लाइसेंस दिखाने को कहा गया। उसके पास कोई लाइसेंस नहीं था। तब उसे जुमार्ना देने को कहा गया। उसने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया जिसका उन्होंने विरोध किया।

पास में ही पपीता बेच रहे वेंडर का चाकू छीन उसके उपर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वह बुरी तरह जख्मी होकर वहीं गिर पड़ा। बाद में उसके सहयोगियों ने उसे केंद्रीय अस्पताल में भर्ती कराया। हमलावर भागने में सफल रहा।

वहीं जीआरपी इंस्पेक्टर ने बताया कि मामला दर्ज कर पूरे घटना की जांच सीसी टीवी से कर ली गई है। हमलावर को पहचान लिया गया है और शीघ्र ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। रेल पुलिस के संरक्षण में अनाधिकृत वेंडरों से न केवल यात्री बल्कि रेल कर्मचारी भी खासा परेशान हैं।

महिला से छेड़खानी, दो पक्षों में मारपीट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी । पटना के मसौढ़ी थाना के एक गांव में एक विवाहिता के साथ उसी गांव के एक युवक द्वारा अक्सर छेड़खानी करने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इसमें तीन महिला समेत करीब आठ लोग घायल हो गए। बाद में इस संबंध में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ कुल 14 लोगों को नामजद कर अलग अलग प्राथमिकी दर्ज की है।

विवाहिता का आरोप है कि सफदर इमाम का पुत्र अशहर अहमद राह चलते बराबर उसके साथ छेड़खानी करता है और उसकी बात नहीं मानने पर उसे घर से उठा ले जाने की धमकी देता है।

वहीं, दूसरे पक्ष ने उक्त आरोप से इनकार करते हुए आरोप लगाया है कि बीते मंगलवार की दोपहर उसके पड़ोसी अहमद रजा अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उसके घर पर चढ़ आया और घर में मौजूद लोगों को गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपितों ने उसे और उसके परिवार के सभी सदस्यों की बुरी तरह पिटाई कर दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी ।

कल्पना सोरेन ने पति के एक्स हैंडल पर साझा की भावुक पोस्ट

राज्य में चल रहे हजारों दीदी किचन की दिलायी याद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने एक बार फिर कहा है कि हेमंत सोरेन ने हमेशा संघर्ष से लड़ना सीखा। कभी उसके सामने झुके नहीं। उन्होंने अपने पति के एक्स हैंडल पर भावुक पोस्ट किया। यह जिक्र किया कि कैसे उनके पति ने कोरोना काल में बाहर के दो कमरों में रहकर कामकाज निपटाया। उन्होंने लिखा कि कोरोना के समय सभी ओर भय का माहौल था। लॉकडाउन का फैसला हुआ तो जिम्मेदारी संभालते हुए हेमंत को दो महीने ही हुए थे। लोगों की फिक्र थी और अन्य राज्यों में रह रहे झारखंडियों तक मदद पहुंचाने की भी जिम्मेदारी थी। वे हर रोज सुबह से देर रात तक अधिकारियों से जानकारी लेते। सुबह चार बजे तक जरूरी फाइलें निपटाया करते। कल्पना सोरेन ने कहा कि पहले चरण के उन तीन-चार महीनों में उन्होंने और बच्चों ने शायद ही हेमंत के साथ इत्मीनान से एक दिन भी बिताया होगा। हमें सुरक्षित रखने के लिए खुद को आवास के बाहरी हिस्से में बने दो कमरों में सीमित कर लिया था। भाजपा के बड़े-बड़े नेता घर बैठ गये थे और खुद को सिर्फ सोशल मीडिया एवं चिट्ठियों-पत्रों तक सीमित कर लिया था, वहीं हेमंत और झामुमो व गठबंधन सरकार का हर जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता लोगों के बीच था। हमने अपने दो जुझारू नेताओं को खोया।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य में हजारों दीदी किचन की मदद से पूरे राज्य में भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई थी। पूर्व की सरकार में जहां राज्य के माथे पर भूख से कई मौतों का कलंक लगा, वहीं कोरोना जैसी विकट महामारी में हेमंत के नेतृत्व में राज्य सरकार ने लाखों लोगों के जीवन और जीविका का विशेष ध्यान रखा। हेमंत, झामुमो और गठबंधन सरकार के सभी लोगों के इस संवेदना और संघर्षशीलता ने पूरे देश को दिखाया है कि व्यक्तिगत कठिनाइयों के बावजूद कैसे राज्यवासियों की सेवा की जानी चाहिए।

विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठी चार्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (एमसीई) में सेकेंड सेमेस्टर के रिजल्ट में गड़बड़ी को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर शुक्रवार को पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया। इस दौरान करीब आधा दर्जन विद्यार्थियों को चोटें आईं। उनका सदर अस्पताल में उपचार कराया गया।

वहीं, पुलिस ने दो छात्रों को हिरासत में भी लिया है। दरअसल, बिहार इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय द्वारा जारी सेकेंड सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम को दोषपूर्ण बताते हुए एमसीई के विद्यार्थी गुरुवार से ही धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके द्वारा प्रशासनिक एवं अकादमिक भवनों में तालांबदी कर सभी कार्यों को बाधित कर दिया गया था।उनके विरोध प्रदर्शन का क्रम शुक्रवार को भी जारी रहा। उनके द्वारा मुख्य द्वार में भी तालाबंदी कर दी गई। इस संबंध में प्राचार्य प्रो. अभय कुमार झा ने बताया कि कैंपस में बन रही असहज स्थिति को देखते हुए इसकी जानकारी पुलिस को देनी पड़ी। प्राचार्य की सूचना पर मोतिहारी सदर की सीओ संध्या कुमारी एवं मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई और प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों को समझाने का प्रयास किया।

मुफस्सिल थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि मुख्य द्वार नहीं खोले जाने के कारण ताला तोड़कर अंदर जाना पड़ा। इस बात पर उग्र व्यवहार करते हुए विद्यार्थी पुलिस से भी उलझने लगे। अंततः उन्हें नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रित एवं सामान्य है। दो छात्रों को हिरासत में भी लिया गया है। इधर, जख्मी छात्रा स्वीटी कुमारी, माघुरी कुमारी, छात्र अनुज कुमार, शंभू कुमार, पवन कुमार एवं सतीश कुमार का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। छात्रों ने प्राचार्य पर लाठीचार्ज करवाने का आरोप लगाया है।

झारखंड-ओडिशा बॉर्डर पर लगा चेक पोस्ट का हाल बुरा

आगामी चुनाव में बदहाल पोस्ट के भरोसे रुकेगी घुसपैठ?

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पोटका। उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम एवं वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर झारखंड-ओडिशा बॉर्डर में लगे चेक पोस्ट लोकसभा चुनाव को लेकर चुनाव में धनबल को रोकने के लिए बनाया गया है। हालांकि, यह चेक पोस्ट भगवान भरोसे चल रहा है। यहां पर न ही मजिस्ट्रेट रहता है, न वीडियोग्राफी होती है और तो और एक से ज्यादा जवान तैनात रहते हैं। एक जवान को 12-12 घंटे ड्यूटी कराया जा रहा है।

चेक पोस्ट एक एसआई और एक जवान के भरोसे चल रहा है। यहां कई सवाल खड़े कर रहे हैं। ड्यूटी पर तैनात एसआई सुमन कुमार सिंह ने बताया कि जवान की कमी है। एक जवान के सहारे 12 घंटे का ड्यूटी हो रहा है। मजिस्ट्रेट नहीं है, वीडियोग्राफी नहीं हो रही है कई तरह के सवाल उठ सकते हैं, पूछे जाने पर कहा कि पता नहीं मजिस्ट्रेट क्यों नहीं आ रहे हैं।

एसआई ने कहा कि इसका पता नहीं, लेकिन हम सब पॉल्यूशन में बिना किसी व्यवस्था के जांच कर रहे हैं। वहीं, पंचायत भवन का शौचालय इतना गंदा है कि हम सबों को बाहर जाना पड़ता है। आप आसानी से समझ सकते हैं कि झारखंड-ओडिशा बॉर्डर पर लगा चेक पोस्ट किस तरह से काम कर रहा है, जो आने वाले चुनाव के मद्देनजर कितनी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि बॉर्डर पर लगे बैरियर टूट चुके हैं, जिसका मरम्मत नहीं हो पाया है। वहीं, बिना बैरियर के ही वाहनों को रोकना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह जांच चल रही है।

जब्त शराब को किया गया नष्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। शुक्रवार को शिवाजीनगर थाना परिसर में अलग-अलग 6 कांडों में जप्त लगभग 70 लीटर देशी एवं 33 लीटर विदेशी शराब को बिनिष्टिकरण किया गया। इसकी जानकारी देते हुए शिवाजी नगर थाना अध्यक्ष छोटेलाल सिंह ने बताया की अलग-अलग कांड में जब्त किए गए गए लगभग 70 लीटर देशी एवं 33 अंग्रेजी शराब को नष्ट करते हुए जेसीबी से मिट्टी की खुदाई कर मिट्टी में दबा दिया गया। मौके पर शिवाजी नगर थाना अध्यक्ष छोटेलाल सिंग एवं सीओ बीना भारती, सीआई कपिल देव झा, शंकर कुमार चौधरी, एसआई राजेश कुमार, सरवन कुमार पासवान, प्रदीप कुमार आदि थे।

कचरा प्रबंधन केंद्र का मुखिया ने किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड के रानीपरती पंचायत में डबल्यूपीयू यूनिट का शुक्रवार को उद्घाटन मुखिया विनोद पासवान , बीडीओ आलोक कुमार सिंह, प्रखंड समन्वयक हरिनाथ सिंह, समाजसेवी नीतीश कुमार उर्फ युवराज वार रूम कर्मी रमाकांत राय ने फीता काट कर किया । बीडीओ ने बताया कि ठोस तरल कचरा प्रबंधन को लेकर डबल्यूपीयू भवन निर्माण कार्य कराई गई थी । इससे लोहिया स्वच्छ अभियान के तहत पंचायत के विभिन्न वार्डों के लाभुकों के बीच कचरा उठाव कार्य आरंभ हो गया । वहीं लोगों के बीच साफ सफाई की ख्याल में रखते हुए नियुक्त कर्मी ठेला गाड़ी द्वारा डोर टू डोर कचरा उठाव कार्य किया जाएगा ।

बीडीओ के द्वारा आमजनों से गांव व पंचायत को साफ रखने व इस अभियान को सफल बनाने की अपील की गई। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के द्वितीय चरण के तहत अब ग्रामीण इलाकों में कचरा निस्तारण को लेकर जागरूक किया जा रहा है । घर-घर से कचरा उठाव को लेकर प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।

इसी कड़ी में शुक्रवार को ठोस व तरल कचरा प्रबंधन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कचरा निस्तारण के लिए रानीपरती पंचायत में एक ई रिक्शा 13 ठेला वितरण किया गया। मुखिया, बीडीओ व बीसी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान ग्रामीणों को ठोस एवं तरल कचरा निस्तारण की जानकारी दी गई। मुखिया विनोद पासवान ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक होकर दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गांव समाज अगर गंदगी से दूर रहता है तो अनेक प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है। साफ सफाई पर ध्यान देना हम सबों का काम है। एक आदमी के प्रयास से कोई भी मिशन सफल नहीं हो सकता। मौके पर सरपंच भोला पासवान, रंजीत कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक मनीष कुमार सिंह, जयकांत राय , चंदन साहनी , स्वच्छाग्रही अनिल कुमार सहनी सहित सभी वार्ड सदस्य एवं ग्रामीण मौजूद थे।

ललित नारायण मिथिला विवि करायेगा बीएड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। बिहार बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीईटी-बीएड-2024) के लिए लगातार पांचवीं बार दरभंगा के ललित नारायण मिथिला विवि को राज्य नोडल केंद्र नामित किया गया है। इस बाबत एक मार्च यानी शुक्रवार को राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के प्रधान सचिव राबर्ट एल चोंग्थू ने अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में बताया गया है कि राज्यपाल सह कुलाधिपति के निदेर्शानुसार राज्यस्तरीय दो वर्षीय बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2024 आयोजन के लिए मिथिला विवि को जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि चार वर्षीय बीएड इंट्रीग्रेटेड कोर्स के लिए अब तक अधिसूचना जारी नहीं हुई है।

यहां बता दें कि चार वर्षीय इंट्रीग्रेटेड बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी भी लगातार मिथिला विवि को ही मिलते आ रही है। इससे पूर्व भी वर्ष 2020 से 2023 में भी विवि ने सफलतापूर्वक परीक्षा, रिजल्ट, काउंसिलिंग से लेकर नामांकन तक की प्रक्रिया पूरी की थी।

बता दें कि बिहार के पटना विवि, बीएनएमयू मधेपुरा, एलएनएमयू दरभंगा, एमएमएच विवि पटना, मुंगेर विवि मुंगेर, पाटलिपुत्र विवि पटना, पूर्णिया विवि पूर्णिया, टीएमबी विवि भागलपुर, वीकेएसयू आरा, बीआरए बिहार विवि मुजफ्फरपुर, आर्यभट्ट विवि पटना, जेपी विवि छपरा, केएसडीएसयू और मगध विवि गया के लगभग 343 कालेजों में लगभग 37,500 सीटों पर दो वर्षीय बीएड एवं शिक्षा शास्त्री में नामांकन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाना है।

जल्द ही उक्त निर्धारित सीटों पर नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। राज्य नोडल केंद्र नामित करने के लिए कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी और कुलसचिव डॉ. अजय कुमार पंडित ने कुलाधिपति के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नई निबंधन नियमावली से लोगों में बढ़ी परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोसड़ा। नीतीश सरकार द्वारा बिहार निबंधन नियमावली में किए गए संशोधन से क्षेत्रवासियों की परेशानी काफी बढ़ गई है। इस नए नियम से क्रेता-विकेता सभी परेशान हैं। वहीं सरकार के राजस्व मे भी अप्रत्याशित कमी हुई है।

नियम में बदलाव के बावजूद, जानकारी के अभाव में आज भी लोग पूर्व की तरह अद्यतन रसीद व संबंधित दस्तावेज या खतियान लेकर निबंधन कार्यालय पहुंच रहे हैं, लेकिन कर्मी अथवा कातिब द्वारा नए नियम का हवाला देते हुए रजिस्ट्री नहीं होने की जानकारी मिलते ही लोग मर्माहत हो जाते हैं। काफी देर तक एक दूसरे से पूछताछ के बाद मायूस चेहरा लिए वापस हो रहे हैं।

बुधवार को भी निबंधन कार्यालय रोसड़ा से करीब एक दर्जन विक्रेता वापस लौट गए। सभी अपनी-अपनी परेशानी बताते हुए सरकार और विभाग को ही कोस रहे थे।सिंधिया प्रखंड के निमी निवासी बुद्धु महतो पौत्री की शादी के लिए जमीन बेचने आए थे।

कहा कि जमाबंदी रहने के बावजूद ऑनलाइन नही दिखने के कारण निबंधन नहीं हो सका। उन्होंने बिक्री नहीं होने के कारण साहुकारो से महंगे कर्ज लेने की मजबूरी बतायी। हसनपुर के रामकुमार चौधरी कैंसर पीड़ित पत्नी की ईलाज के लिए जमीन बेचने आए थे, लेकिन उन्हें भी नए नियम का दंश झेलना पड़ा।

इसके अलावा, शिवाजीनगर कांकड़ के अनिल कुमार तथा बिथान के रामजपो यादव भी कर्ज से मुक्ति पाने के लिए जमीन बेचने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें भी वापस होना पड़ा। वर्ष 2019 में ही सरकार द्वारा बिहार निबंधन नियमावली संशोधन को पारित किया था। इसके विरुद्ध दायर याचिका पर उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश पारित किया गया था।

पांच वर्ष बाद 9 फरवरी 2024 को कोर्ट द्वारा जारी आदेश के आलोक में विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना 21 फरवरी को जारी की गई। उसके बाद से निबंधन पर जैसे ब्रेक लग गया। प्रतिदिन 70 से 80 निबंधन की जगह अब महज दो चार ही कार्य निष्पादन होता है। औसतन 14 से 15 लाख की नियमित राजस्व की जगह महज डेढ़ लाख तक ही सिमट रहा है। नए नियम के बाद 23 फरवरी को 09, 25 फरवरी को 01 तथा 27 फरवरी को केवल छह दस्तावेज ही पेश हो सका। इस प्रकार राजकीय कोष में भी अप्रत्याशित कमी आ गई है।

नए नियमावली के तहत पहले जमाबंदी और फिर निबंधन का आदेश जारी किया गया है, लेकिन अंचल कार्यालय से जमाबंदी कायम कराना टेढ़ी खीर है। बताते चलें कि इस नए नियम ने खानदानी संयुक्त तथा आपसी बंटबारा से प्राप्त जमीन की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र के 80 प्रतिशत लोग सीधे इससे प्रभावित हैं। जमाबंदी कायम कराने की जटिल प्रक्रिया राजस्व कार्यालयों की स्थिति के कारण ऐसे लोगो के लिए यह कार्य आसान नहीं है। पहले ऑनलाइन आवेदन, फिर 14 दिन का इंतजार और उसके बाद कार्यालय का चक्कर काटने के बावजूद आधा से अधिक का आवेदन किसी न किसी कारण को दर्शाकर निरस्त कर दिया जाता है।

भाजपा चुनाव मैदान में जाने से काफी भयभीत : बृंदा करात

ईडी, सीबीआइ जैसी एजेंसियों का केंद्र सरकार कर रही दुरुपयोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। संथाल परगना में एक भी बांग्लादेशी घुसपैठिया नहीं है। भाजपा राजनीतिक बयानबाजी कर अपनी राजनीति करना चाहती है। भाजपा डरी हुई है। इसलिए, लालच व डर दिखाकर दूसरे दलों के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। यह बात सीपीआइ (एम) की पोलित ब्यूरो सदस्य बृंदा करात ने परिसदन में मीडिया से बात करते हुए कहीं।

उन्होने कहा कि पिछले 10-15 सालों से लगातार इस क्षेत्र में आ रही हूं और अक्सर यह कहा जाता है कि संथाल परगना के कुछ इलाके में बांग्लादेशी प्रवेश कर गए हैं। यह बिल्कुल गलत है। अगर ऐसा है तो केंद्र सरकार के विंग हैं क्या कर रहे हैं। केंद्र सरकार और भाजपा का एक ही एजेंडा है कि जो उसकी बात नहीं मानता है, उसे अर्बन नक्सल या बांग्लादेशी घुसपैठिया बता देती है।

बृंदा करात ने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक है। भाजपा चुनाव मैदान में जाने से काफी भयभीत है। यही वजह है कि दूसरे दलों के नेताओं को शामिल करने के लिए ईडी, सीबीआइ और आयकर जैसी एजेंसियों के माध्यम से डरा रही है। नेताओं को जेल भेजा जा रहा है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इन लोगों ने जेल भेजा है।, जो भाजपा का दामन थाम रहे हैं, उन्हें पाक साफ साबित कर दिया जाता है। भाजपा दूसरे दल के नेताओं को अपने में शामिल करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है।

उन्होंने कहा कि आज भाजपा के खिलाफ सभी विपक्षी पार्टी के साथ जनता को एकजुट होना होगा ताकि लोकतंत्र पर विश्वास नहीं रखने वाली इस पार्टी को सत्ता से दूर किया जा सके। भाजपा ने लोकतंत्र को आइसीयू में पहुंचा दिया है। मोदी सरकार हर जगह पैसे का खेल खेल रही है।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अपने भाषण में जो मित्रों शब्द का प्रयोग करते हैं। अब समझ में आ रहा है यह शब्द किनके लिए होता है। एक तरफ वे 'न खाएंगे न खाने देंगे' का नारा लगाते हैं, जबकि वास्तविकता कुछ और ही है। मौके पर राज्य सचिव प्रकाश विप्लव और सचिव एहतेशाम अहमद मौजूद थे।

बृंदा करात ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। वामपंथी दल झारखंड की कई संसदीय सीटों पर अपना प्रत्याशी उतारेगा। इससे पहले झामुमो-कांग्रेस से सीट तय करने पर बात होगी। यदि दोनों दल सीट देने के लिए तैयार नहीं होंगे तो उन सीटों पर अपना प्रत्याशी उतारा जाएगा, जहां सीपीआइए की पकड़ है।

मिथिला की रोहू मछली को जीआई टैग मिलने की उम्मीद से मछुआरों में हर्ष

वैश्विक बाजार मिलने से बढ़ेगी आय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। मिथिला की रोहू मछली को जीआई टैग मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। पशु एवं मत्स्य विभाग अनुसंधान केंद्र, पटना के डॉ. टुनटुन सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने हायाघाट के होरलपट्टी स्थिल गंगा सागर तालाब का जिला मत्स्य पदाधिकारी के साथ निरीक्षण किया। इसके बाद किशनगंज और मुजफ्फरपुर की टीम यहां से मछली का सैंपल लेकर गई है।

जिले में दो जगहों पर रोहू मछली की 10 से 15 साल पुरानी प्रजाति पाई जाती है, जिसमें बिरौल प्रखंड की पोखराम पंचायत स्थित कोनी घाट और दूसरी हायाघाट प्रखंड के होरलपट्टी स्थित गंगासागर तालाब शामिल हैं।

पिछले दिनों कोनी घाट में पानी काला हो जाने के कारण बड़े पैमाने पर मछलियां मर गई थीं। इस कारण पटना की टीम ने होरलपट्टी स्थित गंगासागर तालाब का चयन कर निरीक्षण किया। इस सप्ताह जिले की टीम उक्त तालाब से मछली का सैंपल लेगी। रोहू मछली तालाब की मछलियों की सबसे विशिष्ट प्रजातियों में से एक है।

मिथिला क्षेत्र की रोहू मछली विशेष रूप से दरभंगा और मधुबनी में अपने स्वाद के लिए विशिष्ट है। मत्स्य विभाग की मानें तो विशेषज्ञों ने इसे लेकर अपनी रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय को सौंप दिया है।

मत्स्य पालकों का कहना है कि मिथिला की रोहू मछली को जीआई टैग मिलने से विशेष पहचान के साथ वैश्विक बाजार मिलेगा। इससे किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी।

मत्स्य विभाग के अनुसार, जिले में 17 हजार टन रोहू मछली का वार्षिक उत्पादन होता है। इसके साथ ही जिले में रोहू, नैनी, कतला सहित अन्य मछलियों का सालाना उत्पादन 75 हजार टन है। दरभंगा के जिला मत्स्य पदाधिकारी अनुपम कुमार ने बताया कि रोहू मछली को जीआई टैग मिलने की दिशा में प्रक्रिया तेज हो चुकी है। इसके लिए रोहू मछली का सैंपल एकत्रित कर जांच के लिए किशनगंज और मुजफ्फरपुर के लैब में भेजा गया है। यहां के लोग अभी आंध्र प्रदेश व पश्चिम बंगाल से आयातित मछलियों पर निर्भर हैं।

संक्षिप्त समाचार

कर्ज में डूबे पुत्र ने गला दबाकर अपनी बुजुर्ग मां को मार डाला, पत्र लिखकर जुर्म स्वीकार किया

लखनऊ, एजेंसी। अयोध्या नगर कोतवाली क्षेत्र के टेढ़ी गली चौक निवासी सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल कृष्ण वर्मा ने अपने मां की गला दबाकर हत्या कर दी। पत्र लिखकर अपना जुर्म भी स्वीकार किया। अत्यधिक कर्ज में डूबे होना हत्या की वजह बताया है। हालांकि परिजनों ने इसे खारिज किया है।

पुष्टि के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। गोपालकृष्ण वर्मा ने शुक्रवार की सुबह मीडिया में स्वयं ही एक पत्र वायरल किया। इसमें उन्होंने लिखा था कि वह अत्यधिक कर्ज में डूबे हैं। अपनी मां का दर्द उनसे देखा नहीं जा रहा है। अब अपनी मां को इस हालत में देखने की ताकत ना रहने पर उन्होंने निर्णय लिया और अपनी वृद्ध मां की गला दबाकर हत्या कर दी। यह पत्र वायरल होने पर पुलिस को जानकारी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी घर भी हैं। अन्य तीन भाई इसे भावुकता में लिखा पत्र बताते हुए खारिज कर रहे हैं। इसे स्वाभाविक मौत बता रहे हैं। आरोपी भी यहीं मौजूद है। मौत के कारणों की पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

पिता-पुत्र सहित तीन के खिलाफ एफआईआर, जिम की मशीनों को हड़पने का आरोप

वाराणसी, एजेंसी। जिम से संबंधित मशीनों को खरीदने के बाद 17 लाख रुपये का भुगतान न करने के मामले में चेतगंज निवासी पीड़ित ने कमिश्नरेट के उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई। शिकायत के आधार पर शिवपुर स्थित सिद्धि विनायक अपार्टमेंट में रहने वाले प्रीतम सिंह व उसके पुत्र अभिनंदन सिंह और सुनील कुमार के खिलाफ आपराधिक विश्वासघात और धमकाने सहित अन्य आरोपों में कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

यह है पूरा मामला: चेतगंज के मूल निवासी रजनीकांत ने पुलिस को बताया कि वह गणेश महाल, दशाश्वमेध में रहते हैं। भोजूबीर के एक मकान में उन्होंने पार्टनरशिप में एक जिम खोला था। कोरोना काल में जिम को बंद करना पड़ा। लोन चुकाने के साथ ही अन्य काम के लिए उन्हें पैसे की आवश्यकता हुई। इस पर जिम के ट्रेनर अभिनंदन सिंह और पिता प्रीतम सिंह ने सारा सामान 25 लाख रुपये में खरीदने को कहा। आठ लाख देने के बाद पिता-पुत्र ने शेष 17 लाख रुपये कुछ समय में देने के लिए लिखा पढ़ी की। इसके बाद पिता-पुत्र उनकी कॉल रिसीव करना बंद कर दिए। कुछ दिनों बाद पता लगा कि उन्होंने जहां जिम खोला था, उसके मकान मालिक सुनील सिंह ने पिता-पुत्र के साथ उनका ताला तोड़ दिया। साथ ही, उनकी मशीनों पर जबरन कब्जा कर पिता-पुत्र ने मकान मालिक की मिलीभगत से नया जिम खोल दिया। इस संबंध में पूछने पर उनके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। इसकी शिकायत कैंट थाने की पुलिस से की गई। पुलिस कार्रवाई के बजाय समझौता कराने के चक्कर में पड़ गई। तब जाकर उन्होंने उच्चाधिकारियों से शिकायत की। इस संबंध में इंस्पेक्टर कैंट ने बताया कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

चूड़ा अब दुल्हन का सोलह शृंगार ही नहीं ट्रेंड में छाया, पति की फोटो लगे चूड़े का क्रेज बढ़ा

गोरखपुर, एजेंसी। कभी पंजाबी संस्कृति में दुल्हन की पहचान माना जाने वाला चूड़ा आज गोरखपुर की दुल्हनों की पसंद बन चुका है। जयमाला हो या शादी की अन्य रस्में दुल्हन के हाथों में पहने चूड़े पर सबकी निगाहें जाती हैं। चूड़ा खास दिखे इसके लिए दुल्हनें प्लास्टिक के लाल चूड़े के स्थान पर अन्य रंग और डिजाइन के चूड़े पहनने लगी हैं। चूड़ा आज चूड़ा न होकर ट्रेंड हो गया है। इसे हर धर्म की दुल्हनें पहन रही हैं। गोरखपुर में गोलघर, रेती, असुरन चौक के शृंगार की दुकानों में प्लेन चूड़ा, नाम लिखे चूड़े, फोटो लगे चूड़े, अमेरिकन डायमंड चूड़े, जरकन स्टोन चूड़े, कुंदन ब्राइडल चूड़ा, राजवाड़ी चूड़ा के साथ ही सीप के बने चूड़े मिल रहे हैं। चूड़े को लेकर मान्यता है कि यह प्रजनन और समृद्धि का संकेत है। पति की तरक्की के लिए दुल्हनें साल भर इसे पहनती हैं। ऐसे में इस पर पति-पत्नी का नाम और फोटो हो रिश्ते की मजबूती और भी बढ़ जाती है।

वरुणा-असि नदी की सफाई... दो साल में 21 मीटिंग

मिनट्स में दिखाए गए ज्यादातर एक्शन प्लान कॉपी-पेस्ट

वाराणसी, एजेंसी। सरकारी फाइलों और कागजात तैयार करने का नायाब उदाहरण देखना हो तो असि और वरुणा नदी से अतिक्रमण हटाने के लिए गठित निष्पादन समिति के मीटिंग मिनिट्स से बेहतर शायद ही कुछ हो। फरवरी 2022 से जनवरी 2024 के बीच 21 बैठकों के मिनट्स के कटेंट एक जैसे ही हैं।

चार फॉर्मेट में बने मीटिंग के मिनट्स में दिखाए गए ज्यादातर एक्शन प्लान भी कॉपी पेस्ट ही हैं। यही कारण है कि 23 नवंबर 2021 को एनजीटी के आदेश पर गठित निष्पादन समिति के 21 और निगरानी समिति की छह बैठकों के बाद भी निर्णय धरातल पर नहीं उतर पाए।

असि और वरुणा नदी के अस्तित्व को पुनर्जीवित करने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में दायर याचिका पर 23 नवंबर 2021 को आदेश पारित हुआ था कि निष्पादन समिति का गठन किया जाए। इसी के साथ एनजीटी के आदेश पर पर्यवेक्षणीय समिति का भी गठन किया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नोडल की भूमिका में इन समितियों की समय-समय पर बैठक भी हुई। मीटिंग के मिनट्स प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से तैयार किए गए। अब तक निष्पादन समिति की 21 और पर्यवेक्षणीय समिति की छह बैठकों के मिनट्स में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं है।

हालांकि इन बैठकों में असि-वरुणा नदी की जमीन से अतिक्रमण हटाने और पुराने अस्तित्व में लाने के लिए कई अहम निर्णय लिए तो गए लेकिन ज्यादातर निर्णय धरातल पर उतर ही नहीं पाए। असि और वरुणा के पुनरुद्धार के लिए होने वाली बैठकों की जानकारी सार्वजनिक की गई है। एनजीटी के आदेश पर आम जनता की भागीदारी बढ़ाने के लिए इसकी शुरुआत हो गई है। इसके साथ ही पर्यावरणीय समन्वयक की भी नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मार्गदर्शन मांगा है।

शादी शून्य होने पर भी पत्नी कर सकती है घरेलू हिंसा का केस, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में कहा है कि विवाह शून्य घोषित होने पर भी पत्नी घरेलू हिंसा का मुकदमा कर सकती है। शादी को समाप्त होने से घरेलू हिंसा अधिनियम की धारा 12 के तहत दाखिल परिवाद पर कोई असर नहीं पड़ेगा। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने यह फैसला व आदेश पति की याचिका पर दिया। प्रतापगढ़ जिले के इस मामले में याची पति का कहना था कि उसकी और शिकायतकर्ता पत्नी की शादी को 26 मार्च 2021 को परिवार न्यायालय ने डिक्री पारित करते हुए शून्य घोषित कर दिया है। ऐसे में घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत उसके खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है। कोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि अलग होने से पूर्व याची व विपक्षी पति-पत्नी की तरह ही रह रहे थे और एक घरेलू नातेदारी में थे। ऐसे में पत्नी घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत पीड़िता मानी जाएगी और धारा 12 के तहत परिवाद दाखिल करने का पूर्ण अधिकार है।

यूपी में सहयोगी दलों को छह सीटें देगी भाजपा, राजनाथ सिंह लखनऊ से लड़ेंगे चुनाव!

लखनऊ, एजेंसी। आगामी लोकसभा चुनाव में यूपी में सभी 80 सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा प्रदेश में सहयोगी दलों को छह सीटें दे सकती है। चुनाव की तैयारियों को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की हुई बैठक में इस पर चर्चा हुई। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

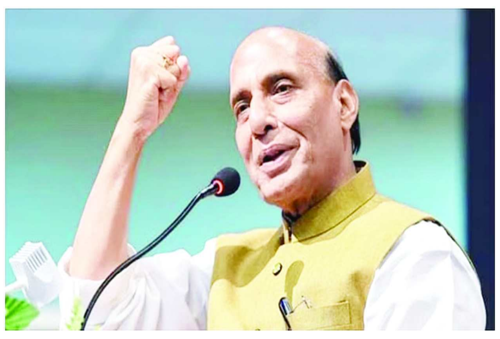

सूत्रों के अनुसार, भाजपा यूपी में रालोद को दो सीटें, अपना दल को दो सीटें, निषाद पार्टी को एक सीट और राजभर की पार्टी सुभासपा को एक सीट दे सकती है। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का लखनऊ से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले शुक्रवार या शनिवार को सौ से अधिक उम्मीदवारों की सूची और 10 मार्च तक करीब 250 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए जाएंगे।

केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पूर्व प्रधानमंत्री निवास पर पार्टी के शीर्ष नेताओं की करीब छह घंटे तक चली बैठक में 21 राज्यों की 300 सीटों पर उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर लिया गया है। इस बैठक में पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में गठबंधन पर बातचीत तय होने तक उम्मीदवार घोषित नहीं करने का फैसला किया गया है।

यूपी में राजभर-दारा बनेंगे मंत्री, रालोद को भी कैबिनेट में मिलेगी जगह! सीएम योगी ने राज्यपाल से की मुलाकात

लखनऊ, एजेंसी। दिल्ली में भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अगले एक दो दिनों में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में सहयोगी दलों में सीट शेयरिंग तय होने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार के कयास लगाए जा रहे हैं। भाजपा यूपी में सहयोगी दलों ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा (एक सीट), अपना दल (दो सीट), निषाद पार्टी (एक सीट) और रालोद (दो सीट) को छह सीटें देने पर सहमत हो गई है। संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में ओमप्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान को मंत्री बनाया जा सकता है। वहीं, एनडीए में शामिल आरएलडी से भी मंत्री बनाए जाने की चर्चा है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले शुक्रवार या शनिवार को सौ से अधिक उम्मीदवारों की सूची और 10 मार्च तक करीब 250 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए जाएंगे। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पूर्व प्रधानमंत्री निवास पर पार्टी के शीर्ष नेताओं की करीब छह घंटे तक चली बैठक में 21 राज्यों की 300 सीटों पर उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर लिया गया है। इस बैठक में पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में गठबंधन पर बातचीत तय होने तक उम्मीदवार घोषित नहीं करने का फैसला किया गया है।

ट्रक ने बाइक सवार तीन को रौंदा, दो बच्चियों की मौके पर मौत, पिता गंभीर

बाराबंकी, एजेंसी। बाराबंकी के रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मारी और फिर सड़क पर गिरे दो बच्चों व युवक को रौंदता चला गया। हादसे में दोनों मासूम बच्चों की मौके पर मौत हो गई जबकि युवक के आधे शरीर पर ट्रक की पहिया चढ़ने से हालत गंभीर है। ट्रक चालक फरार हो गया है। रामसनेहीघाट के सुमेरगंज निवासी नीरज यादव (34) पुत्री योगिता (8) बड़े भाई पंकज यादव की पुत्री वर्तिका (5) को बाइक पर बिठाकर आधुनिक इंटर कॉलेज भिटरिया छोड़ने जा रहे थे। इस दौरान भिटरिया की ओर से बाराबंकी जा रही तेज रफ्तार ट्रक ने ब्लॉक बनी कोडर के पास नीरज की बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर में सभी लोग सड़क पर जा गिरे और ट्रक तीनों को रौंदता हुआ चला गया। इसमें दोनों मासूम बच्चियों की मौके पर मौत हो गई। नीरज को सीएचसी रामसनेहीघाट पहुंचाया गया। उसे तुरंत डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने ट्रक को कोतवाली में खड़ा कर दिया गया है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

मिर्जापुर में युवक की गला रेतकर हत्या, खेत में खून से लथपथ मिला शव

मिर्जापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में हैरान करने वाली घटना सामने आई है। जिले के जिगना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कसघना के मदनपुर में युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार की सुबह गेहूं के खेत में फेंका गया शव मिलने से घर में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जुटने लगी। इस बीच जानकारी मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई और छानबीन में जुट गई।

यह है मामला: आशीष कुमार (22) पुत्र सुरेश चंद गुरुवार की रात आठ बजे एक रिश्तेदार के साथ मुर्गा (चिकन) खरीदने गया था, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटा। शुक्रवार की सुबह गांव निवासी सुभाष चंद बिंद घर से दूध लेकर नरोइया बाजार जा रहा था कि कमलाशंकर दुबे के गेहूं के खेत में आशीष कुमार का शव पड़ा देखा। पास गया तो देखा कि युवक का गला रेता गया था।

प्रमुख सचिव गृह व डीजीपी कराएं अमरमणि के संपत्तियों की कुर्की

बस्ती, एजेंसी। बस्ती में एक व्यापारी के बेटे के अपहरण मामले में नामजद फरार पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अमरमणि की संपत्तियों को कुर्क कराने में हीलाहवाली कर रही स्थानीय पुलिस को दरकिनार करते हुए न्यायालय ने अब प्रमुख सचिव गृह और डीजीपी को कार्रवाई के लिए कहा है। केस की अगली सुनवाई के लिए 20 मार्च को होगी।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सक्षम/विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) प्रमोद कुमार गिरि ने कहा कि ऐसी पूरी संभावना है कि स्थानीय पुलिस आरोपी के प्रभावशाली होने के कारण उस पर कार्रवाई करने से बच रही है। ऐसी स्थिति में समस्त जिलों में स्थित आरोपी अमरमणि त्रिपाठी की संपत्तियों की कुर्की के लिए प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह व पुलिस महानिदेशक को निर्देशित किया जाता है कि वे संपत्तियों को कुर्क कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई कराकर रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें।

सुनवाई के बाद जारी आदेश में कोर्ट ने कहा कि अमरमणि त्रिपाठी का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ हत्या सहित कुल 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके विरुद्ध 16 अक्तूबर 2011 को एनबीडब्ल्यू जारी किया गया था। एक नवंबर को कुर्की की नोटिस और दो दिसंबर को कुर्की की कार्रवाई करने का आदेश दिया गया था। मगर, स्थानीय पुलिस आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पाई। यद्यपि कुर्की की कार्रवाई किए जाने के लिए बराबर समय की मांग करती रही। ऐसे में प्रमुख सचिव गृह व डीजीपी कुर्की की कार्रवाई कराएं।

अब कंकरखेड़ा में आया तेंदुआ, मचा हड़कंप, दहशत से घरों में दुबके लोग, सीसीटीवी कैमरे में हुआ कैद

मेरठ, एजेंसी। मेरठ में कंकरखेड़ा के आर्य नगर में शुक्रवार सुबह एक तेंदुआ मकान के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गया। मामले की जानकारी होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस दौरान लोग घरों के अंदर दुबककर बैठ गए। वहीं, तेंदुए की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए की तलाश में जुट गई है। कंकरखेड़ा के सरधना रोड स्थित आर्य नगर निवासी अभय के मकान पर सीसीटीवी लगे हुए हैं। अभय ने बताया कि शुक्रवार सुबह लगभग पौने छह बजे एक तेंदुआ दिखाई दिया। इसी बीच एक बाइक सवार युवक सुबह के समय किसी काम से जा रहा था। इसी दौरान युवक का तेंदुए से आमना-सामना हो गया। तेंदुए को देखकर युवक ने बाइक रोक ली। युवक का कहना है कि बाइक की तेज लाइट को देखकर तेंदुआ दूसरी तरफ भाग गया। इस दौरान युवक ने घबराकर शोर मचा दिया। युवक का शोर सुनकर आसपास के लोग उसकी ओर दौड़ पड़े। वहीं, क्षेत्र में तेंदुआ मिलने की सूचना पर कॉलोनी में हड़कंप मच गया। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग की टीम को मौके से तेंदुए के पैरों के निशान मिले। वन विभाग की टीम ने आसपास के क्षेत्र में तेंदुए की तलाश की। लेकिन तेंदुए का सुराग नहीं लग सका। वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने के लिए जाल बिछाने की तैयारी कर रही है। उधर, थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी। थाना प्रभारी विष्णु कौशिक का कहना है कि एहतियात के तौर पर पुलिस को तैनात कर दिया गया है।

शेर कोठी के मकान को खाली कराने गई टीम लौटी, अनशन पर बैठी महिला की हालत बिगड़ी

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर के कोतवाली इलाके के बक्शीपुर शेर कोठी स्थित एक मकान को बृहस्पतिवार दोपहर 3:30 बजे खाली कराने गई प्रशासन की टीम लौट गई। मकान पर मालिकाना हक जताने वाली महिला और किराएदार के बीच विवाद है। मकान को अपना बताने वाली रूपा अग्रवाल आमरण अनशन पर बैठ गई। देर शाम उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद बेटा उन्हें लेकर डॉक्टर के पास गया। महिला ने न्याय न मिलने तक आमरण अनशन पर बैठने की बात कही है।

जानकारी के मुताबिक, राजघाट के दीवान दयाराम की रहने वाली रूपा अग्रवाल पत्नी स्व. चंद्रप्रकाश अग्रवाल ने 2002 में भगवान भीटी गांव निवासी गंगा शरण सिंह को मकान किराए पर दिया था। वर्तमान में गंगा शरण के परिवार के राज नारायण सिंह का परिवार रहता है। इसे लेकर रूपा अग्रवाल ने सीएम के जनता दर्शन में मुलाकात कर प्रार्थनापत्र दिया था।

सीएम के आदेश पर प्रशासन ने पूरे मामले की जांच की। बकौल रूपा अग्रवाल, बृहस्पतिवार को तहसीलदार ने जांच के बाद मकान को जब्त करने की बात कही थी। दोपहर में साढ़े तीन बजे के करीब तहसीलदार मौके पर गए और मकान को खाली करने के लिए कहे, लेकिन फिर वह लौट गए। इससे नाराज होकर रूपा अग्रवाल धरने पर बैठ गई।

उनकी मांग थी कि आज ही कार्रवाई को पूरी की जाए। जबकि, किराएदार का परिवार समय मांग रहा था। देर शाम महिला की तबीयत खराब हो गई। बेटा लेकर अस्पताल चला गया। बेटे ने बताया कि वह डीएम और आला अफसरों से मुलाकात कर प्रार्थनापत्र देकर न्याय की गुहार लगाएंगे।

डीएम कृष्णा करुणेश ने कहा कि मामले की जांच के बाद सिटी मजिस्ट्रेट ने जब्त करने का आदेश जारी किया है। जिसके अनुपालन में प्रशासन की टीम गई थी। मामला कोर्ट में भी है। प्रशासन नियमानुसार आवास को जब्त कराएगा। कोर्ट का जो भी निर्णय होगा उसका अनुपालन कराया जाएगा।

ट्रेलर की केबिन में धमाके के साथ भड़की आग, जिंदा जला अंदर सो रहा ड्राइवर; कंकाल बन गया पूरा शरीर

सोनभद्र, एजेंसी। वाराणसी-शक्तिनगर स्टेट हाईवे पर एनसीएल खड़िया की ट्रक लोडिंग प्वाइंट के पास गुरुवार आधी रात के बाद एक ट्रेलर की केबिन में अचानक आग लग गई। आग के चपेट में आने से चालक की मौत हो गई। मृतक बभनी थाना क्षेत्र के दरनखाड़ गांव का निवासी बताया जा रहा है।

यह है मामला: एनसीएल खड़िया की कोयला लोडिंग प्वाइंट पर जाने के लिए मुख्य मार्ग से प्रवेश मिलता है। बताया जा रहा है रात होने के चलते ट्रेलर में कोयला लोड करने आए चालक मोहन गुप्ता (30) पुत्र केश लाल निवासी दरनखाड़ थाना बभनी (सोनभद्र) ने ट्रेलर को मुख्य मार्ग के किनारे खड़ा कर पिछली सीट पर सो गया। रात 12 बजे के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेलर की केबिन में आग भड़क उठी। इसे देख आसपास के ट्रक- ट्रेलर चालक एकत्रित हो गए। इसी बीच पुलिस की गश्ती टीम भी पहुंच गई। सूचना एनसीएल के फायर ब्रिगेड को दी गई। दमकल के पहुंचने पर घंटे भर की मशक्कत पर आग पर काबू पाया जा सका।

यात्राओं की नौटंकी के बीच कांग्रेस और राजद में टूट की प्रक्रिया तेज : सुशील मोदी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि जिस समय कांग्रेस और राजद के राजकुमार परिवार बचाओ यात्राओं की नौटंकी कर रहे हैं, उसी समय इन दोनों दलों में टूटने की प्रक्रिया तेज हो गई। अब यह कहना कठिन है कि संसदीय चुनाव तक इन दलों में कौन टिका रहेगा। श्री मोदी ने कहा कि बिहार विधानसभा के इसी सत्र में दो सप्ताह के भीतर राजद कांग्रेस के 7 विधायक महागठबंधन छोड़ कर एनडीए के साथ आ गए जो लोग विश्वास-मत से पहले खेला होने के दावे कर रहे थे, वे अपना घर ठीक नहीं रख पाए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और सपा के राजनीतिक प्रबंधन की गलती से क्रास-वोटिंग हुई जबकि भाजपा दूसरे दलों के विधायकों का विश्वास पाने में सफल रही। श्री मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चह्वाण और मिलिंद देवड़ा जैसे नेताओं ने कांग्रेस छोड़ दी। उन्होंने कहा कि पिछले साल के अंत में तीन हिंदी भाषी राज्यों में कांग्रेस की पराजय और इस चुनावी वर्ष के दौरान देश भर में कांग्रेस का टूटना लोकसभा के कांग्रेस-मुक्त होने का संकेत है। 17वीं लोकसभा राजद मुक्त थी और 18 वीं लोकसभा में भी उसका कोई नामलेवा नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हुए 73 साल के, प्रधानमंत्री सहित कई लोगों ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज 73 साल के हो गए। ऐसे में जन्मदिन के मौके पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में मुलाकात कर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंटकर जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को अंगवस्त्र भेंटकर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री आरसीपी सिंह, विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, विधान परिषद के सभापति देवेशचंद्र ठाकुर समेत तमाम नेताओं की ओर से बधाई दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हार्दिक शुभकामनाएं। लोगों की सेवा में उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर आपको दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करें। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माता जानकी से प्रार्थना करते हुए एक्स पर लिखा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। माता जानकी से आपके लिए उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना है। इसके अलावा बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने बधाई देते हुए कहा कि अप्रतिम नेतृत्व से बिहार का नवनिर्माण करने वाले बिहार के मुख्यमंत्री व कुशल राजनेता नीतीश कुमार को जन्मदिवस की बहुत-बहुत शभकामनाएं एवं बधाई। आपके जन्मदिवस के शुभ अवसर पर ईश्वर से आपके स्वस्थ, समृद्ध एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हैं। साथ ही आपके नेतृत्व में बिहार तरक्की के नए सोपान चढ़े, यही मंगलकामना है।

पीएम मोदी बिहार को दें विशेष राज्य का दर्जा : राबड़ी देवी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को बिहार आ रहे हैं। पीएम मोदी दोपहर 2:30 बजे औरंगाबाद आएंगे, उसके बाद देर शाम वह बेगूसराय जाएंगे। इस दौरान पीएम मोदी लाखों करोड़ों रुपए की योजनाओं का शुभारंभ करेंगे। वहीं पीएम मोदी के आगमन से पहले विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी कल बिहार आ रहे हैं तो अच्छी बात है। हम पीएम मोदी से मांग करेंगे कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। हम लोगों की शुरू से यह मांग रही है। उन्होंने कहा कि जब स्वर्गीय वाजपेयी जी थे, तभी हमने यह मांग कही थी, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ। अब मोदी जी आ रहे हैं तो उनसे भी यही मांग करती हूं। राबड़ी देवी ने कहा कि उनके सामने गांधी मैदान में जोगबनी में जाकर, गया में जाकर अटल बिहारी वाजपेयी जी से विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की थी और अब यही मांग पीएम मोदी से कर रही हूं। लेकिन, देखिए कब तक पूरा होता है और होता है भी या नहीं इस बार में कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन पूरा होगा, इसकी उम्मीद बेहद कम है। उन्होंने कहा कि केंद्र में अब भाजपा की सरकार है तो मैं उनसे कहना चाहता हूं कि देश में जहां-जहां गरीबी है और जो गरीब राज्य है। उसे विशेष राज्य का दर्जा देना चाहिए, बिहार सबसे गरीब राज्य है तो इसे यह पहले मिलना चाहिए, लेकिन मुझे लगता है कि जब तक भाजपा की सरकार रहेगी, तब तक यह मांग पूरी होने वाली नहीं है। उधर, महागठबंधन की रैली को लेकर राबड़ी देवी ने कहा कि लोगों की भीड़ जुट रही है, हमारी पार्टी को सभी लोग सपोर्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी और बड़े नेता भी आ रहे हैं तो अच्छी बात है। हम लोगों की तीन तारीख की रैली में लाखों लोगों की भीड़ होगी और पूरा बिहार देखेगा कि हमलोगों को कितना लोग पसंद करता है और लोकसभा चुनाव कौन जीतेगा।

औरंगाबाद में पीएम की सभा में शामिल होंगे पशुपति पारस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस कल औरंगाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में शामिल होंगे। इस संबंध में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने बताया कि पशुपति कुमार पारस शनिवार को औरंगाबाद में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शुक्रवार को नई दिल्ली से पटना पहुंचे। राष्ट्रीय प्रवक्ता अग्रवाल ने कहा कि औरंगाबाद में प्रधानमंत्री की जनसभा को लेकर आम जनमानस में भारी उत्साह दिख रहा है। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राज्य स्तर और स्थानीय स्तर के सभी नेता और कार्यकर्ता औरंगाबाद में घर-घर जाकर नरेंद्र मोदी की जनसभा में शामिल होने के लिए आम लोगों का आमंत्रित कर रहे हैं। कल औरंगाबाद में होने वाली प्रधानमंत्री की सभा अभूतपूर्व होगी, पिछली सारी सभाओं का कल औरंगाबाद में रिकॉर्ड टूटेगा लाखों की संख्या में नरेंद्र मोदी की सभा में लोग पहुंचेंगे।

माल लदान में पूर्व मध्य रेल ने किया नया कीर्तिमान स्थापित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। माल लदान के क्षेत्र में पूर्व मध्य रेल द्वारा एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में फरवरी माह तक पिछले सर्वश्रेष्ठ लोडिंग का आंकड़ा पार करते हुए 178.94 मिलियन टन का माल लदान कर माल लदान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। यह लदान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.43 प्रतिशत की उत्साहवर्द्धक वृद्धि के साथ 16.90 मिलियन टन अधिक है। विदित हो कि पिछले वित्त वर्ष अर्थात 2022-23 में फरवरी माह तक 162.04 मीलियन टन की माल ढुलाई की गयी थी। यह पहली बार है जब पूर्व मध्य रेल ने किसी वित्तीय वर्ष में इतने कम दिनों में यह उपलब्धि हासिल की है।

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पर्यटन मंत्रालय के अधीन स्वायत्तशासी संस्था होटल प्रबंधन संस्थान, हाजीपुर (आई एचएम हाजीपुर) के त्रिवर्षीय बीएससी इन एच एंड एचए पाठ्यक्रम के बैच 2021-24 के लिए आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कैंपस प्लेसमेन्ट ड्राइव में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्टार कैटेगरी होटल ग्रुप सहित विख्यात व्यवसायिक संस्थाओं ने हिस्सा लिया। इनमें ओबरॉय ग्रुप होटल्स, ताज ग्रुप होटल्स, ग्रांड हयात गोवा, जे पी पैलेस आगरा, लेमन ट्री होटल्स, जूरी होटल एंड रिसोर्ट, मेफेयर होटल्स, बारवेक्यू नेशंस, एसएमसी, प्लानेट स्पार्क आदि कंपनियों शामिल थीं। वरीय व्याख्याता सह प्लेसमेन्ट कॉडिनेटर प्रमोद सहनी एवं सहायक व्याख्याता मो. हलीम ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव में आई एच एम हाजीपुर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया जिसमें विभिन्न स्टार कैटेगरी होटलों तथा कंपनियों में संस्थान के बच्चों का प्लेसमेन्ट मैनेजमेन्ट ट्रेनी, होटल ऑपरेशन ट्रेनी, एसोसिएट, शिष्ट मैनेजर आदि पदों पर अधिकतम पैकेज के साथ हो चुका है तथा अभी कुछ और कंपनियां रिक्रूटमेन्ट के लिए आने वाली हैं। प्राचार्य पूलक मंडल ने कैंपस प्लेसमेन्ट ड्राइव में सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि आई एच एम हाजीपुर बिहार का एकमात्र पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्था है जो विद्यार्थियों को आतिथ्य एवं होटल प्रशासन में डिग्री के साथ-साथ पर्यटन, स्किल डेवलपमेन्ट की भी जानकारी देकर देश एवं विदेशों के होटल इण्डस्ट्री में रोजगार मुहैया करा रहा है। उन्होंने बताया कि बिहार के छात्रों की डिमांड होटल इण्डस्ट्री में अधिक है क्यूंकि वे बहुत ही अधिक मेहनती होते हैं और सफलतापूर्वक कार्य करते हैं। स. प्रशासनिक अधिकारी मुर्तजा कमाल ने बताया कि विद्यार्थियों के रोजगार क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए यहां के विद्यार्थियों को देश-विदेश की संस्कृति, भाषा से भी समय-समय पर रूबरू कराया जाता है। ताकि रोजगार क्षेत्र में उन्हें भाषा एवं संस्कृति की परेशानी नहीं हो।

जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम में वैश्विक जलवायु परिवर्त्तन के दुष्प्रभावों से निपटने का बेहतर प्रयास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मानवीय गतिविधियों व भौगोलिक कारणों से जनित वैश्विक जलवायु परिवर्त्तन का दुष्प्रभाव कमोबेश विश्व के अधिकांश देशों में दृष्टिगोचर हो रहा है। अपना राज्य बिहार भी इससे अछूता नहीं है। बेतरतीब तापमान वृद्धि, वर्षापात, आंधी, तूफान, लू आदि के प्रभाव से कृषि फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। राज्य सरकार द्वारा वैश्विक जलवायु परिवर्त्तन के दुष्प्रभावों से निपटने का बेहतर प्रयास जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम का प्रारंभ कर किया जा रहा है। साथ ही बिहार राज्य ने जलवायु अनुकूल और न्यून कार्बन विकास रणनीति तैयार कर सन् 2070 तक राज्य को जलवायु अनुकूल और कार्बन तटस्थ इकाई में बदलने की यात्रा शुरूकी है। इस परियोजना के तहत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग, बिहार सरकार द्वारा बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् और यू.एन.ई.पी. के साथ मिलकर शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउन्डेशन, डब्लू.आर.आई. इंडिया एवं सी.ई.ई.डब्लू सहित अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त संगठनों की सहायता से एक अययन किया जा रहा है। इस हेतु पिछले दो वर्षों के अध्ययन के फलस्वरूप राज्य के लिए एक रणनीति विकसित की गई है जो जलवायु अनुकूल और न्यून कार्बन विकास मार्गों पर शमन और अनुकूलन दोनों क्षेत्रों के लिए अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक अनुशंसायें प्रदान करती हैं। इस रणनीति को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग और बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा डब्लू.आर.आई. इंडिया के सहयोग से 04 मार्च को पटना के ज्ञान भवन में आयोजित बिहार जलवायु अनुकूल कार्रवाई सम्मेलन में विमोचित किया जा रहा है ताकि संबंधित हितधारकों को आगे के रास्ते पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाया जा सके।

इस सम्मेलन में बिहार के लिए नवीन जलवायु वित्त-तंत्र पर चर्चा को सुविधाजनक बनाने, सार्वजनिक निजी भागीदारों के माध्यम से बिहार के ऊर्जा परिवर्त्तन को उत्प्रेरित करने, अक्षय ऊर्जा परियोजना के पैमाने को बढ़ाने, सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से बिहार के ऊर्जा परिवर्त्तन को उत्प्रेरित करना, अक्षय ऊर्जा परियोजना के पैमाने को बढ़ाने के लिए नीतियों को प्रोत्साहित करने, सभी स्तरों पर हितधारकों को शामिल करते हुए सहयोगी जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने और राज्य को न्यून कार्बन मार्ग को संचालित करने में बहु-हितधारक साझेदारी की प्रभावकारिता का पता लगाना होगा।

बोर्ड में 75 प्रतिशत नहीं होने पर मिल सकती है बड़े इंजीनियरिंग संस्थानों में एंट्री

आईआईटी, एनआईटी में प्रवेश के लिए ही 12वीं बोर्ड में 75 प्रतिशत की बाध्यता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान में शामिल आईआईटी व एनआईटी में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली जेईई में 14 लाख से अधिक स्टूडेंट्स उपस्थित हो रहे हैं। जेईई क्रेक करने के बाद भी हजारों स्टूडेंट्स ऐसे सामने आते हैं जो कि बोर्ड पात्रता पूरी नहीं कर पाने के कारण इन संस्थानों में प्रवेश नहीं ले पाते। बड़ी बात यह होती है कि ये स्टूडेंट्स जानकारी के अभाव में ऐसे स्टूडेंट्स उन संस्थानों में भी प्रवेश से वंचित रह जाते हैं जो कि देश में ख्याति प्राप्त हैं और वहां बोर्ड पात्रता आईआईटी एनआईटी में प्रवेश के समान नहीं होती है।

एलन पटना के मेंटोर, जोनल हेड एवं वाइस प्रसीडेंट डॉ.विपिन योगी ने बताया कि जेईई में बैठने के लिए बोर्ड पात्रता की जरूरत नहीं होती है, लेकिन आईआईटी व एनआईटी में प्रवेश के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 75 प्रतिशत की बोर्ड पात्रता निर्धारित की हुई है जो कि कई वर्षों से चली आ रही है। इस पात्रता के चलते कई स्टूडेंट्स जेईई में शामिल होने से कतराते हैं। देश में आईआईटी-एनआईटी के अतिरिक्त भी कई ऐसे बड़े ख्यातनाम इंजीनियरिंग संस्थान हैं जहां बोर्ड पात्रता 75 प्रतिशत से कम होने के बावजूद प्रवेश प्राप्त किया जा सकता है। इनमें से बहुत से संस्थानों की प्रवेश प्रक्रिया जेईई-मेन एवं एडवांस्ड की रैंक के आधार होती है। साथ ही बहुत से इंजीनियरिंग संस्थान ऐसे भी हैं जिनमें प्रवेश के लिए स्वयं की परीक्षाएं होती हैं। देश में कई बड़े इंजीनियरिंग संस्थान जैसे मनीपाल मैंगलुरू, वीआईटी वैल्लुर, अमृता चैन्नई, एसआरएम चैन्नई, कलिंगा भुवनेश्वर, पीईएस बैंगलुरू, शिवनादार नोएडा, नर्सीमुंजी मुम्बई, आईएसआई कोलकाता, सीएमआई चैन्नई, एनआईएफटी दिल्ली, एमआईटी पुणे, यूपीईएस देहरादून, एलपीयू, चितकारा चंडीगढ़ पंजाब, बैनेट नोएडा, क्यूसेट केरला, बीवीपी पुणे, बनस्थली विद्यापीठ आदि इंजीनियरिंग संस्थानों में बोर्ड पात्रता फीजिक्स, कैमेस्ट्री, मैथ्स में औसतन 60 प्रतिशत रहती है। इसके साथ ही कोमेडके प्रवेश परीक्षा के माध्यम से बैंगलुरू के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए विकल्प दिए जाते हैं। इसके लिए भी बोर्ड पात्रता 60 प्रतिशत से कम है। यही नहीं ट्रिपलआईटी हैदराबाद के कुछ कोर्सेज में प्रवेश के लिए बोर्ड पात्रता मात्र 12वीं पास ही है। दो वर्ष पहले शुरू हुई सीयूईटी के माध्यम से इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश पर भी बोर्ड पात्रता 75 प्रतिशत से कम है। डॉ.विपिन योगी ने बताया कि टॉप संस्थानों में शामिल ट्रिपलआईटी हैदराबाद, बैंगलुरू, दिल्ली, डिटीयू, एनएसआईटी दिल्ली, थापर पटियाला, एलएनएमआईटी जयपुर, निरमा अहमदाबाद, जेपी नोएडा, धीरूभाई अंबानी अहमदाबाद, आईसीटी मुम्बई, एआईटी पुणे आदि संस्थानों में जेईई-मेन के आधार पर प्रवेश मिलता है जहां बोर्ड पात्रता 75 प्रतिशत से कम चाहिए होती है। अधिकांश कॉलेजों में बोर्ड पात्रता 12वीं में पीसीएम में औसतन 60 प्रतिशत प्राप्तांक माना जाता है। इसी प्रकार जेईई-एडवांस्ड की परीक्षा के माध्यम से कई श्रेष्ठ संस्थान आईआईएससी बैंगलुरु, आईआईएसटी त्रिवेंद्रम, आईआईएससीआर पुणे, राजीव गांधी पेट्रोलियम रायबरैली, आईआईपीई विशाखापट्टनम में प्रवेश मिलता है जिसमें 75 प्रतिशत की बोर्ड पात्रता लागू नहीं है। इसके अतिरिक्त देश के कई स्टेट इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए स्टेट लेवल एंट्रेंस एग्जाम होते हैं और जेईई-मेन के आधार पर भी प्रवेश दिया जाता है, लेकिन यहां भी बोर्ड पात्रता 60 प्रतिशत से कम है।

देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता

कैरम प्रतियोगिता का बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश करेंगे उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के आज के परिणाम इस प्रकार हैं- 200मीटर दौड़ पुरूष वर्ग, प्रथम अमरजीत (डी एल एड 1), द्वितीय ज्ञान गौरव (बी एड 2), तृतीय किशलय कश्यप (बी एड 2), 200मीटर दौड़ महिला वर्ग, प्रथम आयुषी (बी एड 1), द्वितीय स्वाति। द्वितीय खेलों का संचालन सहायक प्राध्यापिका मिताली मित्रा ने किया तथा सहायक के रूप में चंद्रकांत आर्य और विकास कुमार ने योगदान दिया। इस अवसर पर एथलेटिक्स के राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी पदाधिकारी रामरतन सिंह मौजूद थे। इस क्रीड़ा प्रतियोगिता में टग ऑफ वॉर खेल का भी आयोजन किया गया। क्रीड़ा प्रतियोगिता के समय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर पूनम वर्मा, वित्त मंत्री विवेक रंजन, सहायक मंत्री उर्मिला कुमारी, सहायक प्राध्यापिका रिंपल कुमारी, डॉक्टर प्रतिमा कुमारी, डॉक्टर शादमा शाहीन, डॉक्टर रीना चौधरी, रीना रंजन, रजनी रंजन, मंजरी चौधरी, सुधीर पाठक, अमित कुमार, कमलेश कुमार ये सभी उपस्थित थे। 2 मार्च को कैरम प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश के द्वारा किया जाएगा।

दीपंकर भट्टाचार्य ने भाजपा पर लगाया विधायकों को खरीदने का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाकपा-माले ने महागठबंधन में विधायकों के टूटने पर गहरी आपत्ति जताई है। तीन मार्च को आयोजित होने वाली महागठबंधन की रैली में शामिल होने के लिए पटना पहुंचे भाकपा-माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने भाजपा को देश की सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार से जमा किए गए पैसों से विधायकों की फरीद फरोख्त कर रही है। दरअसल, बिहार में एनडीए की सरकार बनने के बाद से ही विपक्ष के विधायक पाला बदलकर एनडीए में शामिल हो रहे हैं। विधायकों के लगातार पाला बदलने को लेकर विपक्ष आरोप लगा रहा है कि भाजपा विधायकों को पैसे देकर पाला बदलवा रही है। ऐसे में दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा है कि देश के सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी पार्टी अगर कोई है तो वह भाजपा है। उन्होंने कहा कि विधायकों को डरा धमकाकर या पैसे का लालच देकर भाजपा पार्टी में शामिल करा रही है जिन्होंने दल बदला है, इसके खिलाफ उन क्षेत्रों के विधायकों को समर्थन नहीं करने की अपील जनता से करेंगे।

कटिहार-खगड़िया-मुंगेर-सुलतानगंज-भागलपुर के रास्ते डिब्रूगढ़ और देवघर के मध्य एक नई ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर कटिहार-खगड़िया-मुंगेर- सुलतानगंज-भागलपुर के रास्ते डिब्रूगढ़ और देवघर के बीच एक नई ट्रेन 15925/15926 देवघर-डिब्रूगढ़-देवघर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) का परिचालन करने का निर्णय लिया गया है। इस नई ट्रेन का शुभारंभ 1 मार्च 2024 को मोहनपुर से 03509 देवघर-डिब्रूगढ़ उद्घाटन स्पेशल के रूप में किया गया। इस नई ट्रेन का नियमित परिचालन डिब्रूगढ़ से 05.03.24 से सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को तथा देवघर से 07.03.24 से सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को किया जायेगा। गाड़ी संख्या 15926 डिब्रूगढ़-देवघर एक्सप्रेस 05.03.2024 से सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को डिब्रूगढ़ से 23.30 बजे खुलकर गुरुवार को 06.00 बजे देवघर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 15925 देवघर-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस 07.03.2024 से सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को देवघर से 20.05 बजे खुलकर शुक्रवार को 23.00 बजे डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। इस नई ट्रेन में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 06 कोच, शयनयान श्रेणी के 07 कोच, साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे ।

भाजपा के बहुत सारे लोग कांग्रेस में आना चाहते हैं : डा.अखिलेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कभी-कभी शिकारी खुद शिकार बन जाता है। तोड़फोड़ की जो सियासत भाजपा ने शुरू की उसका शिकार खुद भाजपा बन रही है। बहुत लोग मेरे सम्पर्क में हैं जो भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आना चाहते हैं, लेकिन मैंने यह शर्त रख दिया है कि कांग्रेस में वगैर शर्त ही प्रवेश संभव होगा। भाजपा ने प्रजातंत्र को मंडी समझती है इसका खामियाजा उसको भुगतना होगा। उक्त बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डा. अखिलेश प्रसाद सिंह ने पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में शुक्रवार को आयोजित एक मिलन समारोह में कही। मिलन समारोह में भाजपा नेता मंटू शर्मा ने आज अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। इसके अलावा पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अचला सिंह ने भी हाथ के साथ चलने का निर्णय लिया। प्रदेश अध्यक्ष ने दोनों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। मंटू शर्मा बिक्रम विधान सभा क्षेत्र से आते हैं और पूर्व में कांग्रेस के पटना ग्रामीण जिला के अध्यक्ष रह चुके हैं। इस अवसर पर डा. सिंह ने कहा कि इन दोनों के पार्टी में आने से पार्टी मजबूत होगी। अधिवक्ता अचला सिंह ने कहा कि कांग्रेस न्याय की बात करती है और राहुल जी के यात्रा का नाम भी न्याय यात्रा है इसलिए केवल कांग्रेस ही हमारे लिये उपयुक्त जगह थी। दोनों को तीन मार्च की महारैली में अपना दमखम दिखाने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे उनमें प्रमुख हैं-पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, डा. अशोक कुमार, अवधेश कुमार सिंह, लाल बाबू लाल, प्रमोद कुमार सिंह, कपिलदेव प्रसाद यादव, ब्रजेश प्रसाद मुनन, राजेश राठौड़, ब्रजेश पाण्डेय, डा. विनोद शर्मा, आईपी गुप्ता, वीके रवि, मिन्नत रहमानी, नागेन्द्र कुमार विकल, संजय यादव, सुदय शर्मा, रामाशंकर पाण्डेय।

माले विधायक ने उठाया बिहार में डॉक्टरों की कम संख्या होने का सवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा में आज प्रश्नोत्तर काल के दौरान सवाल उठाते हुए भाकपा-माले विधायक अजीत कुमार ने कहा कि राज्य में कई जगह डॉक्टरों की संख्या कम रहने से इमरजेंसी सेवा प्रभावित हो रही है। ऐसे में सरकार को इस बारे में विचार करना चाहिए। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री सम्राट चौधरी ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस पर जल्द ध्यान दिया जाएगा। दरअसल, विधायक अजीत कुमार ने कहा कि अलग-अलग अस्पतालों में डॉक्टर की संख्या कम रहने से ओपीडी सेवा प्रभावित होती है या नहीं मैं यह सवाल करना चाहता हूं, लेकिन इसका जवाब मुझे नहीं मिला है जिसके बाद स्वास्थ्य मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जवाब बिल्कुल साफ है, सदस्य इधर-उधर नहीं घुमाएं। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि डुमरा अनुमंडलीय अस्पताल में चिकित्सकों की स्वीकृत पदों की संख्या के 9 पद पर मौजूद हैं जबकि वहां एक हड्डी रोग विशेषज्ञ भी मौजूद हैं। उन्होंने यह सवाल किया है कि यदि किसी का दुर्घटना के दौरान हड्डी टूट जाता है तो उनका इलाज नहीं होता। इस बारे में ध्यान दिया जाए। उसके बाद विधायक ने कहा कि ऑपरेशन के बारे में जवाब देते हुए सरकार की तरफ से कहा गया है कि कभी-कभी होता है, लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि कभी नहीं होता है यहां जो डॉक्टर की ड्यूटी लगी है, वह अस्पताल के बाहर प्राइवेट क्लिनिक चलाते हैं तो क्या उनपर तुरंत यानी यथाशीघ्र एक्शन होगा।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शनिवार 02 मार्च 2024

खेतों से लेकर सड़क तक मुसीबत बने छुट्टा जानवर

आवारा पशुओं की वजह से फसलों और अन्य चीजों की बर्बादी को लेकर पिछले कई सालों से लगातार शिकायतें आती रही हैं। मगर इस बीच छुट्टा जानवरों के हमलों में लोगों की जान जाने की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। खबर के मुताबिक दक्षिण दिल्ली के खानपुर इलाके में अपने बेटे को स्कूल बस के लिए छोड़ने सड़क पर खड़े एक व्यक्ति पर आवारा घूम रहे सांड़ ने हमला कर दिया। उससे उसकी मौत हो गई। दिल्ली में इस तरह की घटना कोई नई नहीं है। मगर अब तक ऐसा कोई प्रभावी कदम नजर नहीं आता, जो ऐसी घटनाओं को रोक सके। लगता है कि इस गहराती समस्या पर काबू पाने के लिए सरकार की ओर से ऐसे उपायों को लेकर गहरी उदासीनता छाई हुई है। नतीजतन, आए दिन सड़क पर छुट्टा घूमते सांड़ या गाय जैसे पशुओं के अचानक किसी को टक्कर मार देने की वजह से लोगों की जान जा रही है। वाहनों से जानवरों के टकराने के कारण भी गंभीर हादसे होते हैं। इसके अलावा, कुत्तों के हमले या काटने से लोगों की जान जाने की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं। विचित्र है कि अगर कोई व्यक्ति सड़क पर गलत जगह वाहन खड़ा कर दे या किसी नियम का उल्लंघन करे तो वाहन उठाने या जुर्माना वसूलने से लेकर संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाती है और संबंधित महकमे सक्रिय रहते हैं। मगर किसी रास्ते से गुजरते हुए कहीं बीच सड़क पर बैठे या आते-जाते पशुओं को आम देखा जा सकता है और उन्हें हटाने वाला कोई नहीं होता। वाहन चालक या अन्य लोग अपने को बचाते हुए किसी तरह वहां से आगे निकलने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग आवारा पशुओं को लेकर भावुक होते हैं, जो एक मानवीय गुण हो सकता है। मगर उससे पशुओं के स्वभाव में आई तब्दीली की जिम्मेदारी कोई नहीं उठाता। सड़क पर लावारिस गायों की देखभाल के लिए गौशालाओं की व्यवस्था एक हल है, लेकिन इसमें सांड़ और कुत्ते आदि आवारा पशुओं से उपजी समस्या बनी रहती है। देश के अलग-अलग इलाकों में सड़कों पर बड़ी तादाद में घूमते पशु यही दर्शाते हैं कि इसे गंभीर समस्या के रूप में चिह्नित करना शायद बाकी है।

कांग्रेस की जीत पर पाक जिंदाबाद के नारे लगना और द्रमुक के विज्ञापन में चीनी झंडा दिखना बड़ी चेतावनी है

(नीरज कुमार दुबे)

कर्नाटक सरकार को चाहिए कि वह पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों को तत्काल गिरफ्तार करे। यदि तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देते हुए नारा लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गयी तो उनका हौसला बढ़ेगा और आने वाले समय में वह और भी गंभीर

हरकत कर सकते हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस उम्मीदवार की जीत पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाना और तमिलनाडु में द्रमुक की ओर से अपने विज्ञापन में चीनी झंडा लगाने की घटना सामने आने से राजनीति तो गर्माई ही है साथ ही देशवासियों का भी गुस्सा उबाल पर है। सवाल उठ रहा है कि इंडिया गठबंधन के दल आखिर पाकिस्तान और चीन के मुरीद क्यों हुए जा रहे हैं? सवाल उठ रहा है कि आखिर कौन थे वह लोग जो भारत की संसद के लिए निर्वाचित व्यक्ति की जीत की खुशी में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे? सवाल उठ रहा है कि ये कौन लोग हैं जो खाते हिंदुस्तान का हैं मगर गाते पाकिस्तान का हैं? सवाल उठता है कि पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने वालों को जब पाकिस्तान चले जाने का सुझाव दिया जाता है तो कुछ राजनीतिक दल उनके बचाव में क्यों खड़े हो जाते हैं? देश की जनता जानना चाहती है कि आखिर कौन थे वो लोग जो पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाकर निकल गये और अब तक गिरफ्तार नहीं किये गये हैं?

देखा जाये तो अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पाना कर्नाटक सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल है। कर्नाटक सरकार को चाहिए कि वह पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों को तत्काल गिरफ्तार करे। यदि तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देते हुए नारा लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गयी तो उनका हौसला बढ़ेगा और आने वाले समय में वह और भी गंभीर हरकत कर सकते हैं। याद रखना चाहिए कि कर्नाटक में पीएफआई जैसी ताकतें सक्रिय रही हैं इसलिए इस मामले को संवेदनशील समझते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान प्रेमियों को तगड़ा संदेश देना चाहिए।

जहां तक द्रमुक की ओर से विज्ञापन में चीनी झंडा लगाने की बात है तो यह सीधे-सीधे देश की संप्रभुता पर हमला है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब द्रमुक की ओर से देश विरोधी बात की गयी हो। हम आपको बता दें कि इससे पहले द्रमुक के एक बड़े नेता ए राजा कह चुके हैं कि हमें अलग देश की मांग करने पर मजबूर नहीं किया जाये। इसके अलावा द्रमुक के एक सांसद संसद के भीतर ही उत्तर भारत पर गंभीर टिप्पणी कर विवाद खड़ा कर चुके हैं।

बहरहाल, यह सब दर्शाता है कि द्रमुक किस विचारधारा को लेकर आगे बढ़ रही है। देखा जाये तो कर्नाटक और तमिलनाडु की घटनाएं देशवासियों के लिए चेतावनी भी हैं कि यदि गलती से भी देश गलत हाथों में गया तो अलगावावादियों की भांति सोच रखने वाले तत्व हावी हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही ही कहा है कि द्रमुक को सजा देने का समय आ गया है।

अधिकतम मतदान के जरिये ही देश की राजनीति को सुधारा जा सकता है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम से तीन माह के लिए विराम लेते हुए लोकतंत्र के महाकुंभ चुनाव में पहली बार वोटर बने युवाओं से रिकार्ड संख्या में मतदान का आग्रह किया। अधिकतम संख्या में मतदान लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण होने के साथ लोकतंत्र के बलशाली होने का आधार हैं और जनता की सक्रिय भागीदारी का सूचक है। इस बार लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या लगभग 97 करोड़ है, इनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। इसीलिये मोदी ने मतदान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान करके एक जागरूक, सक्षम एवं जुझारु राजनेता का परिचय दिया है। अधिकतम मतदान भारतीय लोकतंत्र को अधिक स्वस्थ, सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की एक सार्थक मुहिम है। सभी मतदाताओं को मतदान के प्रति वैसा ही उत्साह दिखाना चाहिए जैसा कुछ समय से महिलाएं दिखा रही हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से यह भी अपील की कि वे राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनें और राजनीतिक-चर्चाओं को लेकर जागरूक भी रहें। विशेषत : विभिन्न राजनीतिक दलों की लोकलुभावन घोषणाओं एवं चुनावी घोषणा पत्रों पर युवाओं को गहराई से जानकारी हासिल करना चाहिए कि इन घोषणाओं का आधार क्या है, इनके लिये धन कहां से आयेगा? चुनावी तैयारियों का जायजा लेने चेन्नई गए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने इसी बात को उठाते हुए कहा है कि यदि राजनीतिक दलों को अपने घोषणापत्रों में लोकलुभावन वादे करने का अधिकार है तो मतदाताओं को यह जानने का हक भी है कि क्या वे वादे व्यावहारिक हैं और उन्हें लागू करने के लिए धन का प्रबंध कहां से किया जाएगा।

(ललित गर्ग)

अधिकतम वोटिंग का वास्तविक उद्देश्य है, जन-जन में लोकतंत्र के प्रति आस्था पैदा करना, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी निश्चित करना, वोट देने के लिए प्रेरित करना। एक जनक्रांति के रूप 'भारतीय मतदाता संगठन' इस मुहिम के लिये सक्रिय हुआ है, यह शुभ संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम से तीन माह के लिए विराम लेते हुए लोकतंत्र के महाकुंभ चुनाव में पहली बार वोटर बने युवाओं से रिकार्ड संख्या में मतदान का आग्रह किया। अधिकतम संख्या में मतदान लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण होने के साथ लोकतंत्र के बलशाली होने का आधार हैं और जनता की सक्रिय भागीदारी का सूचक है। इस बार लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या लगभग 97 करोड़ है, इनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। इसीलिये मोदी ने मतदान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान करके एक जागरूक, सक्षम एवं जुझारु राजनेता का परिचय दिया है। अधिकतम मतदान भारतीय लोकतंत्र को अधिक स्वस्थ, सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की एक सार्थक मुहिम है। सभी मतदाताओं को मतदान के प्रति वैसा ही उत्साह दिखाना चाहिए जैसा कुछ समय से महिलाएं दिखा रही हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से यह भी अपील की कि वे राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनें और राजनीतिक-चर्चाओं को लेकर जागरूक भी रहें। विशेषतः विभिन्न राजनीतिक दलों की लोकलुभावन घोषणाओं एवं चुनावी घोषणा पत्रों पर युवाओं को गहराई से जानकारी हासिल करना चाहिए कि इन घोषणाओं का आधार क्या है, इनके लिये धन कहां से आयेगा? चुनावी तैयारियों का जायजा लेने चेन्नई गए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने इसी बात को उठाते हुए कहा है कि यदि राजनीतिक दलों को अपने घोषणापत्रों में लोकलुभावन वादे करने का अधिकार है तो मतदाताओं को यह जानने का हक भी है कि क्या वे वादे व्यावहारिक हैं और उन्हें लागू करने के लिए धन का प्रबंध कहां से किया जाएगा।

अगले माह लोकसभा चुनाव की संभावित घोषणा और उसके चलते आचार संहिता लागू हो जायेगी। अधिकतम मतदान लोकतंत्र में जन-भागीदारी का अवसर मात्र ही नहीं हैं, बल्कि देश की दशा-दिशा तय करने में आम आदमी के योगदान का भी परिचायक है। अधिकतम मतदान के लिए माहौल बनाने की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि देश के कुछ हिस्सों में मतदान प्रतिशत अपेक्षा से कहीं कम होता है। विडंबना यह है कि आमतौर पर कम प्रतिशत महानगरों में अधिक देखने को मिलता है। इसका कोई मतलब नहीं कि सरकारों अथवा राजनीतिक दलों के तौर-तरीकों की आलोचना तो बढ़-चढ़कर की जाए, लेकिन मतदान करने में उदासीनता दिखाई जाए। आमतौर पर मतदान न करने के पीछे यह तर्क अधिक सुनने को मिलता है कि मेरे अकेले के मत से क्या फर्क पड़ता है? एक तो यह तर्क सही नहीं, क्योंकि कई बार दो-चार मतों से भी हार-जीत होती है और

दूसरे, अगर सभी यह सोचने लगें तो फिर लोकतंत्र कैसे सबल एवं सक्षम होगा? इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी का अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन देने का उपक्रम एवं आह्वान एक क्रांतिकारी शुरुआत कही जा सकती है। इसका स्वागत हम इस सोच और संकल्प के साथ करें कि हमें अपने मतदान से आगामी आम चुनाव में भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण एवं राजनीतिक विसंगतियों पर नियंत्रण करना है।

अधिकतम मतदान के संकल्प से हमें मतदान का औसत प्रतिशत 55 से 90-95 प्रतिशत तक ले जाना चाहिए, ताकि इस लक्ष्य को हासिल करके हम भारतीय राजनीति की तस्वीर को नया रुख दे सके। मतदान करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और कर्तव्य भी है, लेकिन विडम्बना है हमारे देश की कि आजादी के 77 वर्षों बाद भी नागरिक लोकतंत्र की मजबूती के लिये निष्क्रिय है। ऐसा लगता है जमीन आजाद हुई है, जमीर तो आज भी कहीं, किसी के पास गिरवी रखा हुआ है। अधिकतम मतदान की दृष्टि से नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए एक अलख जगाई थी। अनिवार्य वोट के लिये कानून लागू करना ही होगा और इस पहल के लिये सभी दलों को बाध्य होना ही होगा, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र में यह नई जान फूंक सकती है। अब तक दुनिया के 32 देशों में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था है लेकिन यही व्यवस्था अगर भारत में लागू हो गई तो उसकी बात ही कुछ और होगी और वह दुनिया के लिये अनुकरणीय साबित होगी। यदि ऐसा हुआ तो अमेरिका और ब्रिटेन जैसे पुराने और सशक्त लोकतंत्रों को भी भारत का अनुसरण करना पड़ सकता है, हालांकि भारत और उनकी परिस्थितियां एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत है। भारत में अमीर लोग वोट नहीं डालते और इन देशों में गरीब लोग वोट नहीं डालते।

भारत इस तथ्य पर गर्व कर सकता है कि जितने मतदाता भारत में हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं और लगभग हर साल भारत में कोई न कोई ऐसा चुनाव अवश्य होता है, जिसमें करोड़ों लोग वोट डालते हैं लेकिन अगर हम थोड़ा गहरे उतरें तो हमें बड़ी निराशा भी हो सकती है, क्या हमें यह तथ्य पता है कि पिछले 77 साल में हमारे यहां एक भी सरकार ऐसी नहीं बनी, जिसे कभी 50 प्रतिशत वोट मिले हों। कुल वोटों के 50 प्रतिशत नहीं, जितने वोट पड़े, उनका भी 50 प्रतिशत नहीं। गणित की दृष्टि से देखें तो 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में सिर्फ 20-25 करोड़ लोगों के समर्थन वाली सरकार क्या वास्तव में लोकतांत्रिक सरकार है? क्या वह वैध सरकार है? क्या वह बहुमत का प्रतिनिधित्व करती है? आज तक हम ऐसी सरकारों के आधीन ही रहे हैं, इसी के कारण लोकतंत्र में विषमताएं एवं विसंगतियों का बाहुल्य रहा है, लोकतंत्र के नाम पर यह छलावा हमारे साथ होता रहा है। इसके जिम्मेदार जितने राजनीति दल है उतने ही हम भी है। यह एक त्रासदी ही है कि हम वोट महोत्सव को कमतर आंकते रहे हैं। जबकि आज यह बताने और जताने की जरूरत है कि इस भारत के मालिक आप और हम सभी हैं और हम जागे हुए हैं। हम सो नहीं रहे हैं। हम धोखा नहीं खा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील करते हुए यह सही कहा कि अधिक से अधिक मतदान का मतलब एक मजबूत लोकतंत्र है और मजबूत लोकतंत्र से ही विकसित भारत बनेगा, लेकिन अब ऐसी व्यवस्था एवं तकनीक विकसित करने का भी समय आ गया है जिससे अपने गांव-शहर से दूर रहने वाले वहां जाए बगैर मतदान कर सकें। ध्यान रहे कि ऐसे लोगों की संख्या करोड़ों में है। रोजी-रोटी के लिए अपने गांव-शहर से दूर जाकर जीवनयापन करने वाले सब लोगों के लिए यह संभव नहीं कि वे मतदान करने अपने घर-गांव लौट सकें। यदि सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों के साथ-साथ चुनाव ड्यूटी में शामिल लोगों के लिए वोट देने की व्यवस्था हो सकती है तो अन्य लोगों के लिए क्यों नहीं हो सकती? इस बार ऐसी किसी व्यवस्था के निर्माण के लिए निर्वाचन आयोग के साथ सरकार का भी सक्रिय होना समय की मांग है। इसी से हम अधिकतम मतदान के लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे।

अधिकतम वोटिंग का वास्तविक उद्देश्य है, जन-जन में लोकतंत्र के प्रति आस्था पैदा करना, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी निश्चित करना, वोट देने के लिए प्रेरित करना। एक जनक्रांति के रूप 'भारतीय मतदाता संगठन' इस मुहिम के लिये सक्रिय हुआ है, यह शुभ संकेत है। इस तरह के जन-आन्दोलन के साथ-साथ भारतीय संविधान में अनिवार्य मतदान के लिये कानूनी प्रावधान बनाये जाने की तीव्र अपेक्षा है। बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, ग्रीस, बोलिनिया और इटली जैसे देशों की भांति हमारे कानून में भी मतदान न करने वालों के लिये मामूली जुर्माना निश्चित होना चाहिए। यदि भारत में मतदान अनिवार्य हो जाए तो चुनावी भ्रष्टाचार बहुत घट जाएगा। यह भी देखा गया है कि चुनावों में येन-केन-प्रकारेण जीतने के लिये ये ही राजनीतिक दल और उम्मीदवार मतदान को बाधित भी करते हैं और उससे भी मतदान का प्रतिशत घटता है। अधिकतम मतदान से इस तरह के भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी, लोगों में जागरूकता बढ़ेगी, वोट-बैंक की राजनीति थोड़ी पतली पड़ेगी। जिस दिन भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नागरिक वोट डालने लगेंगे, राजनीतिक जागरूकता इतनी बढ़ जाएगी कि राजनीति को सेवा की बजाय सुखों की सेज मानने वाले किसी तरह का दुस्साहस नहीं कर पायेंगे। राजनीति को सेवा या मिशन के रूप में लेने वाले ही जन-स्वीकार्य होंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

इसरो की उपलब्धियों को किया चीन के नाम ! डीएमके की मंत्री की यह चूक है या चालाकी ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार और उनकी पार्टी बीजेपी के विरोधी अक्सर कहते हैं- मोदी विरोध, देश विरोध नहीं है। लेकिन ऐसे सबूतों की ढेर लग गई है कि दरअसल मोदी विरोधी, बहुत हद तक देश विरोधी भी हो गए हैं। हैरानी की बात यह है कि लगातार आपत्तियों के बावजूद मोदी विरोध की आड़ में देश विरोध का एजेंडा आगे बढ़ रहा है। इसमें ज्यादातर विपक्षी दल शामिल हैं। सोचिए, मोदी विरोध का स्तर इतना गिर गया है कि भारत की उपलब्धि का श्रेय चीन को दिया जाने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुलेशखरपट्टीनम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (ढ्ढस्त्रह्र) के नए लॉन्च कॉम्प्लेक्स की नींव रखी। यह देश के लिए कितने गौरव की बात है, लेकिन तमिलनाडु की मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय चीन को दे दिया।

(नवीन कुमार पाण्डेय)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार और उनकी पार्टी बीजेपी के विरोधी अक्सर कहते हैं- मोदी विरोध, देश विरोध नहीं है। लेकिन ऐसे सबूतों की ढेर लग गई है कि दरअसल मोदी विरोधी, बहुत हद तक देश विरोधी भी हो गए हैं। हैरानी की बात यह है कि लगातार आपत्तियों के बावजूद मोदी विरोध की आड़ में देश विरोध का एजेंडा आगे बढ़ रहा है। इसमें ज्यादातर विपक्षी दल शामिल हैं। सोचिए, मोदी विरोध का स्तर इतना गिर गया है कि भारत की उपलब्धि का श्रेय चीन को दिया जाने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुलेशखरपट्टीनम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (ढ्ढस्त्रह्र) के नए लॉन्च कॉम्प्लेक्स की नींव रखी। यह देश के लिए कितने गौरव की बात है, लेकिन तमिलनाडु की मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय चीन को दे दिया। तमिलनाडु में उसी पार्टी की सरकार है जिसने द्रविड़ियन पॉलिटिक्स के नाम पर समाज में खूब जहर घोला और एक खास तबके के प्रति नफरत की मोटी दीवार खड़ी कर दी। एमके स्टालिन सरकार के मुखिया हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुनेलवेली की रैली में डीएमके की मंत्री की इस हरकत पर जबर्दस्त आक्रोश जाहिर किया। उन्होंने कहा तमिलनाडु सरकार पर दो आरोप मढ़े। पीएम ने कहा कि एक तो स्टालिन सरकार खुद कोई खास काम नहीं करती और दूसरे के किए काम का श्रये लेने में जुट जाती है। पीएम ने दूसरा आरोप मढ़ा कि डीएमके सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं पर अपना स्टीकर चिपकाते-चिपकाते अब इसरो की उपलब्धियां दिखाने के लिए चीन का स्टिकर लगा दिया। पीएम बोले, 'डीएमके सरकार भारत की तरक्की बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। वह इसरो लॉन्च पैड का क्रेडिट लेने के लिए अखबार के एड में भी चीन का स्टिकर चिपका रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि डीएमके को अंतरिक्ष अभियानों में भारत की कामयाबी पच नहीं पा रही है।

डीएमके सरकार की पशुपालन मंत्री ने अपने विज्ञापन में चीन का झंडा लगाया तो बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष

अन्नामलाई ने भी जबर्दस्त रोष प्रकट किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर चीन के झंडे वाले उस विज्ञापन की तस्वीर दिखाकर कहा कि इसी रवैये ने इसरो को तमिलनाडु से दूर कर दिया। उन्होंने लिखा, 'द्रमुक मंत्री तिरु अनिता राधाकृष्णन ने आज प्रमुख तमिल दैनिकों को यह विज्ञापन दिया जिसमें चीन के प्रति द्रमुक की प्रतिबद्धता और हमारे देश की संप्रभुता के प्रति उनकी पूर्ण उपेक्षा साफ झलकती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली पार्टी डीएमके, कुलशेखरपट्टिनम में इसरो के दूसरे लॉन्च पैड की घोषणा के बाद से स्टिकर चिपकाने के लिए बेताब है।'

अन्नामलाई ने आगे बताया कि कैसे डीएमके ने अतीत में भी कई गलत काम किए। उन्होंने लिखा, 'इतनी भारी हताशा से साबित होता है कि वो अपने अतीत के कुकर्मों को दफनाने की किस शिद्दत से कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हमें उन्हें याद दिलाना चाहिए कि डीएमके ही थी जिसके कारण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र आज आंध्र प्रदेश में है, न कि तमिलनाडु में। जब इसरो के पहले लॉन्च पैड की परिकल्पना की गई थी तो तमिलनाडु इसरो की पहली पसंद थी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री तिरु अन्नादुरई, जो कंधे में गंभीर दर्द के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके, ने बैठक के लिए अपने एक मंत्री मथियाझागन को नियुक्त किया।' उन्होंने आगे बताया, 'इसरो के अधिकारियों को काफी देर तक इंतजार कराया गया और आखिरकार मथियाझागन को 'नशे की हालत' में बैठक में लाया गया और पूरी बैठक के दौरान वह नशे में रहे। हमारे देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ 60 साल पहले यही हुआ था। द्रमुक में ज्यादा बदलाव नहीं आया है और उसकी हालत और खराब हो गई है!'

विरोध हुआ तो डीएमके की तरफ से बताया जाने लगा कि यह एक मानवीय चूक है। संभव है, यह चूक ही हो, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि जान-बूझकर किया गया हो। आखिरकार चुनावों में अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए राजनीतिक दल हिंसा तक करवाने से नहीं हिचकते, फिर यह तो एक तस्वीर की बात है। ये वही डीएमके है जिसके प्रमुख नेता और तमिलनाडु सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालीन ने सनातन के खिलाफ खुलेआम जहर उगला और वो लगातार ऐसा कर रहे हैं। सोचिए, उदयनिधि खुद सरकार में शामिल हैं और मंत्री हैं। डीएमके नेताओं और मंत्रियों की हरकतों से आशंका होती है कि कोई बड़ी बात नहीं कि इसरो की उपलब्धियों के बखान में चीन का झंडा जान-बूझकर लगाया गया हो। आखिर लोकसभा चुनाव नजदीक आ रही हैं।

वैसे भी विपक्ष में मोदी को नकारते-नकारते देश को नकारने की फितरत जोर पकड़ रही है या कहें कि मोदी सरकार की उपलब्धियों को छोटा करने के चक्कर में देश को बौना साबित करने की घृणित हरकत की जाती है। अन्नामलाई के नेतृत्व में हो रही बीजेपी के कार्यक्रमों में तमिलनाडु की जनता की भारी भीड़ जुटती दिख रही है। स्वाभाविक है कि सत्ताधारी डीएमके बीजेपी के कार्यक्रमों में जुटते जनसैलाब से चिंतित हो। जिस दल को देश की बहुसंख्यक आबादी के खिलाफ जहर उगलने में हिचक नहीं होती, उसके लिए इसरो की उपलब्धियों को अपने वैचारिक आका चीन के नाम कर देना कौन सी बड़ी बात होगी? यह मान भी लिया जाए कि विज्ञापन में चीन का झंडा लगाना गलती थी तो क्या डीएमके या सरकार के मुखिया स्टालीन ने इसे गंभीरता से लिया? ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के दुष्प्रभावों को कम करता है शनि का रत्न नीलम

शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या अगर आपके ऊपर चल रही है, तो जन्मकुंडली में सर्वप्रथम शनि की स्थिति देखें, अगर शनि कारक की भूमिका में है, तो शनि का रत्न धारण करने से चमत्कारिक लाभ साढ़ेसाती में दिखाई पड़ेगा। शनिवार के दिन शुद्ध दोष रहित नीलम लेकर चांदी अथवा सोने की अंगूठी में (जन्म कुण्डली के अनुसार) जड़वाकर प्राण-प्रतिष्ठा और मंत्रों द्वारा चैतन्य (जागृत) कर शुभ मुहूर्त में धारण करना विशेष प्रभावशाली रहता है। आइए जानते हैं नीलम को कब और कैसे धारण करना चाहिए।

नीलम शनि की साढ़ेसाती का दुष्प्रभाव दूर करता है। अनुकूल होने पर धन-धान्य, सुख-सम्पत्ति, यश, आयु, बुद्धि, बल तथा वंश की वृद्धि करके चेहरे को अलौकिक आभा से युक्त एवं नेत्र ज्योति को बढ़ाता है। कहा जाता है, नीलम खोई हुई संपत्ति को वापस दिलाता है। ट्रांसपोर्ट, जमीन-जायदाद, ठेकेदारी, कारखाने, व्यापारी आदि को यह विशेष तरक्की दिलवाता है तथा नौकरी में पदोन्नति कराता है। नीलम के बारे में यह कहावत सर्वविदित है कि नीलम यदि सूट करता है तो यह रंक को भी रातों-रात राजा बनाने की क्षमता रखता है, समाज में इसके बहुधा उदाहरण हैं, कि जिन व्यक्तियों को नीलम पूर्ण रास आ गया उनकी किस्मत बहुत कम समय में मुकद्दर का सिकन्दर बनी है तथा जिनको मध्यम रास आया है उनको भी फायदा ही पहुंचा है।

नीलम दिन-दूनी रात-चौगुनी उन्नति करवाता है। शनिदेव का प्रिय रत्न नीलम यदि अनुकूल बैठ जाए तो सुख-समृद्धि एवं सफलता के द्वार खोल देता है। असली दोष रहित नीलम के अभाव में नीलम के स्थान पर उसका उपरत्न जमुनिया या नीली धारण किया जा सकता है, हालांकि इनका प्रभाव नीलम से बहुत कम होता है लेकिन होता अवश्य है। जो लोग नीलम अथवा उसका उपरत्न धारण करने में असमर्थ हों, तो वे काले घोड़े की नाल का छल्ला भी धारण कर सकते हैं। काले घोड़े की नाल का छल्ला लोहे का होता है, लोहा शनि की धातु है तथा घोड़ा श्रम का प्रतीक है।

काले घोड़े की नाल का छल्ला शनिवार के दिन धारण करने से जीवन में आ रही शनि सम्बन्धित बाधाओं से मुक्ति मिलती है। नीलम अथवा नीलम का उपरत?न अथवा काले घोड़े की नाल का छल्ला धारण करने के उपरान्त किसी भी गरीब व्यक्ति को शनिवार के दिन भोजन अवश्य कराना चाहिए। नीलम रत्न शनि ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। नीलम रत्न सूट करने पर शनि से संबंधित समस्त दोष शांत हो जाते हैं। अगर कुण्डली में शनि अकारक न हो तो मकर तथा कुंभ राशि वालों को नीलम पहनना अति शुभकारी होता है।

नीलम के विषय में कहा जाता है कि यह रत्न शीघ्रता से अपना प्रभाव दिखाता है। नीलम का प्रभाव शुभ तथा अशुभ दोनों प्रकार का हो सकता है। नीलम का शुभ या अशुभ प्रभाव जानने के लिए नीलम को दाएं हाथ में नीले कपड़े की सहायता से बांध लेना चाहिए अथवा रात में सोते समय अपने तकिए के नीचे रख लेना चाहिए, इससे यदि आपको कुछ नुकसान न हो तथा शुभ स्वप्न आये या शुभ समाचार मिले तो नीलम पहनना शुभ है और यदि परिस्थितियां समान रहें तथा कुछ भी महसूस न हो तो भी नीलम पहनना शुभ है, परन्तु इसके ठीक विपरीत यदि अमुक व्यक्ति के जीवन में कोई अशुभ घटना घटे, रात में कोई बुरा स्वप्न आए अथवा आंखों में पीड़ा हो तो नीलम नहीं धारण करना चाहिए।

आपके फैसलों को कैसे प्रभावित करते हैं ग्रह?

क्यों हाथ लगती है असफलता

ग्रहों का हमारे जीवन पर अच्छा और बुरा दोनों ही तरह का असर पड़ता है। खासकर जब हम कोई फैसला लेते हैं, तो हमारे ग्रहों प्रभाव भी उसके साथ जुड़ा होता है। आइए, जानते हैं आपकी सफलता से ग्रह कैसे जुड़े हैं।

ज्योतिष शास्त्र प्रत्येक व्यक्ति को सही फैसला लेने के लिए राह दिखाता है कि ग्रहों के मार्गदर्शन के अनुसार कब क्या करना है, अच्छे समय में कड़ी मेहनत और अशुभ समय में सावधानी, ज्योतिष शास्त्र का मूल मंत्र है। देखा जाए, तो सफलता की चाहत तो हर एक व्यक्ति को होती है और इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी बुद्धि एवं क्षमता अनुसार श्रम व पुरूषार्थ भी करता है लेकिन सफलता किसी-किसी को ही हासिल होती है, क्योंकि जिन्दगी की राह में कोई भी कार्य करते समय अनेक अड़चनें आना शुरू हो जाती हैं। किसी भी कार्य का प्रारम्भ करते समय अनेक प्रकार की शंकाए व्यक्ति को घेर लेती हैं। शंका सफलता की राह में अवरोधक है, जिसके कारण व्यक्ति आगे नहीं बढ़ पाता।

ग्रहों का प्रभाव कैसे पड़ता है

शंका कई बार ऐसी स्थिति पैदा कर देती है, जिसमें व्यक्ति फैसला लेने में अपने आप असमर्थ हो जाता है। सफल व्यक्तियों का मूल मंत्र है, सही समय पर लिए गए सही फैसले और उन पर समय अनुसार अमल कर कामयाबी हासिल करना। मानव का नियंत्रण स्थिति पर नहीं होता बल्कि फैसले पर होता है और ये सब व्यक्ति की सोच पर निर्भर करता है कि किसी भी परेशानी, दु:ख या संकट को व्यक्ति कैसे लेता है। कुछ लोग संकट आने पर निराश व हताश होकर संकट के आगे नतमस्तक हो जाते हैं, वहीं कुछ लोग ईश्वर की शरण में जाकर विद्वानों के सानिध्य में पूजा-पाठ, ग्रहों के उपाय आदि कर संकट का निवारण करते हैं। अनिष्ट ग्रह, संकट से भरी परिस्थितियां उत्पन्न करते हैं और ग्रहों का उपाय एवं ग्रह शांति से अनिष्ट ग्रहों के साथ उन विपरीत परिस्थितियों का दमन किया जा सकता है। ग्रह का प्रभाव व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर सर्वप्रथम पड़ता है। हर कार्य की शुरूआत एक सोच से होती है, दिमाग में पहले विचार आते हैं, उसके पश्चात् ही फैसले लिए जाते हैं। दिमाग में हर रोज हजारों विचार व शंकाएं जन्म लेती हैं। आखिर किस विचार को अहमियत दी जाए, किस शंका का समाधान पहले किया जाए, यह उलझन दिमाग में रहती है, इसमें मदद मिलती है भावनाओं से। भावनाएं दो प्रकार की होती हैं, सकारात्मक भावना और नकारात्मक भावना।

आपकी मेहनत और ग्रहों के बीच सम्बध

बड़े-बुजुर्गों का मानना है कि जिन विचारों के साथ सकारात्मक भावनाएं जुड़ी हों, उन्हीं विचारों पर फैसला लेना चाहिए क्योंकि जीवन का सबसे बड़ा रचनात्मक कार्य है, फैसलों को हकीकत में बदलना। ज्यादातर लोग विफलता से घबरा जाते हैं, उन्हें यह नहीं पता कि सफलता और विफलता एक-दूसरे के शत्रु नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। एक-दूसरे के बिना इनका अस्तित्व है ही नहीं। आशावाद, सकारात्मक नजरिया और लगातार कोशिशों के बल पर करियर, नौकरी या किसी भी क्षेत्र में व्यक्ति अपनी किस्मत चमका सकता है, बशर्ते उसने सकारात्मक सोच के साथ सही समय पर सही फैसला लिया हो। इसलिए कहा जाता है, लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालो की कभी हार नहीं होती।

असफलता का सबसे बड़ा कारण

लक्ष्य को पूरा करने के लिए या मंजिल तक पहुंचने के लिए समय-समय पर फैसलों की जरूरत पड़ती है और फैसले लेने के लिए जरूरत होती है आत्मविश्वास तथा सकारात्मक सोच की। फैसला करने में सबसे बड़ी दुविधा यह रहती है कि कहीं किया हुआ फैसला गलत न हो जाए। कामयाबी का पहला कदम है, सही फैसला। अपनी जिन्दगी के फैसले समय अनुसार सही लेते रहें वरना कुदरत आपकी जिन्दगी के फैसले स्वयं कर देती है। सही निर्णय जहां सफलता प्रदान करता है, वहीं गलत निर्णय ही असफलता का कारण बनता है।

मंगलवार के दिन मंगलदेव को प्रसन्न करने के लिए करें मंगल का ये दान

जिन जातकों की कुंडली में मंगल दोष है उन्हें शास्त्रों में वर्णित कुछ वस्तुओं का दान करने से तात्कालिक शांति प्राप्त होती है। यह दान आप मंगलदेव के मंदिर में करते हैं तो और ज्यादा प्रभावी होता है। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर में स्थित मंगलदेव के मंदिर में मंगल का दान करने के साथ ही यदि आप मंगल पूजा और अभिषेक कराते हैं तो हमेशा के लिए मंगल दोष से मुक्ति मिल जाएगी।

मंगल देव को अर्पित करें तीन चीजें

लाल मसूर की दाल, मिश्री और गुड़। मंगलदेव को ये तीन चीजें अर्पित कर दी तो जीवन में सफलता मिलेगी और सभी दुग्ख दूर हो जाएंगे।

मंगल का दान

जिन लोगों की कुंडली मांगलिक होती है उन्हें प्रति मंगलवार मंगलदेव के निमित्त विशेष पूजन करना चाहिए। मंगलदेव को प्रसन्न करने के लिए उनकी प्रिय वस्तुओं जैसे लाल कपड़े का दान करना चाहिए। इसके अलावा योग्य व्यक्ति को गेहूं, गुड़, माचिस, ताम्बा, स्वर्ण, दुधारू गौ, रक्त चंदन, रक्त पुष्प, मिष्ठान्न एवं द्रव्य तथा भूमि दान करने से मंगल दोष दूर होता है।

मंगलवार को ये कार्य करें

- इस दिन लाल चंदन या चमेली के तेल में मिश्रित सिन्दूर लगाएं।
- मंगलवार ब्रह्मचर्य का दिन है। यह दिन शक्ति एकत्रित करने का दिन है।
- दक्षिण, पूर्व, आग्नेय दिशा में यात्रा कर सकते हैं।
- शस्त्र अभ्यास, शौर्य के कार्य, विवाह कार्य या मुकदमे का आरंभ करने के लिए यह उचित दिन है।
- बिजली, अग्नि या धातुओं से संबंधित वस्तुओं का क्रय-विक्रय कर सकते हैं।
- मंगलवार को ऋण चुकता करने का अच्छा दिन माना गया है। इस दिन ऋण चुकता करने से फिर कभी ऋण लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

मंगलवार को ये कार्य न करें

- मंगलवार को नमक और घी नहीं खाना चाहिए। इससे स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और हर कार्य में बाधा आती है।
- पश्चिम, वायव्य और उत्तर दिशा में इस दिन यात्रा वर्जित।
- मंगलवार को मांस खाना सबसे खराब होता है, इससे अच्छे-भले जीवन में तूफान आ सकता है।
- मंगलवार को किसी को ऋण नहीं देना चाहिए वर्ना दिया गया ऋण आसानी से मिलने वाला नहीं है।
- इस दिन भाइयों से झगड़ा नहीं करना चाहिए। हालांकि किसी भी दिन नहीं करना चाहिए।

यदि आपकी कुंडली में मंगल पहले, चौथे, सातवें, आठवें और बारहवें भाव में स्थित है तो आपको मंगल दोष की शांति के लिए एक बार अमलनेर में स्थित मंगलदेव के प्राचीन और जागृत मंदिर में जरूर जाना चाहिए। वहां आप मंगल दोष की शांति कराते हैं तो आपका वैवाहिक जीवन सुखमय व्यतीत होगा और जीवन में आप हर क्षेत्र में उन्नति करेंगे।

चंद्र देव की आराधना के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है फाल्गुन मास

धार्मिक शास्त्रों में फाल्गुन मास का बहुत महत्व माना गया है। इस बार फाल्गुन महीने का शुभारंभ हो गया है। यह माह कई धार्मिक व्रत त्योहार लेकर आ रहा है। चंद्र देव की आराधना के लिए फाल्गुन मास सबसे उपयुक्त समय होता है, क्योंकि यह चंद्रमा का जन्म माह माना जाता है। फाल्गुन मास हिन्दू पंचांग का अंतिम महीना है। इस माह से धीरे-धीरे गर्मी के दिन शुरू होने लगते हैं तथा ठंड कम होने लगती है।

फाल्गुन माह में भगवान श्री कृष्ण की आराधना का भी विशेष महत्व है, इस माह में विशेषकर भगवान श्री कृष्ण के तीन स्वरूपों की पूजा करना बहुत ही लाभदायी माना जाता है। इसमें बाल कृष्ण के स्वरूप, युवारूप कृष्ण और गुरु कृष्ण की पूजा की जा सकती है। बाल कृष्ण को संतान पाने के लिए, युवा कृष्ण को दांपत्य जीवन मधुर बनाने के लिए और गुरु कृष्ण का पूजन मोक्ष और वैराग्य पाने के लिए कृष्ण जी का पूजन करनी चाहिए।

विशेषताएं

- हिन्दू धर्म के अनुसार अनेक देवताओं में से एक हैं चंद्र देवता। चंद्र के देवता भगवान शिव है और शिव जी ने चंद्रमा को अपने सिर पर धारण कर रखा है।
- चंद्रमा का जन्म फाल्गुन में मास में होने के कारण इस महीने चंद्रमा की उपासना करने का विशेष महत्व है।
- फाल्गुन में पूरे महीने भर में चंद्र देव, भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण की उपासना करना विशेष फलदायी मानी गई है।
- इस माह की पूर्णिमा को फाल्गुनी नक्षत्र में आने के कारण ही इस माह का नाम फाल्गुन पड़ा है।
- फाल्गुल मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को श्री गणेश मंदिर में जाकर श्री गणेश की मूर्ति का विधिवत पूजन कर तिल से बने पदार्थों को भोग लगाने की मान्यता है तथा तिल से हवन करने के बाद व्रत पारण का बहुत महत्व है।
- फाल्गुल महीने में अपने खान-पान और जीवनचर्या में बदलाव करना बहुत ही खास माना गया हैं, क्योंकि इस माह भोजन में अनाज का प्रयोग कम करके मौसमी फलों का सेवन अधिक करने की मान्यता है।
- फाल्गुन मास को आनंद और उल्लास का महीना भी कहा जाता है।
- इस माह में संतान पाने की चाह रखने वालों को बाल कृष्ण की पूजा करनी चाहिए।

हर घर में सत्यनारायण की कथा का आयोजन होता है। आखिर यह सत्यनारायण की कथा क्या है और क्या है इसका रहस्य।

सत्यनारायण की कथा के रहस्य

- भगवान विष्णु के सत्य स्वरूप की कथा ही सत्यनारायण व्रत कथा है।
- सत्यनारायण व्रत कथा स्कन्दपुराण के रेवाखण्ड से संकलित की गई है।
- सत्यनारायण व्रत कथा के दो भाग हैं- व्रत-पूजा तथा कथा का श्रवण या पाठ।
- इस कथा के दो प्रमुख विषय हैं- संकल्प को भूलना और प्रसाद का अपमान करना।
- यह कथा अक्सर पूर्णिमा के दिन, बृहस्पतिवार या किसी पर्व विशेष के दिन परिवार में आयोजित की जाती है।
- सत्य को नारायण के रूप में पूजना और नारायण को ही सत्य मानना यही सत्यनारायण है। सत्य में ही सारा जगत समाया हुआ है बाकी सब माया है।
- सत्यनारायण कथा के अलग-अलग अध्यायों में छोटी कहानियों के माध्यम से बताया गया है कि सत्य का पालन न करने पर किस प्रकार की समस्या आती है और किस प्रकार प्रभु नाराज होकर दंड देते हैं या प्रसन्न होकर पुरस्कार देते हैं यह इस कथा का केंद्र बिंदू है।
- सत्यनारायण भगवान की पूजा में खासकर केले के पत्ते, नारियल, पंचफल, पंचामृत, पंचगव्य, सुपारी, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, तुलसी की आवश्यकता होती। इन्हें प्रसाद के रूप में फल, मिष्ठान और पंजरी अर्पित की जाती है।
- विधिवत रूप से व्रत रखने और कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन के सभी तरह के संकट दूर हो जाते हैं।
- इस कथा का तिरस्कार करने या मजाक उड़ाने से व्यक्ति के जीवन में संकटों की शुरुआत हो जाती है।

बुरे समय में दान-पुण्य और राम का नाम ही काम आता है

धर्मशास्त्र में बताया गया है कि व्यक्ति को अपनी कमाई में से कुछ न कुछ भाग धार्मिक कार्यों में जरुर खर्च करना चाहिए। धार्मिक कार्यों में खर्च किया गया धन व्यक्ति के बुरे समय में बहुत काम आता है। धर्म कर्म के कार्य करने से व्यक्ति को अचानक से ऐसी उपलब्धि हासिल हो जाती है जिसके बारे में न तो उसने कभी सोचा होता है।

धर्मशास्त्र अनुसार हर व्यक्ति को अपनी कमाई का कुछ न कुछ भाग धार्मिक कार्यों, मानव सेवा, सार्वजनिक कार्यों अथवा गरीब याचकों की सहायता के रूप में अवश्य खर्च करना चाहिए। कहते हैं मानव के आड़े वक्त (बुरे समय में) में उसका यह किया गया दान-पुण्य ही काम आता है। कभी-कभी दुर्घटना से भी आदमी बच जाता है तो घर की गृहणियां कहती हैं कि न जाने कौन-सा पुण्य कर्म किया जो दुर्घटना से बच गए। भगवान राम का नाम स्वयं लिखना और दूसरों से लिखने के लिए प्रेरित करने वाले की प्रभु चोट-चपेट, दुर्घटना आदि से रक्षा करते है। संकट क्या होता है, यह सच्चे राम भक्त जानते ही नहीं! ऐसा भी देखा गया है कि कभी-कभी व्यक्ति को अचानक से ऐसी उपलब्धि हासिल हो जाती है जिसके बारे में न तो उसने कभी सोचा होता है और न ही वह उसके काबिल होता है। उससे भी ज्यादा योग्य व्यक्ति उस उपलब्धि अथवा पुरस्कार से वंचित रह जाते हैं। उसको यह उपलब्धि राम नाम के पुण्य प्रताप से ही प्राप्त होती है।

राम नाम से दूर होती है अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा

राम नाम का जप करने से और लाल रंग की स्याही से श्रीराम का नाम लिखने से हनुमान जी प्रसन्न होते है जिससे शनि, राहु, केतु, अशुभ ग्रहों के असहनीय प्रकोपो से राहत मिलती है। श्री राम का नाम लेने अथवा लिखने मे इतनी शक्ति होती है कि मुश्किल से मुश्किल लगने वाले काम सरलतापूर्वक सम्पन्न हो जाते है। आनन्द रामायणम् के अनुसार राम नाम जप की अपेक्षा सौ गुना अधिक पुण्य राम नाम लिखने मे है। राम नाम लाल रंग की स्याही से लिखने से मन एकाग्र होता है तथा स्मरण शक्ति की वृद्धि होती है। संसार में 'राम' नाम से बढ़कर कुछ भी नहीं है, 'रा' उच्चारण करने से सब पाप बाहर निकल जाते हैं। 'म' के उच्चारण से कपाट बंद हो जाते हैं, जिससे पाप फिर नहीं आ सकता। पत्थर पर राम का नाम लिखकर समुद्र के पानी में फेंक देने से जब पत्थर तैरने लग गया तो भला जो मानव राम का नाम हृदय में बसा लेगा, वह तो भवसागर से निश्चित ही तर जाएगा। हारी बीमारी में जैसे जमा धन काम आता है वैसे ही मुसीबत पड़ने पर राम धन काम आता है। राम नाम कलि अभिमत दाता अर्थात् इस घोर कलियुग में केवल राम नाम समस्त मनोरथ पूर्ण करने वाला है।

श्रीराम नाम लेखन इस युग में भक्त की समस्त इच्छाएं पूरी करता है। जब कलयुग में श्रीराम नाम ही तारक है तब क्यों न इस पवित्र नाम का सहारा लेकर जीवन को सुखमय बनाया जाए। श्री राम के नाम का लेखन करने से हाथ पवित्र होते हैं और जब आप श्रीराम नाम का उच्चारण करते हैं तब जिह्वा पवित्र होती है। इसके पश्चात श्रीराम नाम लिखने से अंर्तआत्मा में श्रीराम का तेज जाग्रत होने लगता है। राम शब्द की व्यापकता केवल मन्दिरों तक ही सीमित नहीं है बल्कि सृष्टि के कण-कण में व्याप्त है। राम नाम में सम्मिलित दो अक्षर ब्रह्म एवं जीव के समन्वय को प्रदर्शित करते हैं। धर्म शास्त्रों के अनुसार राम नाम में त्रिदेवों की शक्ति निहित है। आदिकवि वाल्मीकि जी के बारे में यह कथाएं प्रचलित है कि वे राम भी नहीं बोल सकते थे। उन्होंने मरा-मरा बोलना शुरू करके उससे निकलने वाले राम-राम के महामंत्र से स्वयं को शुद्ध कर लिया जिससे उनके हृदय में स्थित ज्ञान प्रकट हो गया और वे रामायण जैसे महाकाव्य के रचयिता बने।

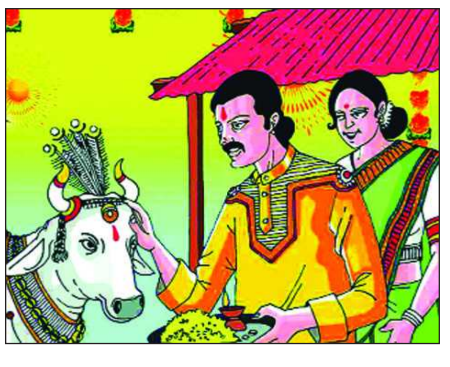

संक्षिप्त समाचार

एक अप्रैल से बदल जाएंगे बिल पेमेंट के नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने बिल भुगतान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, भागीदारी बढ़ाने और ग्राहक सुरक्षा तय करने के लिए संशोधित मानदंड गुरुवार को जारी किए। केंद्रीय बैंक ने संशोधित भारतीय रिजर्व बैंक (भारत बिल भुगतान प्रणाली) दिशानिर्देश, 2024 जारी किया। पेमेंट सिस्टम में महत्वपूर्ण बदलाव के मद्देनजर मौजूदा नियमों को तर्कसंगत बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। आरबीआई ने कहा कि ये डायरेक्शंस बिल भुगतान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, भागीदारी बढ़ाने और बदलावों के बीच ग्राहक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाए गए हैं। ये दिशानिर्देश एक अप्रैल, 2024 से बैंकों, एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड और अन्य नॉन-बैंक पेमेंट सिस्टम प्रणालियों पर लागू होंगे। भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) एक इंटिग्रेटेड बिल पेमेंट प्लेटफॉर्म है, जो यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग, कार्ड, नकद और प्रीपेड भुगतान साधनों का उपयोग करके कई माध्यमों से बिलों का भुगतान करने में सक्षम बनाता है। इन माध्यमों में मोबाइल ऐप, मोबाइल बैंकिंग, जमाकर्ता एजेंट और बैंक शाखाएं शामिल हैं। अपडेटेड रेगुलेशंस के मुताबिक भारत बिल पे सेंट्रल यूनिट इस बारे में नियम-कायदे तय करेगी। साथ ही बीबीपीसी सिस्टम में हिस्सा लेने वाली यूनिट्स के लिए टेक्निकल स्टैंडर्ड्स भी तय करेगा। बिलर्स को बीबीपीएस पर लाने की जिम्मेदारी बिलर ऑपरेटिंग यूनिट की होगी। कस्टमर्स को डिजिटल या फिजिकल इंटरफेस देने की जिम्मेदारी कस्टमर ऑपरेटिंग यूनिट को दी गई है।

टोयोटा ने फरवरी में अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री की

नई दिल्ली, एजेंसी। वाहन विनिर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फरवरी में 25,220 इकाइयों की बिक्री के साथ अब तक की अपनी सबसे अच्छी मासिक थोक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने शुक्रवार को फरवरी के थोक बिक्री आंकड़े जारी करते हुए कहा कि उसकी आपूर्ति पिछले महीने 61 प्रतिशत बढ़कर 25,220 इकाई हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 15,685 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 23,300 इकाई रही जबकि उसने 1,920 इकाइयों का निर्यात किया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उपाध्यक्ष (बिक्री, सेवा, पुराना वाहन व्यवसाय) साबरी मनोहर ने कहा, हम विभिन्न क्षेत्रों से अच्छी ग्राहक पूछताछ के साथ मांग को बढ़ते हुए देख रहे हैं। खासकर एसयूवी और एमयूवी मॉडलों में ज्यादा मांग आ रही है।

न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक में एक बार फिर संकट ने दी दस्तक

20% गिरा शेयर, 1997 के बाद न्यूनतम स्तर पर

बैंक ने कहा कि उसे सालाना रिजल्ट घोषित करने में होगी देरी

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में एक और बैंक डूबने के कगार पर पहुंच गया है। न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक के शेयरों में एक बार फिर गिरावट का सिलसिला शुरू हो गया है। इस महीने की शुरुआत में इसमें भारी गिरावट आई थी और बुधवार को भी इसमें 20 फीसदी गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही बैंक के शेयर की कीमत 1997 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। बैंक का कहना है कि उसने कंपनी कंट्रोल में मटीरियल वीकनेस की पहचान की है। इससे पिछली तिमाही में शेयरहोल्डर्स को 2.4 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। इससे बैंक पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। बैंक के मैनेजमेंट ने जिन समस्याओं की पहचान की है, वे इंटरनेल लोन रिव्यू से जुड़ी हैं। इसका मतलब है कि बैंक में निगरानी व्यवस्था, रिस्क मैनेजमेंट और मॉनीटरिंग एक्टिविटीज में समस्या है। पिछले साल फेल हुए कई बैंकों में भी इसी तरह की समस्याएं सामने आई थीं। बैंक ने साथ ही कहा है कि वह इन समस्याओं को दूर करने पर फोकस करेगा। इस कारण उसे अपना सालाना रिजल्ट जारी करने में देरी होगी। इससे निवेशकों में खलबली मची हुई है। इसकी वजह यह है कि पिछले साल फेल हुए फर्स्ट रिपब्लिक बैंक ने भी अपने तिमाही नतीजों को जारी करने में देरी की थी। अमेरिका में करीब एक साल पहले बैंकिंग संकट ने दस्तक दी थी। इसमें तीन बड़े बैंक डूब गए थे। इनमें सिग्नेचर बैंक भी शामिल था। इसे न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक ने ही खरीदा था। अब यह बैंक अपना वजूद बचाने के लिए जूझ रहा है। मूडीज ने हाल में इस बैंक की क्रेडिट रेटिंग डाउनग्रेड कर दी थी। अच्छी बात यह है कि इसका 60 फीसदी एसेट्स एफडीआईसी इंश्योरेंस में कवर्ड है। सिलिकॉन वैली बैंक के मामले में यह 10 फीसदी था।

पिछले साल का संकट

न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक ने इस महीने की शुरुआत में चौंकाने वाली घोषणा की थी। उसका कहना था कि उसे कमर्शियल रियल एस्टेट मार्केट में भारी घाटा हुआ है। मूडीज के मुताबिक बैंक कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है और उसके लिए कर्ज का भुगतान मुश्किल हो सकता है। कंपनी को साथ ही लिक्विडिटी की समस्या से भी जूझना पड़ सकता है। बैंक का एक तिहाई डिपॉजिट इंश्योरेंस के दायरे में नहीं है। अगर डिपॉजिटर्स का भरोसा डगमगाता है तो बैंक को फंडिंग और लिक्विडिटी का दबाव झेलना पड़ सकता है। भारी बिकवाली के बीच बैंक ने डिपॉजिटर्स और इन्वेस्टर्स को भरोसा जीतने की कोशिश की है। उसका कहना है कि बैंक के डिपॉजिट में 2023 की अंतिम तिमाही में मामूली तेजी आई है। अमेरिका में पिछले साल तीन बैंक डूब गए थे। यह अमेरिका में एसेट्स के हिसाब से 2008 के बाद सबसे बड़ा बैंकिंग संकट था। साल 2008 में अमेरिका में 25 बैंक डूबे थे जिनका कंबाइंड एसेट 374 अरब डॉलर था। पिछले साल सिलिकॉन वैली बैंक, सिग्नेचर बैंक और फर्स्ट रिपब्लिक बैंक डूब गए थे। साल 2022 में अमेरिकी बैंकों को 620 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

असम में बनेगा टाटा का सेमीकंडक्टर प्लांट, एक ट्रिलियन डॉलर के मार्केट पर रतन टाटा की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर चिप के ईकोसिस्टम को विकसित करने के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। इनमें असम के जगीरोड में टाटा ग्रुप की फैसिलिटी को मंजूरी देना शामिल है। केंद्र सरकार ने असम में 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट फैसिलिटी बनाने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह फैसिलिटी 27,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेगी। साथ ही एआई, औद्योगिक और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर चिप्स की वैश्विक मांग को पूरा करेगी। यह परियोजना भारत सरकार की सेमीकंडक्टर नीति और असम सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स नीति के अनुरूप है, जो पूर्वोत्तर भारत के औद्योगीकरण को पंख लगाएगी। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की सहायक कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स तीन प्रमुख तकनीकों - वायर बॉन्ड, फ्लिप चिप और इंटीग्रेटेड सिस्टम्स पैकेजिंग पर ध्यान केंद्रित करेगी। ये टेक्नोलॉजीज ऑटोमोटिव, कम्यूनिकेशन और नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर में यूज के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस फैसिलिटी का उद्देश्य एआई, औद्योगिक और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर चिप्स की वैश्विक मांग को पूरा करना है। एआई पर आधारित डिजिटाइजेशन के लिए सेमीकंडक्टर्स सबसे अहम बिल्डिंग ब्लॉक है। टाटा ग्रुप ने एक बयान में बताया कि असम में सेमीकंडक्टर फैसलिटी का निर्माण इसी साल शुरू होगा। इसका पहला फेज 2025 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है।

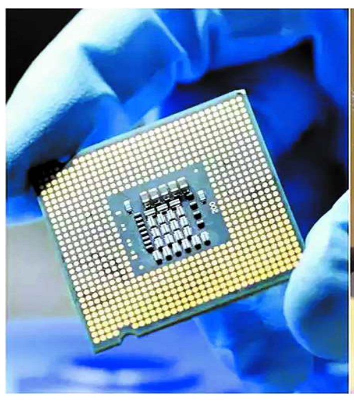

बाहरी झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया: एमपीसी सदस्य

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने कई बाहरी झटकों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इसकी मजबूती बनाए रखने के लिए प्रति-चक्रीय व्यापक आर्थिक नीतिगत उपायों की जरूरत होगी। गोयल ने कहा कि देश में मुद्रास्फीति कम हुई है लेकिन यह अभी भी लक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था के अच्छे प्रदर्शन में भारत की बढ़ती आर्थिक विविधता और झटके को कम करने में नीति की भूमिका रही। इन दोनों कारकों ने कई बाहरी झटकों के बावजूद भारत को अच्छा प्रदर्शन करने में मदद की। रिजर्व बैंक ने घरेलू खपत में सुधार और निजी पूंजीगत व्यय चक्र में तेजी की वजह से अगले वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। जानी-मानी अर्थशास्त्री गोयल ने कहा, भू-राजनीतिक स्थिति के नाजुक होने से प्रति-चक्रीय नीति को अर्थव्यवस्था की स्वाभाविक मजबूती में मदद जारी रखनी होगी। उन्होंने कहा कि उच्च वृद्धि और कर उछाल होने से घाटे और ऋष्ण अनुपात को कम करने की गुंजाइश पैदा होती है। हालांकि उन्होंने राजस्व बढ़ने पर अत्यधिक खर्च करने के लोभ से बचने की सलाह देते हुए कहा कि 2000 के दशक के उच्च वृद्धि दौर में यही गलती की गई थी जिससे एक दशक तक व्यापक आर्थिक कमजोरी बनी रही।

गोयल ने कहा, बुरे दौर में खर्च के लायक बने रहने के लिए अच्छे समय में खर्च को प्रति-चक्रीय बनाना, बफर तैयार करना और गुंजाइश रखना बेहतर है। उन्होंने मुद्रास्फीति पर एक सवाल के जवाब में कहा कि स्वीकार्य मुद्रास्फीति और वृद्धि के लिए वास्तविक दरों को आवश्यक स्तरों पर बनाए रखने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ब्याज दरों में क्रमिक कटौती करेंगे।

टाटा से तुलना करने पर ट्रोल्स को महिंद्रा का दिलचस्प जवाब, बोले- उनसे प्रतिस्पर्धा सौभाग्य की बात

नईदिल्ली, एजेंसी। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने महिंद्रा समूह की तुलना टाटा मोटर्स से करने वाले ट्रोल को ट्विटर पर करारा जवाब दिया है। प्लेटफॉर्म पर आयरनमैन के रूप में पहचाने जाने वाले ट्रोल ने महिंद्रा को ट्वीट किया कि उनकी कंपनी बिक्री में टाटा मोटर्स से पिछड़ गई है।

जवाब में आनंद महिंद्रा ने कहा, टाटा भारतीय ट्रक उद्योग में अग्रणी और पथप्रदर्शक रहे हैं। हम टाटा मोटर्स के वास्तुकार सुमंत मूलगांवकर की प्रशंसा करते हैं। उनके साथ जुड़ना और इस उद्योग में प्रतिस्पर्धा करना सौभाग्य की बात है। ऐसा करने में हम भारत की विनिर्माण क्षमता में योगदान करते हैं। महिंद्रा के जवाब को ट्विटर पर महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया मिले, जिसे 2.2 लाख से अधिक बार देखा गया और लगभग 4,000 लाइक्स मिले। ट्वीट का जवाब देते हुए, एक उपयोगकर्ता ने भारतीय होने के महत्व पर जोर दिया और टाटा और महिंद्रा के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करते हुए कहा, दोनों भारतीय खिलाड़ी हैं। एक स्वस्थ प्रतियोगिता को पोषित किया जाना चाहिए। दोनों अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे!

फरवरी में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि पांच महीनों के शीर्ष पर

नई दिल्ली, एजेंसी। कारखाना उत्पादन और बिक्री में तेज बढ़ोतरी के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिसमें घरेलू और बाहरी मांगों की अहम भूमिका रही। शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण से देश का विनिर्माण परिदृश्य बेहतर होने की तस्वीर सामने आई। यह सितंबर, 2023 के बाद विनिर्माण क्षेत्र की सबसे अच्छी स्थिति की ओर इशारा करता है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में बढ़कर 56.9 हो गया जबकि जनवरी में यह 56.5 था।

पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। इस सर्वेक्षण के मुताबिक, फरवरी महीने में उत्पादन पांच महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ा और पिछले सितंबर के बाद से बिक्री में सबसे तेज वृद्धि हुई और निर्यात ऑर्डर में भी 21 महीनों का सबसे मजबूत विस्तार हुआ। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, पीएमआई आंकड़ों से संकेत मिलता है कि घरेलू और बाहरी दोनों मांग से समर्थित उत्पादन वृद्धि मजबूत बनी हुई है। वृद्धि की रफ्तार तेज होने के बावजूद भारत में विनिर्माण क्षेत्र के रोजगार में थोड़ा बदलाव आया है।

सर्वेक्षण के मुताबिक, वस्तुओं के उत्पादकों ने बताया कि काम पर रखे गए कर्मचारियों की संख्या वर्तमान जरूरतों के लिए पर्याप्त थी। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर क्रय लागत मुद्रास्फीति 43 महीने के निचले स्तर पर आ गई, जिसकी वजह से बिक्री शुल्क कुछ हद तक बढ़ गया। कच्चे माल की लागत में साढ़े तीन साल में सबसे धीमी वृद्धि देखी गई। इससे विनिर्माण कंपनियों के मार्जिन में सुधार हुआ। मजबूत घरेलू मांग के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोप, इंडोनेशिया, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात से मांग वृद्धि होने से नए निर्यात ऑर्डर लगभग दो वर्षों में सबसे तेजी से बढ़े। सर्वेक्षण के मुताबिक, विनिर्माण कंपनियों ने अधिक उत्पादन जरूरतों, बिक्री में निरंतर वृद्धि और स्टॉक बनाने के लिए खरीद बढ़ाई। मांग बढ़ने के बीच विनिर्माताओं ने आगे भी तेजी का अनुमान जताया है। लैम ने कहा, मजबूत मांग और लाभ मार्जिन में सुधार से उत्साहित विनिर्माताओं का भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में आशावादी दृष्टिकोण है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने लगभग 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

रूस ने पेट्रोल और गैसोलीन पर के निर्यात पर लगाया बैन, भारत की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस ने पेट्रोल और गैसोलीन पर अगले छह महीने के लिए निर्यात पर बैन लगा दिया है। जानकारी के मुताबिक, रूस में पेट्रोलियम पदार्थों की कमी के कारण यह फैसला लिया गया है। इससे आने वाले दिनों में भारत में पेट्रोल की कीमतें बढ़ सकती है। दरअसल, भारत बड़ी मात्रा में रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल का आयोत करता है। उपभोक्ताओं और किसानों की गैसोलीन की बढ़ती मांग की भरपाई करने और रिफाइनरियों के मेंटेनेंस को प्लान करने के लिए ये फैसला लिया गया है। रूस के उप प्रधान मंत्री एलेक्जेंडर नोवाक के प्रवक्ता ने इस बात की जानकारी दी। ऊंची घरेलू कीमतों और कमी से निपटने के लिए रूस ने पिछले साल सितंबर और नवंबर के बीच भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाया था।

पेटीएम और पीपीबीएल ने अपना आपसी समझौता रद्द किया

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई के बीच वन97 कम्युनिकेशंस ने शुक्रवार को कहा कि निदेशक मंडल ने निर्भरता कम करने के लिए पेटीएम पेमेंट बैंक के साथ अंतर-कंपनी समझौता खत्म कर दिया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) नियामकीय निर्देशों को न मानने के कारण आरबीआई के जांच के दायरे में है। वन 97 कम्युनिकेशंस (जो पेटीएम का स्वामित्व और परिचालन करती है) ने शुक्रवार को एक वैधानिक फाइलिंग में कहा कि कंपनी और उसकी सहायक इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) ने पीपीबीएल के स्वतंत्र संचालन के प्रति अपने दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त उपायों की शुरुआत की है।

बीएसई फाइलिंग में कंपनी ने कहा, निर्भरता को कम करने के लिए इस प्रक्रिया के तहत, पेटीएम और पीपीबीएल ने पारस्परिक रूप से पेटीएम और इसकी समूह संस्थाओं के साथ विभिन्न अंतर-कंपनी समझौतों को समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। इसके अलावा पीपीबीएल के शेयरहोल्डर्स शेयरधारक समझौते (एसएचए) को सरल बनाने पर सहमत हुए हैं ताकि पीपीबीएल के संचालन को स्वतंत्र रखा जा सके। बोर्ड ने 1 मार्च, 2024 को समझौतों को समाप्त करने और स्॥ में संशोधन को मंजूरी दी। पेटीएम ने पहले घोषणा की थी कि वह अन्य बैंकों के साथ नई साझेदारी पर हस्ताक्षर करेगा और अपने ग्राहकों और व्यापारियों को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के उपाय करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) और इसकी सेवाएं जिनमें पेटीएम ऐप, पेटीएम क्यूआर, पेटीएम साउंडबॉक्स और पेटीएम कार्ड मशीन शामिल हैं, निर्बाध रूप से काम करना जारी रखेंगी। पेटीएम अपने ग्राहकों के लिए बाजार अग्रणी नवाचार और प्रौद्योगिकी-सक्षम समाधानों के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में एक नियामकीय कार्रवाई में रिजर्व बैंक ने पीपीबीएल को 29 फरवरी के बाद ग्राहक खातों, वॉलेट, फास्टैग और अन्य उपकरणों में ताजा जमा या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया था। सोमवार को विजय शेखर शर्मा ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के अंशकालिक गैर-कार्यकारी अध्यक्ष का पद छोड़ दिया और बैंक के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया था। पीपीबीएल नए अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है।

दुबई में रहने वाले हवाला कारोबारी के 580 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त, ईडी ने की कार्रवाई

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव एप से जुड़े धनशोधन मामले में ताजा छापेमारी के बाद दुबई के एक हवाला कारोबारी की 580 करोड़ रुपये से अधिक की सिक्योरिटी होल्डिंग, 3.64 करोड़ रुपये की नकदी और कीमती सामान जब्त किया है।

ईडी ने 28 फरवरी को कोलकाता, गुरुग्राम, दिल्ली, इंदौर, मुंबई और रायपुर के विभिन्न परिसरों पर छापेमारी शुरू की थी। महादेव ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी एप की ईडी की जांच में छत्तीसगढ़ के कई उच्च पदस्थ राजनेताओं और नौकरशाहों की कथित संलिप्तता के संकेत मिले हैं। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने इस मामले में हवाला कारोबारी हरिशंकर टिबरेवाल की पहचान की है। वह कोलकाता का रहने वाला है लेकिन फिलहाल दुबई में रहता है। उसने महादेव एप के प्रमोटरों के साथ साझेदारी की और एक कथित अवैध सट्टेबाजी एप स्काईएक्सचेंज का स्वामित्व और संचालन भी किया। अधिकारियों ने बताया कि टिबरेबाल के पास मौजूद 580.78 करोड़ रुपये की सिक्योरिटी को ईडी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत जब्त किया है। सूत्रों के अनुसार इन छापों में एजेंसी ने 1.86 करोड़ रुपये नकद और 1.78 करोड़ रुपये मूल्य का कीमती सामान बरामद किया है। ईडी इस मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। एजेंसी ने पहले कहा था कि महादेव ऐप द्वारा उत्पन्न कथित अवैध धन का इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में राजनेताओं और नौकरशाहों को रिश्वत देने के लिए किया गया था, जहां से एप के मुख्य प्रमोटर और अन्य आरोपित हैं। ईडी ने इस मामले में अब तक दो आरोपपत्र दाखिल किए हैं जिनमें कथित गैरकानूनी सट्टेबाजी और गेमिंग एप के दो मुख्य प्रमोटरों सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया गया है। इसने पहले भी इस मामले में कई छापे मारे थे।

खुलते ही IPO पर टूट पड़े निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्का प्रोटिन्स के आईपीओ को पहले दिन निवेशकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहले दिन ही 2.67 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को कल 4.07 गुना, क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में 1.01 गुना और नॉन इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर्स कैटगरी में 1.60 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। बता दें, कंपनी ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। मुक्का प्रोटिन्स आईपीओ का प्राइस बैंड 26 रुपये से 28 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 535 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,980 रुपये का दांव लगाना होगा। वहीं, एक रिटेल निवेशक को अधिक से अधिक 6955 शेयरों का दांव लगाना होगा। इंवेस्टर गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन शानदार है। कंपनी का ग्रे मार्केट में आज 28 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। यानी निवेशकों को पहले दिन 28 रुपये का फायदा हुआ। अगर ऐसा हुआ तो निवेशकों को पहले दिन 100 प्रतिशत का फायदा हो सकता है। मुक्का प्रोटिन्स के आईपीओ का साइज 224 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 8 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी।

मैं अपनी असफलता को दिल से लगा लेता हूं

अभिनेता टाइगर श्रॉफ इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में, अभिनेता नेहा धूपिया के शो नो फिल्टर नेहा में बतौर गेस्ट नजर आए। वे इस में शो की होस्ट नेहा से अपनी निजी जिंदगी के अलावा अपने करियर के उतार-चढ़ाव के बारे में भी काफी खुल कर बातें करते दिखाई दिए।

खुद से करते हैं सवाल

शो नो फिल्टर नेहा के दौरान शो की होस्ट नेहा ने टाइगर से पूछा जब उनकी फिल्में असफल होती है तब वे क्या करते हैं। इस सवाल के जवाब में अभिनेता ने कहा, देखिए मैंने ज्यादतर एक्शन फिल्में ही की है। एक्शन फिल्मों के निर्माण के दौरान एक अभिनेता शारीरिक और मानसिक दोनों तनाव से गुजरता है और जब इतनी मेहनत के बाद भी फिल्में फ्लॉप कर जाती है तब मैं खुद से सवाल करने लगता हूं। मैं सोचने लगता हूं कि क्या मैं एक्शन फिल्मों काबिल हूं या नहीं। मैं अपनी काबिलियत पर सवाल करने लग जाता हूं।

असफलताओं से नहीं होते परेशान

टाइगर अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, जब कोई फिल्म रिलीज होती है तब सभी को उम्मीद होती है कि फिल्म हिट करेगी, लेकिन हर बार यह संभव नहीं है। मेरी जब भी कोई फिल्म असफल होती है तो कई बार मैं उस असफलता को दिल पर ले लेता हूं। एक सप्ताह तक मैं फिर उसी उधेड़बुन में लगा रहता हूं, लेकिन उसके बाद मैं उस फेज से निकल जाता हूं और अगली फिल्म पर काम करना शुरू कर देता हूं।

टाइगर श्रॉफ का वर्क फ्रंट

टाइगर श्रॉफ आने वाले दिनों में फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वे पहली बार अक्षय कुमार के साथ एक्शन करते दिखाई देंगे। यह फिल्म इसी साल ईद के मौके पर रिलीज होने जा रही है। इसके अलावा टाइगर रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में भी अपने एक्शन का जलवा बिखेरते नजर आएंगे।

करण रावल की रोमांटिक थ्रिलर में दिखेंगी सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा करण रावल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर में नजर आएंगी, जिसका नाम अब तक जाहिर नहीं किया गया है। इकोलोन प्रोडक्शंस के प्रमुख विशाल राणा फिल्म का प्रबंधन करेंगे। फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि यह एक अनएक्सपेक्टेड टर्न के साथ एक रोमांटिक थ्रिलर है। सोनाक्षी ने कहा, यह इकोलोन प्रोडक्शंस के साथ मेरा पहला प्रोजेक्ट है और मैं हमेशा नई और रोमांचक भूमिकाएं निभाने की तलाश में रहती हूं। यह मेरे लिए एक और अनजान शैली है, इसलिए मैं इस रोमांचक भूमिका में उतरने के लिए बेताब हूँ। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। फिल्म के अन्य विवरण अभी गुप्त हैं। राणा ने बताया – मैं ऐसी अद्भुत टीम के साथ यह यात्रा शुरू करने के लिए रोमांचित हूं। सोनाक्षी और करण जैसी प्रतिभाओं के साथ काम करना वाकई रोमांचक है। मैं स्क्रीन पर हमारे विजन को जीवंत होते देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। यह एक रोमांचक साहसिक काम की शुरुआत भर है। मैं और इंतजार नहीं कर सकता! करण रावल इससे पहले 2020 में विक्रांत मैसी और नसीरुद्दीन शाह अभिनीत हाफ फुल का निर्देशन कर चुके हैं।

तापसी पन्नू ने शादी की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी, खुलासे ने किया कन्फ्यूज

तापसी पन्नू को आखिरी बार राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म डंकी से दर्शकों का दिल जीतते देखा गया। इस फिल्म में अभिनेत्री, बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आईं। तापसी को आने वाले दिनों में भी कई प्रोजेक्ट में देखा जाना है। इसी बीच वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी जबरदस्त सुर्खियों में हैं। बीते दिन जानकारी मिली कि अभिनेत्री अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड मैथियास बोए से शादी करने जा रही हैं। वहीं, दोनों के वेडिंग वेन्यू और शादी की तारीख पर भी कई रिपोर्ट्स वायरल हुईं। अब खुद तापसी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा खुलासा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तापसी पन्नू और मैथियास बो मार्च महीने में उदयपुर में एक इंटीमेट वेडिंग के दौरान एक–दूजे के हो जाएंगे। दोनों सिख और ईसाई दोनों रीति–रिवाज से शादी के बंधन में बंधेंगे। अभिनेत्री की शादी को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है। इसी बीच तापसी से भी उनकी वेडिंग पर प्रतिक्रिया मांगी गई। हालांकि, उन्होंने इस पर कुछ भी टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। तापसी पन्नू ने कहा कि उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के बारे में कभी कोई सफाई नहीं दी है और आगे भी नहीं देंगी। एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने कहा, मैंने अपनी निजी जिंदगी को लेकर कभी कोई सफाई नहीं दी है और ना ही कभी दूंगी। मंगलवार, 27 फरवरी को एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि तापसी और मैथियास मार्च महीने में एक निजी शादी समारोह में हमेशा के लिए एक–दूजे के होने जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शादी में केवल उनके परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल होंगे और किसी भी बॉलीवुड ए–लिस्टर स्टार को आमंत्रित नहीं किया जाएगा। तापसी और मैथियास कई साल से रिश्ते में हैं, लेकिन दोनों ने इसके बारे में कम ही जानकारी साझा की है। दोनों अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना ही पसंद करते हैं।

बायोपिक शैक - द डाउट में पायल घोष निभाएंगी जीनत अमान का किरदार

एक्ट्रेस पायल घोष अपकमिंग बायोपिक शैक– द डाउट में गुजरे जमाने की सुपरस्टार जीनत अमान की भूमिका निभाएंगी। मशहूर एक्ट्रेस जीनत अमान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1970 में फिल्म द एविल विदइन से की थी। जीनत अमान को हरे रामा हरे कृष्णा, यादों की बारात, कुर्बानी, दोस्ताना और डॉन जैसी कई अन्य फिल्मों में अपने काम से पहचान मिली। जीनत अमान के किरदार के बारे में बात करते हुए पायल घोष ने कहा, यह मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। मैं वास्तव में खुश और भाग्यशाली हूं कि मुझ पर इतना विश्वास किया गया। मैं स्क्रीन पर ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व का किरदार निभा सकती हूं। एक्ट्रेस पायल घोष ने आगे कहा, जीनत अमान एक लीजेंड हैं। स्क्रीन पर उनका किरदार निभाना आज के समय के किसी भी एक्ट्रेस के लिए सबसे बड़े अवसरों में से एक है। मैं बहुत उत्साहित हूं। इस प्रोजेक्ट में अच्छा काम करने के लिए उत्सुक हूं। मैं रोमांचित हूं। मैं अपने प्रशंसकों से बस इतना वादा करना चाहती हूं कि मैं इसके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी। शैक – द डाउट का निर्देशन राजीव चौधरी ने किया है।

इमोशनल थ्रिलर दो पत्ती के टीजर में काजोल और कृति सेनन आमने-सामने

अपकमिंग फिल्म दो पत्ती में काजोल और कृति एक साथ नजर आने वाली है। फिल्म के टीजर में दोनों एक्ट्रेस का दमदार अभिनय देखने को मिल रहा है। इस इमोशनल थ्रिलर फिल्म का टीजर गुरुवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में मेहबूब स्टूडियो में नेटफ्लिक्स के एक इवेंट में जारी किया गया। टीजर की शुरुआत में ऊपर से खूबसूरत मनाली का मंजर है। फिर काजोल को बाइक चलाते दिखाय गया है। वह इसमें एक पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रही है। पूरे टीजर में वॉइसओवर में वह जीवन में गलत और सही स्थितियों के बारे में बात करती दिखाई दे रही हैं। हाल ही में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाली एक्ट्रेस कृति सेनन को इसमें ग्लैमरस और ग्रे शेड्स में दिखाया गया है। टीजर से यह पता लगाना मुश्किल है कि फिल्म की कहानी क्या है, लेकिन देखने से यह थ्रिलर मूवी लग रही है। फिल्म के कुछ डायलॉग भी टीजर में हैं। एक में काजोल कहती है, जब सच और सबूत आपस में भिड़ जाए तो क्या करना चहिए। जिस पर कृति सेनन को कहते हुए सुना जा सकता है, वही करना चहिए जो दिल कहे, पर सबसे बड़े घोखे न साला दिल ही देता है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आएगी।

फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स 3 से डेब्यू करने जा रही हैं रिद्धिमा कपूर

नेटफ्लिक्स का बहुचर्चित शो फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स अपने नए सीजन को लेकर लौट रहा है। साल 2020 में फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स की शुरुआत हुई थी। दर्शकों ने इस शो को काफी पसंद भी किया था। काफी लंबे इंतजार के बाद अब शो का नया सीजन आने को तैयार है। निर्देशक करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शो के तीसरे सीजन के बारे में एक पोस्ट साझा करते हुए फैंस को इसकी जानकारी दी है।

रणबीर की बहन रिद्धिमा करेंगी डेब्यू

शो फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स सीजन 3 के पोस्टर को करण जौहर ने साझा किया है। इस पोस्टर की सबसे खास बात यह है कि इसमें रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर भी नजर आ रही हैं। वे इससे पहले शो फैबुलस लाइव्स 1ह्य बॉलीवुड वाइव्स 3 का हिस्सा नहीं थीं। रिद्धिमा को देखकर शो के लिए दर्शकों का उत्साह दोगुना हो गया है।

रिद्धिमा हैं ज्वैलरी डिजाइनर

रिद्धिमा कपूर दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी हैं। रिद्धिमा पेशे ज्वैलरी डिजाइनर हैं। शो फैबुलस लाइव्स 1ह्य बॉलीवुड वाइव्स 3 में वे महीप कपूर और सीमा खान के साथ नजर आएंगी। इस शो में रिद्धिमा के अलावा पहली बार कल्याणी साहा चावला और शालिनी पासी भी नजर आएंगी। शो के पोस्टर में सभी स्टार की पत्नियां बेहद स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रही हैं।

होगा सात गुणा ड्रामा

करण जौहर ने शो फैबुलस लाइव्स 1ह्य बॉलीवुड वाइव्स 3 के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, यह ड्रामा अब सात गुणा ज्यादा होगा। ये हसीनाएं खूब सारा मसाला लेकर लेकर आ रही हैं। हो जाइए तैयार एक शानदार शो के लिए। सोशल मीडिया पर करण का यह पोस्ट काफी वायरल हो रहा है। शो के फैंस कमेंट सेक्शन में जाकर शो की रिलीज डेट के बारे में सवाल पूछ रहे हैं। वहीं, अभी शो के मेकर्स ने रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है।

'एनिमल पार्क' से पहले ये फिल्म पूरी करेंगे संदीप रेड्डी वंगा

बीते साल की कामयाब फिल्मों में शुमार फिल्म 'सलार पार्ट वन सीजफायर' के अभिनेता प्रभास और फिल्म 'एनिमल' के निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा की एक साथ बन रही फिल्म 'स्पिरिट' हॉरर फिल्म नहीं है। मुंबई में फिल्म 'दुकान' का ट्रेलर रिलीज करने आए संदीप ने साफ किया कि वह प्रभास के साथ जो उनकी फिल्म बन रही है, उसका इसके नाम के अनुरूप आत्माओ या भूत–प्रेतों से कोई लेना देना नहीं है। संदीप ने इस मौके पर कहा, 'मेरी ये फिल्म एक पुलिस अधिकारी के जीवन पर आधारित है। ये फिल्म मेरी अब तक की सारी फिल्मों से बिल्कुल अलग है। इसमें मेरा अपनी खास शैली तो होगी लेकिन ऐसा कुछ नहीं होगा जो मेरे चाहने वालों ने मेरी किसी पहले की फिल्म में देखा होगा।'

एक सवाल के जवाब में संदीप ने कहा कि वह प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' बनाने का वादा पहले ही कर चुके हैं और इसके मुताबिक वह पहले प्रभास की फिल्म पूरी करेंगे और इसके बाद रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'एनिमल पार्क' पर काम शुरू करेंगे।

संदीप रेड्डी वंगा ने फिल्म 'एनिमल' बनाने वाली कंपनी टी सीरीज के साथ तीन फिल्मों का करार किया है और उनकी ये दोनों फिल्में इसी करार का हिस्सा होंगी। यहां ये भी गौरतलब है कि फिल्म 'एनिमल' दरअसल संदीप ने पहले इसके मूल निर्माता सिने वन स्टूडियोज के मालिक मुराद खेतानी के साथ शुरू की थी। मुराद ही इस फिल्म के लिए रणबीर कपूर को भी लाए थे, लेकिन फिल्म शुरू होने के बाद संदीप और टी सीरीज के मालिक भूषण कुमार की नजदीकियां इतनी बढ़ीं कि कहते हैं संदीप ने मुराद को छोड़ भूषण का हाथ थाम लिया और उनके साथ सिर्फ 'एनिमल' ही नहीं बल्कि 'एनिमल पार्क' और 'स्पिरिट' की भी डील कर ली।

संदीप रेड्डी वंगा ने फिल्म 'एनिमल' में अपने भाई प्रणय रेड्डी वंगा को भूषण कुमार के साथ सह निर्माता बनाया। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ था जब फिल्म के मूल निर्माता मुराद खेतानी ने फिल्म की कमाई में वाजिब हिस्सा न मिलने पर अदालत में याचिका लगा दी। अपनी याचिका में मुराद ने फिल्म के ओटीटी और अन्य राइट्स बेचने की गुहार लगाई थी। इस बारे में अदालत में सुनवाई के दौरान ही टी सीरीज ने मुराद खेतानी के साथ अदालत के बाहर समझौता कर लिया।

वर्षों बाद फिर दर्शकों को हंसाएगी रितेश, विवेक और आफताब की तिकड़ी

विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और आफताब शिवदासानी की फिल्म मस्ती ने दर्शकों को खूब हंसाया था। इस फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट रिलीज होने के बाद आज इसके चौथे पार्ट की घोषणा हुई है। रितेश, विवेक और आफताब की तिकड़ी वर्षों बाद मस्ती 4 के साथ दर्शकों को हंसाते नजर आएंगे। आफताब शिवदासानी ने आज गुरुवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर फिल्म के चौथे पार्ट की घोषणा की है। आफताब ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की घोषणा करते हुए दो तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने तस्वीरें साझा कर लिखा, हंसी के ओजी रोलरकोस्टर के लिए कमर कसने का समय आ गया है। मस्ती 4 जल्द ही फ्लोर पर जा रही है। निर्माता ए झुनझुनवाला, एसके अहलूवालिया, इंद्र कुमार, अशोक ठकेरिया और निर्देशक मिलाप जावेरी के साथ हम इस मजोदार यात्रा पर निकलने के लिए तैयार हैं।

फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी द्वारा किया जाएगा। हालांकि, अभी फिल्म की शूटिंग शेड्यूल के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मस्ती 4 की घोषणा के बाद फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है। इस फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

पहले आईपीएल से संन्यास, उसके बाद तक खेले रणजी

आज के खिलाड़ियों को सचिन तेंदुलकर से सीखना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल आने के बाद से भारतीय टीम के लिए खेलने वाले खिलाड़ी घरेलू टूर्नामेंट से दूर ही रहते हैं। शायद ही किसी को याद हो कि विराट कोहली या रोहित शर्मा ने आखिरी बार रणजी ट्रॉफी में कब खेला था। महेंद्र सिंह धोनी समेत कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट तो छोड़ चुके हैं लेकिन आईपीएल में खेलते हैं। लेकिन अब बीसीसीआई एक्शन में है। रणजी में नहीं खेलने की वजह से ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया गया है। इन युवा खिलाड़ियों को सचिन तेंदुलकर से सीखना चाहिए।

रणजी से पहले आईपीएल से संन्यास

सचिन तेंदुलकर शायद एकमात्र क्रिकेटर हैं, जो आईपीएल से संन्यास लेने के बाद भी रणजी ट्रॉफी और इंटरनेशनल क्रिकेट में खेले हैं। आईपीएल 2013 सीजन खत्म होने ही सचिन ने घोषणा कर दी थी कि अब वह लीग में नहीं खेलेंगे। उसी साल सितंबर अक्टूबर में सचिन चैंपियंस लीग में उतरे। फिर वह हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में उतरे। मैच की आखिरी पारी में नाबाद अर्धशतक लगाकर सचिन ने मुंबई को जीत दिलाई थी।

टेस्ट से सबसे अंत में संन्यास

वनडे, आईपीएल, चैंपियंस लीग और रणजी ट्रॉफी के बाद सचिन ने सबसे अंत में टेस्ट मैच खेला। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई में अपना आखिरी मुकाबला खेला था। टेस्ट से संन्यास के बाद सचिन किसी लीग में नहीं खेले। पिछले कुछ सालों में जरूर और चैरिटी मैच या टूर्नामेंट में खेलते नजर आए हैं। युवा खिलाड़ियों सचिन को अपना आदर्श तो बताते हैं लेकिन उनके जैसे बनने की कोशिश नहीं करते।

घरेलू क्रिकेट खेलने का नहीं छोड़ते थे मौका

सचिन तेंदुलकर कभी भी रणजी ट्रॉफी या घरेलू क्रिकेट खेलने का मौका नहीं चूकते थे। 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई थी। इसके बाद से संन्यास तक सचिन ने 6 रणजी ट्रॉफी मैच खेले। 2012-13 के ईरानी कप में भी वह मुंबई के लिए खेले थे। दूसरी तरफ विराट कोहली ने 2012 के बाद कोई रणजी मैच नहीं खेला है। रोहित 2015 के बाद रणजी में नहीं उतरे हैं।

अय्यर-इशान की अनदेखी पर बोले साहा- कुछ भी जबरदस्ती नहीं किया जा सकता

कोलकाता, एजेंसी। भारत के अनुभवी विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने गुरुवार को कहा कि अगर कोई क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलना चाहता तो कुछ भी 'जबरदस्ती नहीं किया जा सकता। हालांकि उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट आधार है और हर खिलाड़ी को आगे बढ़ने के लिए इसे पर्याप्त महत्व देना चाहिए। साहा की प्रतिक्रिया इशान किशन और श्रेयस अय्यर को बुधवार को 2023-24 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची से बाहर किए जाने के बाद आई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा था कि इशान और अय्यर के नाम पर विचार नहीं किया गया। साहा ने इशान और अय्यर को बाहर किए जाने के संदर्भ में कहा कि यह बीसीसीआई का फैसला है और संबंधित खिलाड़ियों का व्यक्तिगत निर्णय है। आप जबरदस्ती कुछ नहीं कर सकते। ये दोनों खिलाड़ी हाल तक भारतीय टीम का हिस्सा थे। दोनों पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप में भी टीम का हिस्सा थे। इशान आखिरी बार दिसंबर में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान टेस्ट टीम का हिस्सा थे जबकि अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही मौजूदा श्रृंखला के पहले 2 टेस्ट खेले।

संक्षिप्त समाचार

खेल मंत्री बोले- खिलाड़ियों को डिजिटल सर्टिफिकेट दिए जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। खेलमंत्री ने खिलाड़ियों और राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिये चीजें आसान करने की अपनी योजना का ऐलान पिछले साल 29 अगस्त को किया था। उस समय एनएसएफ पोर्टल भी शुरू किया गया था। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि सरकार देश भर में रजिस्टर्ड खिलाड़ियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगी। इस पहल से खिलाड़ियों के प्रदर्शन और प्रतिभागिता को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी। डिजिटल सर्टिफिकेट में खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी की तारीफ रहेगी और यह उनकी उपलब्धियों का सबूत भी होगा। ठाकुर ने एक्स पर लिखा, '' हमारे खेल ढांचे की धुरी खिलाड़ी हैं और इसे ध्यान में रखकर खेल मंत्रालय ने उन्हें डिजिटल सर्टिफिकेट देने का अहम फैसला किया है। खेलमंत्री ने खिलाड़ियों और राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिये चीजें आसान करने की अपनी योजना का ऐलान पिछले साल 29 अगस्त को किया था। उस समय एनएसएफ पोर्टल भी शुरू किया गया था। ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि खिलाड़ी सर्वोपरि नीति के अनुरूप राष्ट्रीय खेल महासंघों को डिजिलॉकर के जरिये खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट देने के लिये कहा गया है। उन्होंने कहा, '' यह फैसला एनएसएफ के खेल प्रशासन में पारदर्शिता और कुशलता को बढावा देने और खिलाड़ियों के दस्तावेजों की सुरक्षा, पहुंच और सत्यता सुनिश्चित करने के लिये लिया गया है।

कैमरन ग्रीन और जोश हेजलवुड की जोड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

वेलिंग्टन एजेंसी। कैमरून ग्रीन और जोश हेजलवुड ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से 10वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी कर इतिहास रच दिया। ग्रीन-हेजलवुड की जोड़ी ने वेलिंगटन टेस्ट के दूसरे दिन 10वें विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। कैमरून ग्रीन और जोश हेजलवुड की जोड़ी ने 2004 में ब्रिस्बेन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 10वें विकेट के लिए जेसन गिलेस्पी और ग्लेन मैक्ग्रा द्वारा की गई 114 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह स्टैंड टेस्ट क्रिकेट में 10वें विकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया का छठा 100 रन या उससे अधिक साझेदारी थी। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के डिफेंडिंग चैंपियन की शुरुआत इस मैच में ज्यादा अच्छी नहीं रही लेकिन टीम ने अपनी पहली पारी में कुल 383 रन का स्कोर खड़ा किया। यह ग्रीन की 174 रनों की नाबाद पारी थी जिसने ऑस्ट्रेलिया को एक मजबूत टोटल तक पहुंचाया।

कुलदीप यादव ग्रेड ए अनुबंध के हकदार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के बचपन के कोच कपिल देव पांडे का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके लगातार प्रदर्शन को देखते हुए यह चाइनामैन गेंदबाज ग्रेड ए वार्षिक अनुबंध का हकदार है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को 2023-24 सीज़न के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) के लिए वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध का अनावरण किया। कुलदीप के लिए महत्वपूर्ण वेतन वृद्धि की उम्मीदों के बावजूद, उन्हें केवल ग्रेड सी से ग्रेड बी में पदोन्नत किया गया। कुलदीप ने भारत में 2023 विश्व कप के दौरान अपने कौशल का प्रदर्शन किया, 11 मैचों में 4.45 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट के साथ 15 विकेट हासिल किए। इसके अतिरिक्त, 2023 में, उन्होंने नौ टी20 में अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें 14 विकेट लिए। उनके बचपन के कोच कपिल ने बात करते हुए कहा कि कुलदीप इस समय शायद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। उसे ग्रेड ए में पदोन्नत किया जाना चाहिए था। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन मुझे यकीन है कि वह जल्द ही वह स्थान हासिल कर लेगा। वर्तमान में उन्हें जो भी अवसर मिल रहा है, वह जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने कुछ दिन पहले उनसे बात की थी और उनसे कहा था कि अपना हौसला बनाए रखें और किसी और चीज की चिंता न करें और केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

मप्र में 15 खिलाड़ियों को नौकरी

नईदिल्ली, एजेंसी। मप्र के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर इनकम टैक्स इंस्पेक्टर बन गए हैं। उन्हें गुरुवार को भोपाल मुख्यालय में 14 अन्य खिलाड़ियों के साथ नियुक्ति पत्र दिए गए। विभाग ने कुल 15 खिलाड़ियों को योग्यता अनुसार विभिन्न पदों पर नियुक्ति दी है। इनमें वेंकटेश समेत 4 क्रिकेटर, 3 एथलेटिक्स, 3 टेनिस, 3 टेबल-टेनिस, तैराकी और वॉटरस्पोर्ट्स के 1-1 खिलाड़ी शामिल हैं। इंदौर के वेंकटेश ने देश के लिए दो वनडे और 9 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। वर्तमान में कोलकाता नाइट राइडर्स से आईपीएल खेल रहे हैं। मप्र की तीनों फार्मेट की टीमों में खेल रहे हैं।

विलियमसन 12 साल बाद इस गलती की वजह से हुए रन आउट

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के सबसे अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेलिंगटन में जारी पहले टेस्ट की पहली पारी में रन आउट हुए। यह 2012 के बाद टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला रन आउट है। विलियमसन साथी बल्लेबाज विल यंग के साथ हुई तालमेल की गड़बड़ी के चलते रन आउट हुए। हालांकि इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी उनके रास्ते में आए, मगर स्टार्क की इसमें कोई गलती नहीं थी। विलियमसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इस मैच में कंगारुओं ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कैमरून ग्रीन के शतक के दम पर 383 रन बोर्ड पर लगाए हैं। ग्रीन ने 174 रनों की नाबाद पारी खेली। बात केन विलियमसन के रन आउट की करें तो, यह घटना न्यूजीलैंड की पारी के 5वें ओवर की है। ओवर की आखिरी गेंद पर विलियमसन मिड ऑफ की दिशा में शॉट खेलकर एक रन चुराना चाहते थे। विलियमसन तो बॉल को टैप करने के बाद तुरंत दौड़ पड़े, मगर नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े विल यंग की नजरें गेंद पर थी, जिस वजह से दोनों खिलाड़ियों के तालमेल में कमी आई और वह आपस में टकरा गए। केन विलियमसन के 14 साल के टेस्ट करियर में ऐसा मात्र तीसरी बार हुआ है जब वह रन आउट हुए हैं। इससे पहले वह दो बार जिम्बाब्वे के खिलाफ रन आउट हो चुके हैं। जी हां, 2011 में बुलावायो में खेले गए टेस्ट मैच में वह जिम्बाब्वे के खिलाफ 49 के निजी स्कोर पर रन आउट हुए थे, इसके बाद 2012 में वह इसी टीम के खिलाफ नेपियर टेस्ट में 4 के निजी स्कोर पर रन आउट होकर पवेलियन लौटे थे।

धोनी को धोनी बनने में लगे 15 साल

सौरव गांगुली का सुनील गावस्कर को कड़क जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट में शानदार परफॉर्मेंस देने वाले ध्रुव जुरेल की क्रिकेट पंडितों ने जमकर तारीफ की है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में 90 तो दूसरी पारी में अंडर प्रेशर नाबाद 39 रन बनाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनको इस परफॉर्मेंस का इनाम प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड के रूप में मिला था। ध्रुव जुरेल की इस परफॉर्मेंस को देख पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का दिल भी गदगद हो गया था। उन्होंने इस युवा विकेट कीपर की तुलना एमएस धोनी से कर दी थी। हालांकि सौरव गांगुली उनके इस बयान से खुश नहीं है और उन्होंने अब जुरेल की धोनी से तुलना करने पर कड़क जवाब दिया है।

मैच के दौरान गावस्कर ने कमेंट्री करते हुए कहा था, बेशक उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की है, लेकिन उनकी कीपिंग, स्टंप के पीछे उनका काम उतना ही शानदार रहा है। उनकी खेल जागरूकता को देखकर मैं कहना चाहता हूं कि वह उभरते हुए दूसरे एमएस धोनी हैं। मैं जानता हूं कि कोई दूसरा एमएसडी कभी नहीं हो सकता, लेकिन आप जानते हैं कि उसके पास प्रेजेंस ऑफ माइंड है, एमएसडी ने भी जब शुरुआत की थी, तो वह ऐसा ही था और जुरेल के पास खेल के प्रति जागरूकता है। वह स्ट्रीट-स्मार्ट क्रिकेटर हैं। अपने दूसरे ही टेस्ट मैच में जुरेल ने अर्धशतक जड़ा। गावस्कर के इस बयान पर अब सौरव गांगुली ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने रेवस्पोर्ट्ज से कहा, एमएस धोनी अलग लीग के खिलाड़ी हैं। जुरेल के पास टैलेंट है इसमें कोई संदेह नहीं है...मगर एमएस धोनी को एमएस धोनी बनने में 15-20 साल का समय लगा। तो उसे (जुरेल को) खेलने दें। ध्रुव जुरेल के बारे में पूर्व कप्तान ने आगे कहा, उसकी योग्यता ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया...उसकी स्पिनर खेलने की योग्यता...उसकी तेज गेंदबाजों के खिलाफ खेलने की योग्यता...सबसे जरूरी दबाव में उसके खेलने की क्षमता, जो आप एक युवा खिलाड़ी में देखना चाहते हैं। उसके पास अच्छा टेंपरामेंट भी है।

महिला क्रिकेट के लिए बीसीसीआई का बड़ा कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में क्रिकेट सबसे बड़ा खेल है। पिछले कुछ सालों में भारतीय क्रिकेट ने इतनी ज्यादा तरक्की की है जिसका कोई जवाब नहीं। टीम इंडिया में आने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को कई लेवल को पार करना पड़ा है। भारत में मेंस क्रिकेट ने तो काफी कुछ हासिल किया है, लेकिन जब बात महिला क्रिकेट को लेकर आती है तो हम थोड़े से पीछे नजर आते हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आज तक कोई भी आईसीसी खिताब नहीं जीता है। यही कारण है कि बीसीसीआई महिला क्रिकेट को लेकर काफी कुछ कर रहा है। इसी कड़ी में बीसीसीआई ने एक नए टूर्नामेंट के आयोजन का फैसाल लिया है। जिसके कारण भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ाने में और भी ज्यादा मदद मिलेगी।

टूर्नामेंट का शेड्यूल

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 29 मार्च से पुणे में एक मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन करने का फैसला लिया है। इस मेगा टूर्नामेंट में कुछ छह टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों को क्षेत्रों के आधार पर बांटा गया है। पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य और नॉर्थईस्ट की टीम इसमें शामिल होंगी। ये टीमें पांच मैचों की सीरीज में हिस्सी लेंगी। टूर्नामेंट 29 मार्च से शुरू होने वाला है और इसकी शुरुआत क्वार्टर फाइनल से होगी। क्वार्टर का मुकाबला 29, 30 और 31 मार्च को होगा।

क्वार्टर के विजेता फिर सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। दोनों सेमीफाइनल एक साथ खेले जाएंगे और 5 से 7 अप्रैल तक चलेंगे। फाइनल 9, 10 और 11 अप्रैल को खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट वुमेंस प्रीमियर लीग को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 17 मार्च को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसलिए, दोनों टूर्नामेंट के बीच 11 दिन का ब्रेक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय खिलाड़ियों (घरेलू और सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दोनों) को आराम करने और रेड-बॉल क्रिकेट के लिए तैयार होने का समय मिल सके।

दिल्ली कैपिटल्स ने आरसीबी विमेंस टीम को दी 25 रनों से मात

नईदिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का 7वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर विमेंस टीम और दिल्ली कैपिटल्स विमेंस टीम के बीच में खेला गया। इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 194 रनों का स्कोर बनाया, जिसमें शेफाली वर्मा के बल्ले से शानदार 50 रनों की पारी देखने को मिली। वहीं टारगेट का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर विमेंस टीम 9 विकेट के नुकसान पर 169 रन ही बनाने में कामयाब हो सकी। इस जीत के साथ अब दिल्ली कैपिटल्स टीम प्वाइंट्स टेबल में तीसरे स्थान से सीधे पहले नंबर पर पहुंच गई है।

स्मृति मंधाना की पारी नहीं आई काम, जेस जोनासन ने गेंद से पलटा मुकाबला

195 रनों के बड़े स्कोर का पीछा करने उतरी आरसीबी विमेंस टीम की शुरुआत इस मुकाबले में शानदार देखने को मिली जिसमें स्मृति मंधाना और सोफी डिवाइन की ओपनिंग जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 77 रनों की साझेदारी की। सोफी के बल्ले से 17 गेंदों में 23 रनों की पारी देखने को मिली। वहीं 112 के स्कोर पर आरसीबी विमेंस टीम को दूसरा और बड़ा झटका कप्तान मंधाना के रूप में लगा जो 43 गेंदों में 74 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौटी। यहां से टीम ने लगातार अंतराल में विकेट गंवाना शुरू कर दिया जिसमें 150 के स्कोर तक 4 खिलाड़ी पवेलियन लौट चुके थे। टारगेट का तेजी के साथ पीछा करने का दबाव आरसीबी विमेंस टीम की खिलाड़ियों पर साफतौर पर देखने को मिल रहा था और इसी के चलते टीम के विकेट गिरने का सिलसिला रुका नहीं। 20 ओवरों में आरसीबी 169 रन ही बनाने में कामयाब हो सकी और उसे 25 रनों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस मुकाबले में गेंद से जेस जोनासन ने 3 जबकि मरिजाने केप्प और अरुंधती रेड्डी ने 2-2 विकेट हासिल किए, वहीं शिखा पांडे के खाते में भी एक विकेट आया।

दिल्ली ने हासिल किया पहला स्थान तो आरसीबी पहुंची इस नंबर पर

दिल्ली कैपिटल्स ने इस मुकाबले में जीत हासिल करने के साथ प्वाइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया है। 3 मैचों के बाद वह 2 में जीत और 1 हार के बाद 4 अंक हैं और उनका नेट रनरेट 1.271 का है। वहीं दूसरे नंबर पर आरसीबी विमेंस टीम 4 अंकों के साथ है जिसमें उनका नेट रनरेट 0.0705 का है। प्वाइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस की टीम है जिसमें उनके भी 4 अंक हैं तो वहीं अंतिम दो स्थानों पर यूपी वॉरियर्ज और गुजरात जाएंट्स की टीम है।

संक्षिप्त समाचार

जल्द मिलेगी 5 महीने से अटकी पेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कई महीनों से वृद्धावस्था पेंशन मिलने का इंतजार कर रहे सुपर सीनियर सिटिजन्स के लिए राहत की खबर है। यहां 70 साल या उससे अधिक उम्र वाले हजारों बुजुर्गों को बीते पांच महीने से बुजुर्ग श्रेणी वाली पेंशन नहीं मिल रही है। दिल्ली सरकार के मुताबिक, केंद्र सरकार की तरफ से मिलने वाले पैसे का भुगतान नहीं होने के कारण पेंशन लंबित पड़ी है। सरकार ने अब केंद्र सरकार का हिस्सा भी खुद देने का फैसला किया है। फिलहाल फाइल मंजूरी के लिए वित्त विभाग के पास है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 60 साल से अधिक उम्रवालों को सरकार 2500 रुपये हर माह बुजुर्ग पेंशन देती है। 60 से 70 साल के बुजुर्गों को सरकार की तरफ से पूरी पेंशन दी जाती है। वहीं, 70 साल या उससे अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन में केंद्र सरकार की भी हिस्सेदारी होती है। सरकार के मुताबिक, बीते अक्टूबर से केंद्र सरकार ने अपने हिस्से का पैसा दिल्ली सरकार को नहीं दिया है, जिसके चलते पेंशन जारी नहीं की जा रही है। सरकार के मुताबिक, बुजुर्गों को पेंशन मिलने में हो रही देरी के कारण अब सरकार ने खुद ही सारा पैसा अपने हिस्से से देने का फैसला किया है। समाज कल्याण विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव भी बना लिया है। वित्तीय मंजूरी के लिए फाइल वित्त विभाग को भेज दी है। मगर सरकार का आरोप है कि वित्त विभाग लंबे समय से फाइल लेकर बैठी है जिसके कारण 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों का पेंशन जारी नहीं हो पा रही है। दिल्ली विधानसभा बजट सत्र में भी यह मुद्दा उठ चुका है। करोल बाग से विधायक विशेष रवि कहते हैं कि केंद्र सरकार की तरफ से पैसा नहीं मिलने के कारण यह देरी हो रही है।

सीलिंग से सहमे दिल्ली के व्यापारी, प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराने को तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) संपत्तिकर जमा न करने पर संपत्तियों को सील कर रहा है। इसको लेकर व्यापारियों ने लुटियन दिल्ली में संपत्तिकर वसूलने का फॉर्मूला बदलने की मांग की है। कनॉट प्लेस क्षेत्र में अब तक 30 से अधिक संपत्तियों को सील किया जा चुका है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि हम टैक्स देने को तैयार हैं, लेकिन नियमों के तहत लिया जाए। व्यापारी चाहते हैं कि एमसीडी की तर्ज पर एनडीएमसी टैक्स की गणना करे। न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री विक्रम का कहना है कि यह क्षेत्र गृह मंत्रालय के अंदर आता है, जिसको लेकर कोर्ट ने एनडीएमसी को निर्देश दिया था कि वो तय करके बताए कि किस फार्मूले के तहत टैक्स की गणना की जाएगी। अब तक फॉर्मूला तय नहीं किया गया है, क्योंकि जो भी फॉर्मूला तय किया जाएगा उसे संसद में भी पास कराना होगा। अब बिना फॉर्मूला तय किए टैक्स लगाया जा रहा है। हम टैक्स देने को तैयार हैं, लेकिन कई सौ गुना टैक्स लगा दिया जाएगा तो देना मुश्किल होगा। अब तक करीब 30 संपत्तियों को सील 1500 से अधिक को नोटिस मिल चुका है चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने इस मामले पर रविवार को व्यापारियों की बैठक बुलाई है।

महिला ने पूर्व विधायक पर लगाया रेप का आरोप, वायरल पत्र की जांच शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले चार दिनों से एक पत्र सियासी गलियारों में वायरल हो रहा है। यह पत्र सूरजपुर थाना क्षेत्र के गांव सूरजपुर में रहने वाली महिला के नाम से लिखा गया है। कथित महिला ने पत्र में पूर्व विधायक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। वायरल पत्र की प्रति लेकर गुरुवार को पूर्व विधायक कमिश्नरी मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया। अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। जेवर विधानसभा सीट से भाजपा और बसपा के सिंबल पर तीन बार जीत दर्ज करा चुके एक विधायक वर्तमान में गौतमबुद्धनगर से सटी बुलंदशहर लोकसभा सीट पर टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं। वह गुरुवार को कमिश्नरी मुख्यालय में अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था शिव हरि मीणा से मिले। वायरल पत्र को अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश करार दिया। इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। विधायक का आरोप है कि पत्र में जिस महिला को पीड़िता बताया गया है, वास्तव में ऐसी कोई महिला नहीं है।

दिल्ली की 7 में से 4 सीटों पर चेहरे बदल सकती है भाजपा

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में इस बार भाजपा सात में से चार सीटों पर उम्मीदवार बदल सकती है। इसके लिए प्रदेश की तरफ से केंद्रीय चुनाव समिति को नाम भेजे जा चुके हैं। संभावित नामों से प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। बड़े नामों के साथ संगठन में लंबे समय से काम कर रहे कार्यकर्ताओं को भी संभावितों की सूची में रखा गया है। साथ ही, दो महिला दावेदारों के नाम भी हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बार नई दिल्ली, चांदनी चौक, पूर्वी दिल्ली और उत्तरी पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट का टिकट बदला जा सकता है।

नई दिल्ली सीट के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री रहीं स्वर्गीय सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज का नाम शामिल है। बांसुरी अभी दिल्ली भाजपा में मंत्री भी हैं। यहां से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय का नाम भी संभावितों की सूची में शामिल है। इसके साथ ही, एक हाई प्रोफाइल केंद्रीय मंत्री का नाम भी दिल्ली से चल रहा है। इस पर फैसला आलाकमान को लेना है। इस सीट से केंद्रीय राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी अभी सांसद है।

हर्षवर्धन की सीट पर मंथन = चांदनी चौक लोकसभा सीट के लिए विष्णु मित्तल, प्रवीण खंडेलवाल का नाम संभावितों की सूची में रखा गया है। विष्णु मित्तल प्रदेश में उपाध्यक्ष हैं, जबकि प्रवीण खंडेलवाल व्यापारी नेता हैं और चांदनी चौक क्षेत्र से जुड़े हैं। चांदनी चौक से वर्तमान में डॉ. हर्षवर्धन सांसद हैं। पूर्वी दिल्ली से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, प्रदेश में महामंत्री हर्ष मल्होत्रा का नाम प्रस्तावित किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष स्वयं भी पूर्वी दिल्ली क्षेत्र से आते हैं। इस सीट से अभी क्रिकेटर गौतम गंभीर सांसद हैं। उत्तर-पश्चिमी से योगेंद्र चंदोलिया और दुष्यंत गौतम का नाम भी रखा है। गौतम भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं, जबकि चंदोलिया प्रदेश में महामंत्री हैं। यहां पिछली बार भाजपा ने टिकट बदलकर हंसराज हंस को चुनाव मैदान में उतारा था। पश्चिमी, उत्तर पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली पर दावेदारी मजबूत = पश्चिमी दिल्ली से सांसद प्रवेश वर्मा के साथ आशीष सूद का नाम भी भेजा गया है, जो वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के सहप्रभारी हैं। हालांकि इस सीट पर चेहरा बदले जाने की संभावना बहुत कम है। जाट बहुल इस क्षेत्र में प्रवेश वर्मा की अच्छी पकड़ मानी जाती है। इसी तरह, दक्षिणी दिल्ली सीट पर वर्तमान सांसद रमेश बिधूड़ी और उत्तर-पूर्वी पर मनोज तिवारी को बदलने की संभावना कम है। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर इस बार जल्द उम्मीदवार घोषित होने की संभावना है। भाजपा से जुड़े लोगों का कहना है कि इस बार केंद्रीय नेतृत्व ने बहुत पहले नाम मांगे हैं, जिन पर केंद्रीय चुनावी समिति ने मंथन भी शुरू कर दिया है। इसे देखते हुए यह तय माना जा रहा है कि वर्ष 2014 और वर्ष 2019 की तरह प्रताशियों के नाम घोषित करने में ज्यादा देरी नहीं होगी। पिछले दो लोकसभा चुनावों में नामांकन से कुछ दिन पहले ही प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए थे। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए दिल्ली भाजपा पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुकी है। पार्टी की तरफ से जिला, विधानसभा और लोकसभा वार समीक्षा की जा रही है। नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए पार्टी ने अभियान शुरू किया है। इसी बीच पार्टी ने संकल्प पत्र के लिए लोगों से सुझाव मांगने के लिए अभियान शुरू किया है। पार्टी प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को प्रेसवार्ता में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने औपचारिक तौर पर यह अभियान शुरू किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इससे पहले हमने वर्ष 2014 व 2019 में जनता के सुझाव पर पार्टी का संकल्प पत्र तैयार किया था। हमें खुशी है कि वर्ष 2014 के 530 बिंदुओं में से 529 पर हमने काम किया। वर्ष 2019 के 234 में 222 सुझावों पर हमारी पार्टी और केंद्र सरकार ने काम किया।

जेएनयू आधी रात को फिर बनी अखाड़ा, एबीवीपी और लेफ्ट गुटों के छात्रों में हिंसक झड़प

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) आधी रात को एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया। जेएनयू में भाषा संस्थान में चुनाव समिति के सदस्यों के चयन को लेकर गुरुवार रात दो छात्र समूहों के बीच हुई हिंसक झड़प में कुछ छात्र घायल हो गए। छात्र गुटों में मारपीट के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि झड़प में घायल कुछ छात्रों को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक कथित वीडियो सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति कुछ छात्रों को छड़ी से पीटता दिखाई दे रहा है वहीं एक अन्य क्लिप में एक व्यक्ति छात्रों पर साइकिल फेंकते दिखाई दे रहा है। वहीं घटना के एक अन्य कथित वीडियो में भी कुछ लोग अन्य लोगों के साथ मार-पीट करते दिखाई दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और वामपंथी समूहों के छात्रों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस घटना पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और न ही घायल छात्रों की संख्या के बारे में कोई जानकारी मिल सकी है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि हमें दोनों तरफ से शिकायत मिली है। हम शिकायतों की जांच कर रहे हैं। पुलिस को तीन लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। बता दें कि, जेएनयू में छात्र गुटों में झड़प का यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते महीने 10 फरवरी को भी जेएनयू कैंप में छात्र संघ चुनाव कराने को लेकर बुलाई एक बैठक के दौरान एबीवीपी और लेफ्ट गुट के बीच झड़प हो गई थी।

तीन मार्च को ट्रैक्टर से केजीपी एक्सप्रेसवे जाम करेंगे किसान

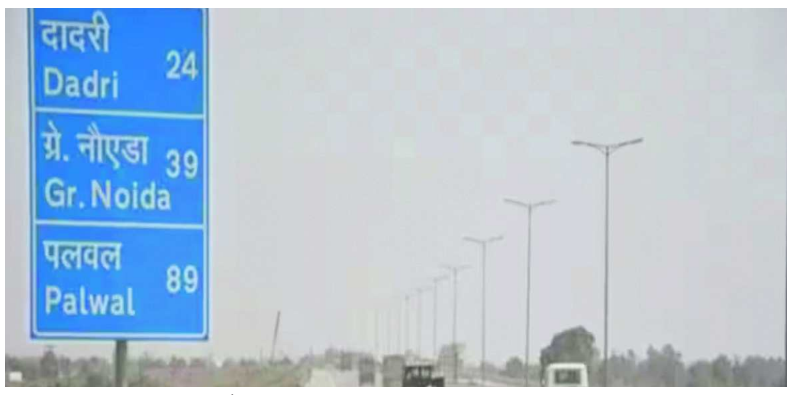

नईदिल्ली, एजेंसी।
जेवर एयरपोर्ट की ओर जाने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से मोहना में इंटरचेंज की मांग कर रहे किसान तीन मार्च को ट्रैक्टर के माध्यम से केजीपी एक्सप्रेसवे जाम करेंगे। यह घोषणा किसानों ने गुरुवार को की। इससे पहले 19 फरवरी को भी किसानों ने केजीपी एक्सप्रेसवे को जाम किया था और उस मामले में करीब 200 से 225 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। इसमें 8 किसान नेताओं को नामजद किया था। अब सवाल पैदा हो रहा कि किसान जाम को लेकर अडिग रहते हैं या फिर मुकदमा दर्ज के खौफ के चलते अपने जाम के फैसले को वापस लेते हैं।

किसानों ने गुरुवार को भी केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल के घेराव की घोषणा की हुई थी, लेकिन एसडीएम त्रिलोक चंद ने कुछ किसान नेताओं को उपायुक्त विक्रम सिंह के पास ले गए। जहां जिला उपायुक्त ने उनकी मांग के संबंध में उन्हें आश्वासन दिया। उसके बाद किसान जिला उपायुक्त के आश्वासन के बाद वापस घर लौट गए और उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री के घेराव का फैसला टाल दिया।

हालांकि, घेराव की तैयारी पिछले कई दिनों से चल रही थी, लेकिन जिला उपायुक्त से मिलने के बाद किसानों ने अपना फैसला टाल दिया। इधर, गुरुवार को धरने की अध्यक्षता मोहना के रति राम ने किया। जिन्होंने खुलासा किया कि जिला उपायुक्त से मिलना बेहद अच्छा रहा, जिन्होंने अच्छी खबर मिलने का भरोसा भी दिलाया। इस दौरान अध्यक्ष के नेतृत्व में कमेटी ने 3 मार्च को केजीपी जाम करने का फैसला लिया। ईश्वर सिंह नंबरदार निवासी मोहना, राजेश तेवतिया निवासी अलावलपुर पलवल, धर्मचन्द निवासी घुघेरा पलवल, महेन्द्र सिंह चौहान निवासी औरंगाबाद पलवल, सरदार उपकार सिंह व सुरेन्द्र वशिष्ट बीएसपी नेता फरीदाबाद,सतबीर निवासी मोहना, डी.के. शर्मा निवासी पन्हैड़ा खुर्द व देवी लाम्बा निवासी जवां सहित करीब 200 से 225 व्यक्तियों पर एक्सप्रेसवे जाम करने पर मुकदमा हो चुका है।

मेरे पैसों से कब तक खाओगे...सुनकर तैश में आए छात्र के दोस्त, गला दबाकर मार डाला

नईदिल्ली, एजेंसी। गजरौला के कारोबारी प्रदीप मित्तल के बेटे यश मित्तल की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। ग्रेटर नोएडा में यश की हत्या उस वक्त हुई जब वो अपने दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। पांच दोस्तों ने मिलकर यश की बेरहमी से हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि गला दबाकर हत्या करने से पहले यश को पीटा गया था। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। हत्याकांड में शामिल एक आरोपी अभी फरार है। यश ग्रेटर नोएडा के बेनेट यूनिवर्सिटी में बीबीए फर्स्ट ईयर का छात्र बताया जा रहा है। दरअसल, यश मित्तल की दोस्ती गजरौला के ही रहने वाले शुभम चौधरी, रचित नागर, सुशांत वर्मा, शिवम सिंह और सुमित सिंह थी। आशंका है कि पैसे के लिए आरोपियों ने यश को अपना दोस्त बनाया। इनका मकसद उससे पैसे ऐंठना था। ऐसा अक्सर होता भी था कि वह हमेशा यश के पैसे से पार्टी करते थे। पुलिस के मुताबिक घटना के दिन भी आरोपी एक साथ बैठकर पार्टी कर रहे थे। इस बीच यश ने उनसे कहा था कि तुम मेरे पैसों से कब तक पार्टी करोगे। इसी बात को लेकर झगड़ा होने पर हत्या की बात सामने आ रही है।

2016 में भी हटाया था, 2017 में फिर कब्जा कर लिया; रैट माइनर वकील हसन पर डीडीए का बयान

नईदिल्ली, एजेंसी। डीडीए ने वकील हसन को तत्काल राहत के तौर नरेला में ईडब्ल्यूएस फ्लैट में आश्रय उपलब्ध कराया है। डीडीए द्वारा दी गई जानकारी में कहा गया है कि सिल्कारा-बरकोट सुरंग में फंसे श्रमिकों के जीवन को बचाने में उनके उल्लेखनीय योगदान के चलते परिवार को सहायता प्रदान की गई है। डीडीए के अधिकारी वकील से मिलने और उन्हें यह प्रस्ताव बताने के लिए साइट पर गए।

वकील को रोजगार के रूप में अस्थायी राहत पर भी काम किया गया। डीडीए ने अपने बयान में कहा है कि वकील हसन इस बात से अवगत थे कि उनका मकान अतिक्रमण के दायरे में है और इसे 2016 में भी हटाया गया था, लेकिन उन्होंने 2017 में फिर से कब्जा कर लिया। यह अतिक्रमण हटाने का एक नियमित अभियान था। किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाकर यह कार्रवाई नहीं की गई है। डीडीए ने मदद करने की पेशकश की थी। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान अपना मकान गंवाने वाले वकील हसन ने डीडीए की मदद ठुकरा दी है। वकील ने बताया कि बुधवार रात डीडीए की टीम मौके पर पहुंची थी और अस्थायी आवास उपलब्ध कराने की पेशकश की थी, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया है। यह सिर्फ मौखिक तौर पर आश्वासन दिया जा रहा था। आशियाना उजड़ जाने के बाद रैट माइनर वकील हसन को बच्चों के भविष्य की चिंता सता रही है। बेटी की दो मार्च को बोर्ड की परीक्षा होनी है। परिवार सड़क पर रहकर गुजर-बसर करने को मजबूर है। इधर-उधर से खाने-पीने का सामान आ रहा है। पिछले साल उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग से 41 मजदूरों को बाहर निकालने में मदद करने वाले रैट माइनर वकील हसन के खूजरी खास के श्री राम कॉलोनी में रहते हैं। उनके मकान को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अनधिकृत बताकर बुधवार को ध्वस्त कर दिया था।

सुरक्षा कारणों से मेरीलैंड स्टेट हाउस में लॉकडाउन, लोगों को अपने घरों में रहने के दिए गए थे निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। एनापॉलिस में मेरीलैंड की राजधानी में सुरक्षा कारणों की वजह से गुरुवार की शाम पांच बजे तक लॉकडाउन लगाया गया था। गवर्नर के कार्यालय की तरफ से एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। गवर्नर के बयान के अनुसार, सुरक्षा कारणों से मेरीलैंड स्टेट हाउस में लॉकडाउन लगाया गया है। इस समय अन्य कोई जानकारी नहीं है। बयान में आगे कहा गया, स्टाफ, कर्मियों और कम्यूनिटी के सदस्यों को सुरक्षित स्थानों पर रहकर पुलिस या कानून प्रवर्तन की तरफ से जारी निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आसपास के इलाकों में रहने वाले स्थानीय लोगों को अपने घरों में रहने के लिए कहा गया था। उन्हें अपने दरवाजों को लॉक करने के साथ घरों की बत्तियां बुझाने का आदेश दिया गया था। आधे घंटे बाद इलाके में लॉकडाउन लगाया गया। मेरीलैंड स्टेट पुलिस स्टेट हाउस बिल्डिंग के भीतर शरण लेने वाले स्टाफ और कर्मियों को वहां से बाहर निकालने की कोशिश करने लगी। सैनिकों ने मेरीलैंड स्टेट हाउस में तलाशी ली।

बैरिस्टर गौहर खान फिर बने इमरान खान की पार्टी के अध्यक्ष, कई उतार-चढ़ाव के बाद हुआ फैसला

इस्लामाबाद , एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने संगठनात्मक चुनावों से अन्य सभी उम्मीदवारों की वापसी के बाद दूसरी बार अध्यक्ष पद के लिए बैरिस्टर गौहर खान के चुनाव की घोषणा की है। 71 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर से नेता बने खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में 3 मार्च को नए सिरे से संगठनात्मक चुनाव होने थे, क्योंकि इसके पहले इंट्रा-पार्टी चुनाव के नतीजे चुनाव आयोग द्वारा रद्द कर दिए गए थे। 45 वर्षीय बैरिस्टर गोहर को गुरुवार को निर्विरोध पार्टी का अध्यक्ष चुना गया और वह पार्टी में इस पद पर दो बार चुने जाने वाले एकमात्र नेता बने। पार्टी ने गुरुवार देर रात घोषणा की कि प्रधानमंत्री पद के लिए पीटीआई के उम्मीदवार उमर अयूब खान को भी पार्टी के केंद्रीय महासचिव के रूप में निर्विरोध चुना गया। डॉ. यास्मीन राशिद को पंजाब, अली अमीन गंडापुर को खैबर पख्तूनख्वा और हलीम आदिल शेख को सिंध के लिए पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुना गया, क्योंकि उनके खिलाफ किसी भी उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा था। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इमरान खान की पार्टी पीटीआई के संघीय चुनाव आयुक्त रऊफ हसन ने समाचार पत्र डॉन को बताया कि कई पार्टी नेताओं ने इंट्रा-पार्टी चुनावों के लिए पैनल के रूप में अपने नामांकन पत्र जमा किए थे, लेकिन उनमें से अधिकांश ने संगठनात्मक चुनाव से केवल दो दिन पहले अपना नामांकन वापस ले लिया।

हसन ने कहा कि अधिकांश सीटों पर विरोधियों की अनुपस्थिति में उनके पास निर्विरोध विजेताओं की घोषणा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी बलूचिस्तान के राष्ट्रपति पद के लिए क्वेटा में एक संगठनात्मक चुनाव आयोजित करेगी। पार्टी के एक बयान में कहा गया है, चुनाव का अंतिम परिणाम चुनाव प्रक्रिया के बाद 3 मार्च, 2024 को संघीय चुनाव आयुक्त द्वारा घोषित किया जाएगा। ईसीपी और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले साल दिसंबर में हुए अंतर-पार्टी चुनावों को गैरकानूनी घोषित करने के बाद से पार्टी का शीर्ष पद खाली पड़ा हुआ था। पीटीआई ने ईसीपी के निर्देश पर दिसंबर में संगठनात्मक चुनाव कराए थे। पार्टी को शीर्ष चुनावी निकाय द्वारा उसके प्रतिष्ठित क्रिकेट बल्ले के प्रतीक से वंचित कर दिया गया और गोहर, जो उन चुनावों के बाद अध्यक्ष बने थे, अब पार्टी प्रमुख नहीं थे। इससे पहले, बैरिस्टर अली जफर को पार्टी के अगले अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया था। हालांकि, उन्होंने अध्यक्ष पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया और बाद में, पूर्व सत्तारूढ़ दल ने गौहर को शीर्ष पद के लिए नामित किया। 8 फरवरी के आम चुनाव में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 266 सदस्यीय नेशनल असेंबली में बहुमत सीटें जीतीं।

चीन बोला- एलएसी पर हालात सामान्य, कहा- सीमा विवाद का मिलकर हल निकालेंगे

ड्रैगन ने देपसांग-डेमचोक से सैनिक हटाने की मांग ठुकराई थी

बीजिंग , एजेंसी। चीन ने दावा किया है कि एलएसी बॉर्डर पर भारत के साथ फिलहाल स्थिति सामान्य हैं। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग शियाओगांग ने कहा- 19 फरवरी को दोनों देशों के बीच 21वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर लेवल मीटिंग हुई थी। इस दौरान भारत-चीन के बीच सकारात्मक बातचीत हुई। चीन ने कहा- दोनों देशों ने एलएसी को लेकर एक-दूसरे की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए हल निकालने पर सहमति जताई। दरअसल, भारत ने कहा था की चुशुल-मोल्डो बॉर्डर पॉइंट पर 21वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर-लेवल बैठक में चीन ने देपसांग और डेमचोक के ट्रैक जंक्शन से सेना हटाने की भारत की मांग को ठुकरा दिया। दावा किया गया था कि बातचीत में दोनों देशों के बीच तनाव कम करने को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हुआ। इस पर चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- यह झूठ है। चीन के लिए दोनों देशों के बीच मिलिट्री रिलेशन्स बेहद अहम हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भारत-चीन मतभेदों को सुलझाने और आपसी विश्वास बढ़ाने के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे। इससे पहले कुछ दिन पहले हुए समिट में भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा था- चीन दादागिरी कर रहा है और भारतीय सेना बॉर्डर पर डटकर उसका सामना कर रही है। लद्दाख में मई 2020 में चीन के साथ हुए संघर्ष के बाद से अमेरिका ने खुफिया जानकारी और इक्विपमेंट के जरिए हमारी काफी मदद की है। अरमाने ने कहा- भारत इस वक्त चीन को लगभग हर मोर्चे पर टक्कर दे रहा है। जहां भी पहाड़ी है, हम वहां तैनात हैं और जहां सड़क है, हम

वहां भी मौजूद हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि जब भी सपोर्ट की जरूरत होगी, अमेरिका वहां मौजूद रहेगा। इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और शांति बनाए रखना बेहद अहम है। भारत और चीन के बीच 20वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर-लेवल अक्टूबर में हुई थी। इस दौरान भारत के सैन्य अधिकारी ने चीन पर लद्दाख के देपसांग और डेमचोक से सेना हटाने का दबाव डाला था। हालांकि चीन ने तब भी इससे इनकार कर दिया था। दोनों देशों ने बॉर्डर इलाकों में जमीनी स्तर पर शांति बनाए रखने पर सहमति जताई थी। दूसरी तरफ, दिसंबर 2023 में चीन ने कश्मीर में आर्टिकल 370 को हटाने पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की निंदा की थी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा था- इस फैसले का बीजिंग पर कोई फर्क नहीं पड़ता। भारत-चीन बॉर्डर का पश्चिमी हिस्सा हमेशा से चीन का रहा है। चीन ने आगे कहा था- हमने कभी भी भारत के एकतरफा और अवैध तौर पर स्थापित केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को मान्यता नहीं दी है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ये सच्चाई नहीं बदल सकती कि सीमा का पश्चिमी हिस्सा चीन का है।

पत्रकारों ने इस्लामाबाद में किया प्रदर्शन, असद अली तूर के खिलाफ एफआईआर वापस लेने की मांग की

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के साथ कई प्रमुख पत्रकारों ने पत्रकार असद अली तूर के खिलाफ एफआईआर वापस लेने की मांग को लेकर इस्लामाबाद में नेशनल प्रेस क्लब के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकार बिरादरी ने पाकिस्तान में लगातार हो रही गिरफ्तारियों और अभिव्यक्ति की आजादी के दमन की आलोचना करते हुए सरकार के खिलाफ नारे लगाए। पत्रकारों ने तख्तियां ले रखी थीं जिन पर लिखा था, असद तूर को रिहा करो, एक्स खोलो और इंटरनेट पर प्रतिबंध हटाओ, पत्रकारिता कोई अपराध नहीं है।

एक्स पर एक पोस्ट में, पाकिस्तानी पत्रकार मुनीज़ा जहांगीर ने कहा असदतूर की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए मांग की गई कि उनके खिलाफ दर्ज की गई अस्पष्ट एफआईआर, जिसमें यह निर्दिष्ट नहीं है कि उन्होंने सरकार के बीच असुरक्षा कैसे पैदा की, को वापस लिया जाना चाहिए।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 01-03-2024 21:56 Page 1

गति उल्लंघन जांच प्रणाली एवं स्वचालित नंबर प्लेट पहचान करने वाली

अग्रणी तकनीक से लैस हुआ बोकारो स्टील प्लांट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। आज अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा बोकारो स्टील प्लांट में सड़क सुरक्षा के लिए क्लाउड-आधारित गति उल्लंघन जांच प्रणाली एवं स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली करने वाली अग्रणी तकनीक का उद्घाटन किया गया। अधिशासी निदेशक (संकार्य) के कांफ्रेंस रूम में आयोजित उद्घाटन सत्र में मुख्य महा प्रबंधक (सर्विसेज) अनिल कुमार , मुख्य महा प्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्रिशमन सेवाएं) बीसी सरतापे, मुख्य महा प्रबंधक (परियोजनाएँ) अमरेंद्र झा, मुख्य महा प्रबंधक (रीफ्रैक्टरीज) वीपी उपाध्याय, मुख्य महा प्रबंधक (सी ई डी) शालिग्राम सिंह , महा प्रबंधक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकॉम) एस गंगोपाध्याय के साथ संयंत्र के वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बोकारो स्टील प्लांट के अंदर सड़क सुरक्षा के लिए क्लाउड-आधारित गति उल्लंघन जांच प्रणाली एवं स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली करने वाली यह तकनीक सड़क यातायात के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी के शिखर का प्रतिनिधित्व करने वाला कम लागत वाला उपकरण है जिससे संयंत्र परिसर के अंदर सड़क सुरक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है। इस तकनीक के द्वारा रियल टाइम में गति की निगरानी तथा तत्काल उल्लंघन अलर्ट प्रदान करने की सुविधा प्राप्त है।

उद्घाटन सत्र में अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने कहा कि इस तकनीक के द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति हम सभी के अंदर एक व्यवहारिक और सांस्कृतिक परिवर्तन लाया जा सकता है। सड़क पर गाड़ी चलाते समय गति की सीमा के अनुपालन को इस तकनीक के माध्यम से प्रभावी रूप से लागु किया जा सकता है।

राज्यपाल को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

उपायुक्त ने फूल देकर महामहिम का किया स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को कुछ समय के लिए बोकारो परिसदन में पड़ाव किए। जहां उपायुक्त विजया जाधव, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार,अपर नगर आयुक्त चास सौरव कुमार भुवानिया समेत अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस जवानों द्वारा महामहिम को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पूर्व उपायुक्त ने फूल देकर महामहिम का स्वागत किया। उल्लेखनीय हो कि, महामहिम श्री राधाकृष्णन अपने धनबाद से रांची यात्रा के क्रम में बोकारो परिसदन में कुछ समय के लिए पड़ाव किए थे। मौके पर जिला स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

रंगोली बनाकर दिया मतदान का संदेश

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को ले चल रहा मतदाता जागरुकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। आगामी लोकसभा आम चुनाव 2024 में अधिक से अधिक मतदान के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के मार्ग दर्शन में पूरे जिले में मतदाता जागरूकता अभियान से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को श्रम रोजगार प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा कौशल विकास केंद्र तेनुघाट में अध्ययनरत छात्र - छात्राओं ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। चुनाव का पर्व,देश का गर्व मतदान में सहभागिता निभाने की अपील की। सभी को मतदान दिवस के दिन अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया। वहीं,जेएसएलपीएस की सखी दीदीओं ने स्लोगन लिखी मेंहदी लगाकर ग्रामीण महिलाओं को अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया। मेहंदी से सखी दीदीओं ने अपने हाथों पर मतदान मेरा अधिकार - वोट डालने जाना है, वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है,वोट हमारा है अधिकार करें नहीं इसको बेकार आदि संदेश दिया।

डीवीसी प्रबंधन ने 46 कर्मियों को ग्रेच्युटी का किया भुगतान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंद्रपुरा(बोकारो)। डीवीसी चंद्रपुरा प्रबधन ने 46 ठेका कर्मियों और उनके परिजनों का ग्रेच्युटी का भुगतान कर दिया है । सेवानिवृत्ति ठेका कर्मी या उनके मृत्यु के बाद उनके परिजनों को यह लाभ प्राप्त हुआ है ।

इस कार्य को करने में डीवीसी के चंद्रपुरा प्रबंधन सकारात्मक पहल करते हुए इन कर्मियों को लाभ पहुंचा पहुंचाया है। बचे हुए अन्य कर्मियों को भी भविष्य में इसका लाभ मिलता रहेगा । यहां के तेजस भवन मे कल शाम आयोजित एक समारोह में वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान श्री मनोज कुमार ठाकुर ने इन कर्मियों को लाभ दिलाने के लिए ऑनलाइन भुगतान का उद्घाटन किया ।

वरिष्ठ महा प्रबंधक और परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर ने कहा के डीवीसी के ठेका कर्मियों और उसके परिजनों को ग्रेच्युटी का भुगतान भविष्य में भी किया जाता रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश साह, उप महा प्रबंधक दिलीप कुमार, एलपी गुप्ता, एकरामुल हक, मनमोहन सिंह, अभिषेक घटक, मुकेश कुमार , रविंद्र कुमार, पुनम पांडेय, जयंतो सरकार, रामकुमार दुबे, लक्ष्मण कुमार, मोहम्मद साकिब रजा, विनोद कुमार, संजीव कुमार , राजेंद्र , कुमार ठाकुर आदि उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव को ले एफएसटी और एसएसटी का हुआ प्रशिक्षण

सभी संबंधितों को सजग और सचेत होकर कार्य करने का मिला निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कलेक्ट्रेट के ब्लॉक सी के सभाकक्ष व पुराना डीआरडीए भवन में शुक्रवार को एफएसटी(उड़न दस्ता टीम), एसएसटी (स्टैटिक सर्विलांस टीम) और डीएलबीसी का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,छत्तरपुर एसडीएम हीरा कुमार,सदर अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी व सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी रणवीर सिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी संबंधितों को उनके कार्यों से संबंधित विस्तार पूर्वक ट्रेनिंग दी। इस दौरान एफएसटी टीम को व्यय लेखा नियंत्रण के तहत की जाने वाली कार्रवाई के अतिरिक्त आदर्श आचार संहिता के मामले पर भी कैसे नियंत्रण रखना है इस विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। वहीं सी विजिल एप के बारे में भी विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।

इसी तरह एसएसटी टीम को चुनाव के दौरान भारी मात्रा में नकद लेन-देन पर पैनी नजर कैसे रखा जा सकता है इस विषय पर प्रकाश डाला गया।

चेक नाका पर जांच के क्रम में अवैध हथियार के साथ आसामाजिक तत्वों की पहचान करना व उनपर कार्रवाई करने से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। सभी को अलग-अलग पालियों में प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में पांकी, डालटनगंज, विश्रामपुर, छत्तरपुर व हुसैनाबाद विधानसभा के लिये गठित एसएसटी व एफएसटी के सदस्यों ने भाग लिया।

विभाग की टीम ने अवैध शराब की जब्त

3 हजार किलो फरमेंटेंड महुआ किया नष्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विजया जाधव के निर्देश पर शुक्रवार को सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने नावाडीह थाना अंतर्गत जमुनिया नदी किनारे, दहीयारी ग्राम के जंगल में अवैध शराब निर्माण स्थलों पर छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने 810 लीटर स्पिरिट एवं 50 लीटर महुआ शराब जब्त किया। वहीं,03 हजार केजी फरमेंटेंड महुआ को नष्ट किया गया। छापेमारी के क्रम में संदिग्ध अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की संगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में निरीक्षक उत्पाद संजीत देव, अवर निरीक्षक सदर कृष्णा प्रजापति एवं अवर निरीक्षक चंद्रपुरा दीपिका कुमारी आदि शामिल थे। जानकारी हो कि,लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर बोकारो जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। उपायुक्त बोकारो ने सहायक आयुक्त उत्पाद को लगातार अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण झ्र बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

जिला जदयू ने मनाया बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 73 वां जन्मदिन

किया प्रधानमंत्री से भारत रत्न की उपाधि देने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नीतीश विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को गांधी सेवा सदन में जदयू पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 73वां जन्मदिन केक काटकर धूमधाम के साथ मनाया गया। पिंटू कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन लाने का काम किया है। वह बेदाग छवि के हैं। वर्तमान समय में किसी व्यक्ति के लिए बेदाग होना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में भी नीतीश मॉडल लागू कर राज्यों को विकसित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जदयू का एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री से मिलकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न का उपाधि देने का मांग किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य तथा दीर्घायु होने का कामना किया गया। वहीं पार्टी के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नीतीश कुमार को भारत रत्न की उपाधि देने का मांग किया है।

उक्त मौके पर प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह, ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव, प्रदेश महासचिव दीप नारायण सिंह, प्रदेश सचिव राजू कुमार सिंह, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे,महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पुष्पा पांडेय, दलित प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विद्यानंद पासवान, केबी सहाय,युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रूपेश पासवान, धनबाद प्रखंड अध्यक्ष बबलू मोदक, महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव बिंदु देवी, शिशिर कुमार दा,झप्पू सिन्हा, अशोक सिंह, स्मृतिकांत सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुन्ना सिन्हा, सकलदेव राय, उचित महतो, रीता रानी मंडल, लक्ष्मी देवी, विजय सिंह कुशवाहा, शंकर चौरसिया, अक्षय सिन्हा, शिवचरण महतो आदि मौजूद थे।

हासिल किया शत प्रतिशत वार्षिक उत्पादन का लक्ष्य

बोकारो। आज बोकारो स्टील प्लांट के 05 विभाग सीओ एंड सीसी, सिंटर प्लांट, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस-(न्यू) और एचएसएम ने 100% वार्षिक उत्पादन लक्ष्य हासिल किया है। शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने वाले विभागों में सीओ एंड सीसी विभाग ने फरवरी माह में 513 ओवन पुशिंग , सिंटर प्लांट ने 540146 टन सिंटर का उत्पादन , ब्लास्ट फर्नेस ने 389797 टन हॉट मेटल का उत्पादन , एसएमएस-(न्यू) विभाग के द्वारा 92727 टन क्रूड स्टील तथा हॉट स्ट्रिप मिल ने 364875 टन की रोलिंग करके फरवरी 2024 माह के लिए निर्धारित उत्पादन लक्ष्य का क्रमशः 100.58%, 117.67% ,102.04% ,113.08% ,102.78% उत्पादन किया है।

निदेशक प्रभारी अतानु भौमिक तथा अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ बोकारो स्टील के शीर्ष प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर विभाग की पूरी टीम तथा सभी सहयोगी विभागों तथा कर्मियों को बधाई दी है।

नई तरकीब से अब हो रही साइबर ठगी

अपहरण, दुष्कर्म जैसी घटनाओं की दे रहे धमकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। सावधान हो जाइए, साइबर ठग ठगी को लेकर नित नए नए उपाय कर रहे हैं। अब ये ओटीपी नहीं मांग रहे, बल्कि बेटे का अपहरण हो जाने, दुष्कर्म करते पकड़े जाने आदि का आरोप लगाकर परिवार को ब्लैकमेल कर पैसे की ठगी कर रहे हैं। ताजा मामला शहर के पीटीसी चौक निवासी तकनीशियन सहजानंद मिस्त्री से जुड़ा हुआ है।

साइबर ठगों ने मंगलवार रात दस बजे इन्हें फोन कर अपना शिकार बनाया। भुक्तभोगी से दस हजार रुपए की ठगी कर ली और दूसरे किस्त के रुप में 12 हजार रुपए का भुगतान होता, इससे पहले इसका भांडाफोड़ हो गया। इस बाबत साइबर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। दिए गए आवेदन में बताया गया है कि मंगलवार 10:15 बजे उनके मोबाइल पर एक फोन आया और कहा गया कि आपका बेटा मेरी गिरफ्त में है। वह एक लड़की के साथ दुष्कर्म करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया है। लोग उसके साथ जमकर पिटाई कर रहे हैं। उधर से किसी के रोने और पिटाई करने का आवाज भी महानंद मिस्त्री को सुनाया गया। उन्हें ऐसा लगा कि उनका बेटा बार-बार चिल्ला रहा हो कि मुझे बचा लो मुझे बचा लो। महानंद मिस्त्री डर गए कुछ भी सोचने समझने की स्थिति शून्य हो गई।

उधर से फोन पर उन्हें कहा गया कि अगर आपको अपने बेटे को बचाना है तो मैं जिस नंबर पर फोन किया हूं इसी नंबर पर दस हजार रुपए ट्रांसफर करो। महानंद मिस्त्री पुत्र मोह में इतना उलझ गए कि रो-रो कर उनका बुरा हाल होने लगा। उन्होंने आनन फानन में दो चरणों में अपराधी के अकाउंट में पैसा ट्रांसफर कर दिया।

इसके बाद फिर दूसरे नंबर से एक फोन आया और कहा गया कि तुम्हारे बेटे को अलग कमरे में हम बंद कर दिए हैं। बेटा सुरक्षित है लेकिन युवती की मौत हो गई है। इसलिए लोग ज्यादा उग्र हो रहे हैं। तुम 12 हजार रुपए और ट्रांसफर करो। उनके अकाउंट में पैसे नहीं थे तो उन्होंने अपने एक मित्र से संपर्क किया। दोस्त ने पूछा कि पैसे किसलिए? तो महानंद ने उन्हें पूरी बात बता दी। महानंद मिस्त्री के मित्र ने मामले की गंभीरता को समझते हुए सीधे साइबर सेल से संपर्क किया जहां पाया गया कि वह नंबर फेक है।

महानंद मिस्त्री साइबर ठगी का शिकार हो गए। इस क्रम में साइबर अपराधी लगातार लाइन पर था। 1 घंटे तक लाइन में रहते हुए महानंद मिस्त्री के गतिविधि को सुन रहा था जब अपराधी को लगा कि अब उसकी दाल नहीं गलने वाली है तो काफी गाली गलौज करने लगा और फोन काट दिया।

हेल्थ चेक अप कैंप के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। 08 मार्च को मनाये जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज बोकारो जनरल हॉस्पिटल में महिला कार्मिकों के लिए हेल्थ चेक अप कैंप का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रभारी बोकारो जनरल हॉस्पिटल डॉ बी बी करुणामय के अध्यक्षता में किया गया। यह हेल्थ कैंप 07 मार्च तक सुबह 09 बजे से अपराह्न 01 बजे तक बोकारो जनरल हॉस्पिटल में महिला कार्मिकों के लिए आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में बोकारो जनरल हॉस्पिटल के वरीय चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग सिस्टर, बोकारो इस्पात संयंत्र में कार्यरत महिला अधिकारी एवं महिला कर्मचारी शामिल थे। मानव संसाधन विभाग में कार्यरत महा प्रबंधक नीता बा के पहल तथा उनके द्वारा दिए गए नारी स्वस्थ तो परिवार स्वस्थ - परिवार स्वस्थ तो समाज स्वस्थ के थीम पर इस हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

सेवानिवृत्ति पर निवर्तमान आयुक्त को दी गई विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर, (पलामू)। निवर्तमान प्रमंडलीय आयुक्त दशरथ चन्द्र दास को उनके सेवानिवृत्ति पर आज विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। गोपनीय कार्यालय में आयोजित समारोह में आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा, उप निदेशक कल्याण आलोक कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी राजीव रंजन तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी, आयुक्त कार्यालय एवं अधीनस्थ कार्यालय के कर्मियों ने उन्हें अंगवस्त्र, गुलदस्ता एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक पड़ाव है। आयुक्त सर अब स्वयं के लिए समय का आनंद लें सकेंगे। सरकारी सेवा में रहकर आमजनों के लिए कार्य करते रहे। अब इस दायरों से अलग रहकर भी आमजनों से सीधे जुड़कर कार्य कर सकेंगे। उन्होंने निवर्तमान आयुक्त के उज्जवल भविष्य एवं दीघार्यु की कामना की।

उपनिदेशक कल्याण आलोक कुमार ने कहा कि प्रमंडलीय आयुक्त सर के अनुभव से अब महरूम होना पड़ेगा। उनका कार्यकाल स्वर्णिम रहा है। उन्होंने उनकी उपलब्धि पर प्रकाश डाला। साथ ही दीघार्यु होने की कामना की।

निवर्तमान आयुक्त दशरथ चन्द्र दास ने कहा कि सरकारी सेवा में रहकर विभिन्न स्थानों पर कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। पलामू में कार्यरत रहकर यह स्वीकार करते हुए खुशी हो रही है कि यहां के पदाधिकारी एवं कर्मियों ने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए सर्वोत्तम कार्य परिस्थितियां और वातावरण दिया। सरकारी सेवाकाल के दौरान मुझे कई नई चीजें सीखने को मिली, जिसका लाभ हमें प्रशासनिक के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन में मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में रहकर ज्यादा- से-ज्यादा लोगों की सेवा करने की कोशिश की। सेवानिवृत्ति के उपरांत भी आने वाले दिनों में सीधे जनता से जुड़कर उनकी सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनके पारिवारिक सदस्य व्यवस्थित हैं। इसलिए जीवन में ज्यादा तनाव लेने की बात भी नहीं है। आमजनों से जुड़े थे और जुड़े रहेंगे। उन्होंने पदाधिकारी एवं कर्मियों को इमानदारी पूर्वक कार्य करने तथा अनुशासन में रहकर समयबद्ध तरीके से कार्य करने की सलाह दी है।

विदाई सह सम्मान समारोह में प्रशाखा पदाधिकारी राजीव रंजन तिवारी एवं प्रमंडलीय जनसंपर्क इकाई के सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी बिजय कुमार ठाकुर ने निवर्तमान आयुक्त के कार्यकाल के दौरान किए गये कार्यों की सराहना की। साथ ही उनके विचारों को साझा करते हुए निवर्तमान आयुक्त के उज्जवल भविष्य की कामना की।

निवर्तमान आयुक्त दशरथ चन्द्र दास, आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा, उपनिदेशक कल्याण आलोक कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी राजीव रंजन तिवारी, प्रमंडलीय जनसंपर्क इकाई के एसएमपीओ प्रमोद कुमार सहित आयुक्त कार्यालय, पंचायती राज कार्यालय, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार कार्यालय, क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादकः मनोज विशाल फोन नंबरः 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्याः JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com